संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष : 47 | अंक : 115 | पेज-12 | मूल्य : 2.50 रु.

विश्वास आपका... साथ हमारा...

आर.एन.आई.नं. 35236/80

समाचार जगत

www.samacharjagat.com

जयपुर, शनिवार, 29 अगस्त 2026, भाद्रपद पक्ष प्रतिपदा संवत् 2083

KEDIA सेजस्थान
अजमेर रोड़, जयपुर

RERA No. RAJ/P/2023/2387

परसों 5 लाख रेट बढ़ेगी !

FIXED PRICE

NO MIDDLE MEN

₹4300/- Sq ft में फ्लैट ! | दिसंबर तक 25 लाख रेट बढ़ेगी | ₹5500/- Sq ft में कोठी !

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737
SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

RAJ/P/2026/5326

KEDIA आरण्यम
ADDRESS. LIFESTYLE. STATUS.

अब आपका Address आपका Status बताएगा !

नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप

प्री-लॉन्च रेट ₹16500/ वर्ग गज

लॉन्च रेट ₹18000/ वर्ग गज

दिवाली की रेट ₹20000/ वर्ग गज

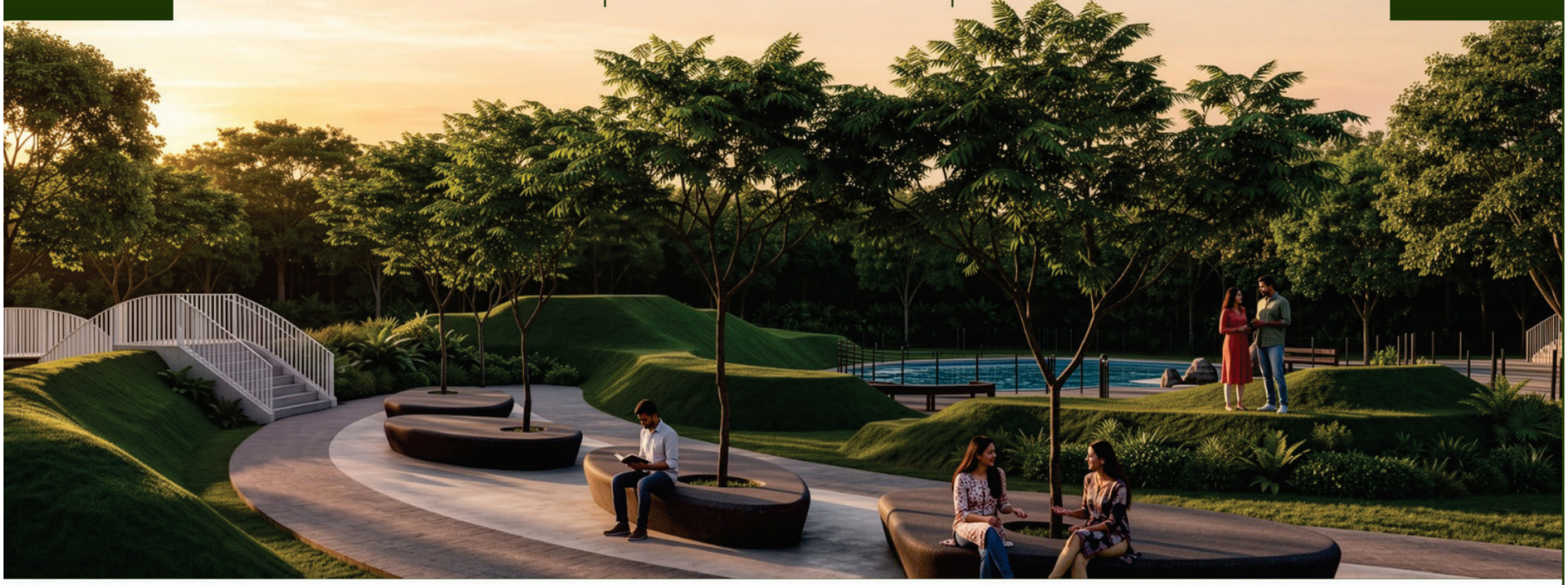

KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com
www.kedia.com

रक्षाबंधन पर एएनटीएफ की 3 बड़ी कार्रवाई: नशे के कारोबार से जुड़े तस्करों पर कसा शिकंजा, नागौर में 1.62 करोड़ की एमडी जब्त

25 हजार का इनामी बदमाश जयपुर से गिरफ्तार

एक लाख का टॉपमोस्ट तस्कर श्यामसुंदर उर्फ सांवरिया 10 माह के ऑपरेशन के बाद जोधपुर से दबोचा

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. रक्षाबंधन के पर्व पर राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशे के कारोबार और मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े अपराधियों के खिलाफ एक के बाद एक तीन बड़ी कार्रवाइयों को अंजाम देकर अपनी सक्रियता का परिचय दिया। नागौर में जयपुर लाई जा रही 5 किलो 400 ग्राम एमडी की करीब 1.62 करोड़ रुपये कीमत की खेप पकड़ने से लेकर पुलिस पर फायरिंग कर एक साल से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी अपराधी और राजस्थान के एक लाख रुपये के इनामी कुख्यात तस्कर सरगना को गिरफ्तार करने तक, एएनटीएफ ने रक्षाबंधन पर अपराधियों पर शिकंजा कसा।

महानिरीक्षक पुलिस एएनटीएफ विकास कुमार ने बताया कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के महत्वपूर्ण मार्गदर्शन और निर्देशन में मादक पदार्थ तस्करों एवं फरार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। रक्षाबंधन के अवसर पर भी एएनटीएफ की टीमें अपने कर्तव्य पर डटी रहीं और अलग-अलग अभियानों में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।

नागौर से जयपुर पहुंचने से पहले 1.62 करोड़ की एमडी पकड़ी

एएनटीएफ ने नागौर जिले के जायल थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 5 किलो 400 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद कर TUV-300 कार RJ21UC2898 जब्त की तथा एक विधि से संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया। बरामद एमडी की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 62 लाख रुपये बताई गई है।

एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि एमडी की बड़ी खेप नागौर से जयपुर ले जाई जा रही है और इसे जयपुर पहुंचाकर अलग-अलग पार्टियों एवं ग्राहकों तक सप्लाई किया जाना है। सूचना पर टीम ने ग्राम दुगौली में खारी-जोधा जाने वाली सड़क पर देवनारायण बगीची के सामने निगरानी एवं नाकाबंदी की। इसी दौरान संदिग्ध TUV-300 कार को रोककर स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में तलाशी ली गई। कार की खलासी सीट के नीचे मिले सफेद प्लास्टिक के कट्टे में हरे रंग की पांच थैलियों से 5.400 किलो एमडी बरामद हुई।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि एमडी की खेप सालासर/मालास, थाना मेडतारोड़ क्षेत्र से प्राप्त की गई थी और धुडिला गांव के पास एक तस्कर ने इसे बाल अपचारी को सौंपा था। इसके बाद वह एमडी लेकर जयपुर की ओर रवाना हुआ था। कार्रवाई में मिले मोबाइल की जांच में एक अकाउंटिंग/खाताबुक ऐप में 'SD MUTH' नाम से करीब 16 लाख रुपये के लेनदेन का हिसाब भी मिला है। पुलिस अब एमडी उपलब्ध कराने वाले सप्लायर, परिवहन में सहयोग करने वालों और आगे की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क की जांच कर रही है। महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार के अनुसार एएनटीएफ ने गठन के महज 10 महीनों में 196.76124 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद की है।

दूसरी बड़ी कार्रवाई में एएनटीएफ ने 'ऑपरेशन कलर फोटो' चलाकर करीब एक साल से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी अपराधी संदीप राज शर्मा को जयपुर से गिरफ्तार किया।

इस कुमार ने बताया कि संदीप राज पर जून 2025 में जयपुर पुलिस टीम पर फायरिंग करने का गंभीर आरोप है। पुलिस एक वांछित आरोपी की तलाश में नंदन विहार कॉलोनी स्थित किराये के मकान पर पहुंची थी। वहां मौजूद संदीप शर्मा ने कथित रूप से देशी कट्टा जैसा हथियार लहराकर पुलिसकर्मियों पर फायर किया। गोली एक पुलिसकर्मी के हाथ को छूकर निकल गई और आरोपी स्कॉर्पियो में बैठकर फरार हो गया। इस संबंध में थाना रामनगरिया, जयपुर पूर्व में फायरिंग एवं आर्म्स एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज हुआ था।

आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में 11 आपराधिक प्रकरण दर्ज होना बताया गया है। फरारी के दौरान वह छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, जयपुर और दौसा में ठिकाने बदलता रहा। एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि संदीप राज अपने एनडीपीएस मामलों में वांछित तस्कर दोस्तों के साथ जयपुर में मिलने और नशे की पार्टी करने वाला है। टीम ने संभावित स्थान पर निगरानी रखी और आरोपी के पहुंचते ही दबिश देकर उसे घेराबंदी कर दबोच लिया। उसके अन्य वांछित साथी पुलिस की भनक लगने से मौके पर नहीं पहुंचे।

गिरफ्तारी के बाद खुलेंगी अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क की कड़ियां : श्यामसुंदर से पूछताछ में मणिपुर से मध्यप्रदेश और राजस्थान तक फैले तस्करी नेटवर्क से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिलने की बात सामने आई है। एएनटीएफ अब सप्लायर, परिवहनकर्ताओं, स्थानीय रिसीवरों और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। वहीं नागौर की एमडी बरामदगी के मामले में भी सप्लाई के स्रोत और आगे के नेटवर्क तक पहुंचने के प्रयास जारी हैं।

रक्षाबंधन पर हुई इन तीन कार्रवाइयों में एएनटीएफ ने जहां एक ओर जयपुर पहुंचने से पहले 1.62 करोड़ रुपये की एमडी की खेप रोककर नशे के नेटवर्क को झटका दिया, वहीं दूसरी ओर फरार इनामी अपराधियों और तस्कर सरगना को गिरफ्तार कर यह संदेश दिया कि अपराधी चाहे कितने ही समय तक फरार रहें, कानून की पकड़ से बच नहीं सकते।

'ऑपरेशन वंशीधर 2.0' में एक लाख का इनामी तस्कर सरगना गिरफ्तार

तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण कार्रवाई में एएनटीएफ ने 'ऑपरेशन वंशीधर 2.0' के तहत राजस्थान के एक लाख रुपये के इनामी वांछित तस्कर सरगना श्यामसुंदर उर्फ सांवराराम उर्फ सांवरिया को जोधपुर से गिरफ्तार किया। आईजी श्री कुमार ने बताया कि आरोपी करीब 15 वर्षों से आपराधिक गतिविधियों एवं मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय रहा है और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, मारपीट, चोरी, हत्या के प्रयास एवं आर्म्स एक्ट सहित करीब 15 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। वह लंबे समय से तस्करी के नेटवर्क में सक्रिय था और मादक पदार्थों की सप्लाई चेन में उसकी मजबूत पकड़ बताई गई है। श्यामसुंदर लंबे समय तक कुख्यात तस्करों के संपर्क में रहा और बाद में अपना नेटवर्क खड़ा कर लिया। वर्ष 2024 में जोधपुर रेंज की साइक्लोनर सेल द्वारा पकड़े जाने के बावजूद जेल से बाहर आने के बाद वह दोबारा तस्करी में सक्रिय हो गया। जांच में उसके मणिपुर और मिजोरम क्षेत्र से मध्यप्रदेश के रास्ते मारवाड़ तक मादक पदार्थों की बड़ी खेप पहुंचाने से जुड़े नेटवर्क की जानकारी सामने आई है। पुलिस के अनुसार वह अलग-अलग सेकेंड हैंड वाहनों का इस्तेमाल करते हुए 30 से 60 किलो तक की खेपें राजस्थान लाने की कोशिश करता था।

3 बार हाथ से निकला, 10 महीने तक पीछा नहीं छोड़ा

श्याम सुंदर को पकड़ने के लिए एएनटीएफ ने करीब 10 महीने तक लगातार प्रयास किए। इस दौरान वह तीन बार टीम को चकमा देकर फरार होने में सफल रहा। पहली बार रिश्तेदार की बारात में उसकी मौजूदगी की सूचना पर टीम पहुंची, लेकिन भनक लगने पर वह निकल गया। दूसरी बार सांचौर की इंद्रा कॉलोनी में तस्कर साथियों के ठिकाने पर दबिश के दौरान उसके साथी पकड़े गए, लेकिन वह बच निकला। तीसरी बार मणिपुर से मध्यप्रदेश और बारां होते हुए जोधपुर आने की सूचना पर पीछा किया गया, लेकिन वह अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। आखिरकार एएनटीएफ को उसके बाड़मेर से जोधपुर आने की सूचना मिली। धवा और बोरानाड़ा क्षेत्र में टीमों ने घेराबंदी कर निगरानी शुरू की। संदिग्ध कार दिखाई देने के बाद करीब 20 किलोमीटर तक उसका पीछा किया गया।

शाकिर हत्याकांड: जंगल में छिपे दो मुख्य आरोपी को पुलिस ने घेरकर दबोचा

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. विद्याधर नगर थाना पुलिस ने शाकिर देशवाली हत्याकांड में फरार चल रहे दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या के बाद फरार हुए रफीक शाह उर्फ बकरी चोर और मोहम्मद हारून उर्फ भूरिया को पापड़ हनुमानजी मंदिर के पीछे जंगल से पकड़ा। पुलिस टीम ने रात में जंगल को घेरकर सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस को देखकर भागने के दौरान दोनों आरोपी गहरी खाई में गिरकर घायल हो गए।

पुलिस ने दोनों को कांवटिया अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों की मौका परेड भी करवाई। इस दौरान दोनों आरोपी लंगड़ाकर चलते नजर आए। थानाधिकारी सज्जन सिंह ने बताया कि कय्यूम का कुछ दिन पहले पानी की टंकी, शास्त्री नगर में रफीक उर्फ बकरी चोर से कहासुनी को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद को सुलझाने के लिए 24 अगस्त को कय्यूम को समझौते के बहाने बुलाया गया था। मौके पर रफीक के साले ने कय्यूम से गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर कय्यूम ने अपने भाई शाकिर को मौके पर बुला लिया। शाकिर के पहुंचते ही रफीक उर्फ बकरी चोर ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। वहीं मोहम्मद हारून ने कय्यूम पर भी चाकू से वार कर उसे घायल कर दिया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल शाकिर को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस हत्याकांड की जांच में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद ली। पुलिस ने 25 अगस्त को मोहम्मद फरीद उर्फ फदु चाचा, शाह रुख और दिलशाद उर्फ ढिल्लू को गिरफ्तार किया था। जांच में रफीक और हारून की वारदात में अहम भूमिका सामने आने के बाद दोनों की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम को सूचना मिली कि दोनों आरोपी पापड़ हनुमानजी मंदिर के आसपास जंगल में छिपे हुए हैं। पुलिस ने रात में मंदिर के पीछे के जंगल को चारों ओर से घेरकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस की घेराबंदी देखकर दोनों आरोपी भागने लगे। इसी दौरान वे गहरी खाई में गिर गए और घायल हो गए। पुलिसकर्मियों ने दोनों को बाहर निकाला और कांवटिया अस्पताल पहुंचाया। उपचार के बाद दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। पुलिस जांच के अनुसार रफीक उर्फ बकरी चोर और शाकिर के भाई कय्यूम के बीच पुराने पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। वारदात से तीन-चार दिन पहले भी दोनों पक्षों में कहासुनी और गाली-गलौज हुई थी। पुलिस के अनुसार इसी रंजिश के चलते दिलशाद उर्फ ढिल्लू ने कथित रूप से वारदात की योजना बनाई। रफीक को मंदिर मोड़ पर बुलाया गया और बाद में कय्यूम को समझौते के बहाने वहां बुलाया गया। कय्यूम अपने भाई शाकिर को भी साथ ले आया। इसके बाद आरोपियों ने दोनों भाइयों पर हमला कर दिया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार रफीक शाह उर्फ बकरी चोर के खिलाफ जयपुर के अलग-अलग थानों में मारपीट, लूट, हत्या और आरपीजीओ एक्ट सहित कई मामले दर्ज हैं। एक मामले में हत्या की धारा 302 समेत गंभीर धाराओं में चालान भी पेश किया जा चुका है। पुलिस गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

भाजपा प्रत्याशियों को मिलेगी विधिक सहायता, वर्मा संयोजक नियुक्त

बांदीकुई, समाचार जगत ब्यूरो. नगरपालिका चुनाव को लेकर भाजपा ने अपने प्रत्याशियों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए संयोजक एवं सह संयोजक की नियुक्ति की है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा जारी आदेश के अनुसार एडवोकेट एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता एडवोकेट अरुण वर्मा को संयोजक तथा एडवोकेट अमर सिंह गुर्जर को सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दोनों अधिवक्ता नगरपालिका चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को नामांकन प्रक्रिया से लेकर चुनाव संबंधी गाइडलाइन की पालना तक विधिक मार्गदर्शन देंगे। साथ ही प्रत्याशियों को चुनाव प्रक्रिया से जुड़े कानूनी प्रावधानों और आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराएंगे। नियुक्ति के बाद दोनों अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी भाजपा प्रत्याशियों को चुनाव के दौरान आवश्यक कानूनी सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की रहेगी।

कर्मचारी के साथ मारपीट व जातिसूचक टिप्पणी करने का मामला

जेडीए कार्रवाई पर उठे सवाल, जवाहर सर्किल पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. प्लॉट की सफाई करने पहुंचे एक कर्मचारी के साथ मारपीट और जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने का मामला सामने आया है। किशनपोल बाजार निवासी संजय गोधा ने जवाहर सर्किल पुलिस थाने में आरोपी हनुमान सिंह, एच. बगड़िया सहित अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। रिपोर्ट में जेडीए की मौके पर की गई कार्रवाई को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार 27 अगस्त को परिवादी संजय गोधा के यहां काम करने वाला ओमप्रकाश बलाई 27ए, 28ए और 23ए प्लॉट की सफाई एवं देखरेख के लिए पहुंचा था। आरोप है कि वहां मौजूद हनुमान सिंह, एच. बगड़िया और अन्य लोगों ने कर्मचारी से पूछताछ की। कर्मचारी ने खुद को प्लॉट मालिक का कर्मचारी बताया तो आरोपियों ने कथित रूप से जातिसूचक टिप्पणी करते हुए उसे वहां से चले जाने को कहा। परिवाद में आरोप है कि इसके बाद उसके साथ थप्पड़ मारकर मारपीट की गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची।

पुलिस ने कर्मचारी से प्लॉट के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज मंगवाने को कहा। इसके बाद संजय गोधा मौके पर पहुंचे। आरोप है कि वहां प्लॉट में कुछ गड्ढे किए हुए थे। इस संबंध में पूछताछ करने पर एच. बगड़िया ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए गड्ढे किए जाने की बात कही। कुछ समय बाद जेडीए के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। गोधा ने अधिकारियों को प्लॉट के स्वामित्व से संबंधित मूल दस्तावेज दिखाए और बताया कि प्लॉट लंबे समय से कब्जे में है। अधिवक्ता ने भी अधिकारियों को संबंधित दस्तावेज एवं अन्य प्लॉटों से जुड़े न्यायिक आदेशों की जानकारी दी। इसके बावजूद जेडीए अधिकारियों के साथ आए निजी व्यक्तियों ने कथित रूप से बिना किसी आदेश की प्रति या दस्तावेज दिखाए प्लॉट के गेट परिसर में निर्माण कार्य शुरू कर दिया। विरोध व आपत्ति पर ध्यान नहीं दिया गया। आरोपी हनुमान सिंह, एच. बगड़िया एवं अन्य लोगों के खिलाफ पूर्व में मुकदमा संख्या 1030/2026 के संबंध में कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष पाबंदी की कार्रवाई की जा चुकी है।

आचार संहिता में शिक्षक सम्मान समारोह स्थगित करने की मांग

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. निकाय चुनाव की आचार संहिता के चलते शिक्षक दिवस 5 सितंबर को शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित किए जाने वाले राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 2026 को स्थगित करने की मांग पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान ने निदेशक माध्यमिक शिक्षा विभाग से की है।

अभी संस्कृत दिवस के अवसर पर 27 अगस्त को संस्कृत शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित किए जाने वाले राज्य स्तरीय विद्वत सम्मान समारोह को भी आचार संहिता के कारण स्थगित किया गया था। पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान के महासचिव रामेश्वर प्रसाद शर्मा ने बताया कि 9 और 11 सितंबर को राज्य में होने वाले निकाय चुनाव में शिक्षकों की ड्यूटी लगी हुई है और प्रशिक्षण का कार्य चल रहा है। ऐसी स्थिति में सम्मान समारोह औपचारिक मात्र रह जाएगा।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान के लिए जिला स्तर पर प्राप्त नाम में से राज्य स्तर पर 66 नाम के चयन की प्रक्रिया भी पूरी नहीं हुई है।

माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक ललित कुमार से पुरस्कृत शिक्षक फोरम ने मांग की है कि सम्मान समारोह के आयोजन बारे में चल रहे असमंजस को अविलम्ब समाप्त करके स्थगित करने की सूचना सार्वजनिक करे।

आवासीय प्लॉट को हड़पने का प्रयास करने का मामला

अपीलीय अधिकरण ने जेडीए को विधिनुसार कार्रवाई करने के दिए आदेश

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. जयपुर विकास प्राधिकरण कर्मचारी आवासीय योजना खूसर में आवंटित आवासीय प्लॉट को हड़पने का प्रयास करने के मामले में अपीलीय अधिकरण, जेडीए के पीठासीन अधिकारी महावीर प्रसाद गुप्ता ने विधिनुसार कार्रवाई करने के आदेश दिए है। साथ ही अधिकरण ने रेफरेंसकर्ता को 15 दिन में प्रतिवेदन पेश करने एवं जेडीए को 03 माह में प्रतिवेदन को विधिनुसार निस्तारित कर निष्कर्ष पारित करने को कहा है। इस संबंध में विजय सिंह पथिक नगर, कालवाड़ रोड़, गुर्जर कॉलोनी, झोटवाड़ा-जयपुर निवासी मंजू गुर्जर व अन्य ने अधिकरण में यह रेफरेंस पेश किया था। एडवोकेट रामचन्द्र मचवाल एवं रमेश चौधरी ने रेफरेंसकर्ता मंजू गुर्जर की ओर से पैरवी करते हुए अधिकरण को बताया कि प्रार्थिया के पिता रामलाल गुर्जर को 01 मार्च, 2008 को जेडीए ने जयपुर विकास प्राधिकरण कर्मचारी आवासीय योजना खूसर में भूखंड आवंटित किया था। 16 जून, 2009 को आवंटी रामलाल का निधन हो गया था। उपरोक्त संपत्ति में प्रार्थीगण भी विधिक वारिसान है। लेकिन अप्रार्थीगण उपरोक्त अविभाजित विवादित सम्पत्ति को अपने नाम करवा कर अविभाजित हिस्से पर अवैध निर्माण करने को आमादा है। जिसका कि अप्रार्थीगण को कोई विधिक अधिकार नहीं है। अधिवक्ता रामचन्द्र मचवाल का यह भी कहना था कि रेफरेंसकर्ता मंजू गुर्जर की ओर से विपक्षी जेडीए को शिकायत भी दी गई थी, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में अप्रार्थीगण को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाए कि वादग्रस्त सम्पत्ति पर किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं करें, ऐसा ना तो स्वयं करें और ना ही किसी एजेन्ट, सर्वेन्ट, स्थानापन्न, वारिस इत्यादि से करावे।

दुर्घटनाग्रस्त बैंककर्मी को नहीं दिया वेतन-परिलाभ

उच्च न्यायालय ने बैंक मैनेजर व अन्य को जारी किए नोटिस

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए बैंक के असिस्टेंट मैनेजर को वेतन एवं परिलाभ नहीं देने के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस गणेश राम मीणा की बेंच ने रेस्पोडेंट्स बैंक मैनेजर एवं अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। पंजाब नेशनल बैंक की नीमराणा शाखा में पदस्थापित रहे असिस्टेंट बैंक मैनेजर विनोद कुमार की पत्नी अनिता ने यह याचिका दायर की है। एडवोकेट बाबूलाल बैरवा ने याचिकाकर्ता अनिता की ओर से पैरवी करते हुए उच्च न्यायालय को बताया कि 02 सितंबर, 2015 को ड्यूटी से घर लौटते समय असिस्टेंट मैनेजर विनोद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया था। 07 सितंबर, 2015 को उसके कोमा में जाने के बाद भी विपक्षी बैंक प्रबंधन की ओर से याचिकाकर्ता के पति को मासिक वेतन तक नहीं दिया गया। अधिवक्ता बाबूलाल बैरवा ने हाईकोर्ट को यह भी बताया कि दौराने इलाज 29 सितंबर, 2019 को असिस्टेंट बैंक मैनेजर विनोद कुमार की मृत्यु हो गई थी। उसके बाद भी कोई राशि नहीं दी गई। जो कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों के भी खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न न्यायिक दृष्टांतों में ऐसी ही स्थिति में कर्मचारी को वेतन एवं परिलाभ देने के आदेश दिए हैं। ऐसे में याचिकाकर्ता को उसके पति का वेतन एवं समस्त परिलाभ दिए जाने के आदेश दिए जाए।

हैतुक दर्शित करने के लिए

(साधारण प्रारूप) D.N. 2660/24.08.2026

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूचित संख्यांक-4

न्यायालय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, क्रम-4

जयपुर महानगर प्रथम, जयपुर

चन्दन लाल व अन्य बनाम

संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति व अन्य

प्रार्थना-पत्र संख्या. 74 सन् 2019.

बनाम :-

7. राकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री जगदीश नारायण/जगदीश प्रसाद/जे एन शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी-प्लॉट नम्बर-190/21, प्रताप नगर, टोंक रोड, जयपुर तत्कालीन कोषाध्यक्ष संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर, रजिस्टर्ड नम्बर-2409/एल. 40, शिल्प कॉलोनी, झोटवाडा, जयपुर

8. श्री शंकर लाल शर्मा पुत्र श्री ईश्वरी प्रसाद जाति ब्राह्मण निवासी तत्कालीन अवसायक, संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर, रजिस्टर्ड नम्बर-2409/एल. 40. शिल्प कॉलोनी, झोटवाडा, जयपुर

9. श्री एन के बोहरा, तत्कालीन प्रशासक / अवसायक संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर रजिस्टर्ड नम्बर-2409/एल. 40, शिल्प कॉलोनी, झोटवाडा, जयपुर

उक्त प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 31 माह 08 सन् 2026 को पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज तारीख 24 माह 08 सन 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दी गई।

मोहर

आज्ञा से
वरिष्ठ रीडर / शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-04,
जयपुर महानगर प्रथम

एचसीजी कैंसर हॉस्पिटल जयपुर में पहली बार हुई उन्नत लिम्फेडेमा सर्जरी

15 साल से पैर की सूजन से जूझ रहे मरीज को मिली राहत

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. नागौर के 61 वर्षीय एक पुरुष मरीज, जो पिछले 15 वर्षों से बाएं पैर में गंभीर सूजन से जूझ रहे थे, को एचसीजी हॉस्पिटल जयपुर के डॉक्टरों द्वारा अस्पताल की पहली Vascularized Lymph Node Transfer (वैस्कुलराइज्ड लिम्फ नोड ट्रांसफर) सर्जरी सफलतापूर्वक किए जाने के बाद नई उम्मीद मिली। यह महत्वपूर्ण प्रक्रिया एचसीजी में उन्नत रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे लंबे समय से लिम्फेडेमा (Lymphedema) से पीड़ित मरीजों को ऐसी विशेष उपचार सुविधा मिल सकेगी, जो समस्या के मूल कारण को संबोधित करती है। एक दशक से अधिक समय से मरीज लिम्फेडेमा से जूझ रहे थे। उन्होंने एचसीजी में विशेषज्ञ चिकित्सा सहायता ली।

विस्तृत जांच के बाद मेडिकल टीम ने Vascularized Lymph Node Transfer (वैस्कुलराइज्ड लिम्फ नोड ट्रांसफर) को मरीज के लिए सबसे उपयुक्त उपचार माना। इस प्रक्रिया में शरीर के एक हिस्से से स्वस्थ लिम्फ नोड्स को निकालकर प्रभावित हिस्से में प्रत्यारोपित किया जाता है। इससे लिम्फेटिक फ्लूइड के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करने और समय के साथ सूजन को कम करने में मदद मिलती है।

यह सर्जरी डॉ. सौरभ गर्ग और डॉ. मनीष जैन ने सफलतापूर्वक की। इस प्रक्रिया में डॉ. गौरव गोयल का भी सहयोग रहा, जिन्होंने सर्जरी के लिए आवश्यक स्वस्थ लिम्फ नोड टिश्यू को विशेषज्ञता के साथ प्राप्त किया। इस जटिल सर्जरी में एनेस्थीसिया प्रबंधन के लिए डॉ. विकास लाखोटिया का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उनके विशेषज्ञ मार्गदर्शन और सहयोग से सर्जरी को सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

सर्जरी के दौरान मरीज के दाएं कंधे के क्षेत्र से स्वस्थ लिम्फ नोड टिश्यू को सावधानीपूर्वक लिया गया और उसे पिंडली (calf) में प्रत्यारोपित किया गया। उन्नत माइक्रोसर्जिकल तकनीकों का उपयोग करते हुए डॉक्टरों ने बेहद छोटी रक्त वाहिकाओं को जोड़ा, ताकि प्रत्यारोपित टिश्यू को पर्याप्त रक्त आपूर्ति मिल सके और वह लिम्फेटिक ड्रेनेज में सहायता करना शुरू कर सके। सर्जरी बिना किसी जटिलता के सफलतापूर्वक पूरी हुई।

विवाद्यकों के स्थरीकरण के लिए सम्मन
आदेश 5 के नियम 1 व 5 जाब्ता दीवानी

अज अदालत D.N.-2659/24.08.26

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम-4
जयपुर महानगर प्रथम जयपुर

चन्दन लाल व अन्य **बनाम** संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति व अन्य
दावा बाबत घोषणा व स्थायी निषेधाज्ञा
वाद संख्या 606 सन् 2019,

बनाम :-

7. राकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री जगदीश नारायण/जगदीश प्रसाद/ जे एन शर्मा जाति ब्राहम्ण निवासी- प्लाट नम्बर-190/21, प्रताप नगर, टोंक रोड, जयपुर तत्कालीन कोषाध्यक्ष संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर, रजिस्टर्ड नम्बर-2409/एल. 40, शिल्प कॉलोनी, झोटवाडा, जयपुर
8. श्री शंकर लाल शर्मा पुत्र श्री ईश्वरी प्रसाद जाति ब्राहम्ण, निवासी तत्कालीन अवसायक संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर, रजिस्टर्ड नम्बर-2409/एल, 40, शिल्प कॉलोनी, झोटवाडा, जयपुर
9. श्री एन के बोहरा, तत्कालीन प्रशासक/अवसायक संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर रजिस्टर्ड नम्बर-2409/एल, 40, शिल्प कॉलोनी, झोटवाडा, जयपुर

वादी ने आपके विरुद्ध नकल संलग्न है, के लिए वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 31 माह 08 सन 2026 को दिन में 10.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या आपकी शक्ति में है, पेश करें। जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल /सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे यह आपके कब्जे व शक्ति में हो, अपनी प्रति रक्षा या मुजराई के दावे या प्रति दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लेखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बतायी गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। यह वाद तारीख 24 माह 08 सन 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

मोहर

आज्ञा से
वरिष्ठ रीडर/शरिस्तेदार,
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-04, जयपुर महानगर प्रथम

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष : 47 | अंक : 115 | पेज-12 | मूल्य : 2.50 रु.

विश्वास आपका... साथ हमारा...

आर.एन.आई.नं. 35236/80

समाचार जगत

www.samacharjagat.com

जयपुर, शनिवार, 29 अगस्त 2026, भाद्रपद पक्ष प्रतिपदा संवत् 2083

भारतीय टीम को फाइनल में जाने के लिए सात टेस्ट में चाहिए छह जीत

@ पृष्ठ 8

न्यूज गैलरी

नॉर्वे के राजा हेराल्ड पंचम का 89 वर्ष की आयु में निधन

ओस्लो (वार्ता) नॉर्वे के राजा हेराल्ड पंचम का शुक्रवार को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें पिछले सप्ताह रक्त से जुड़ी एक दुर्लभ बीमारी के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।ओस्लो स्थित महल ने जानकारी दी कि उन्होंने स्थानीय समयानुसार सुबह 06:35 बजे राजधानी ओस्लो के राष्ट्रीय अस्पताल में अंतिम सांस ली।राजा के निधन के बाद महल की छत पर फहराए जाने वाले शाही झंडे को आधा झुका दिया गया और उनके अंतिम संस्कार के दिन तक राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई। इस अवसर पर ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय और स्वीडन के राजा कार्ल सोलहवें गुस्ताफ सहित दुनिया भर के नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। उनके निधन के बाद उनके 53 वर्षीय पुत्र हाकोन नए राजा बने हैं।इतिहासकारों के अनुसार 35 साल तक गद्दी पर रहने वाले हेराल्ड को एक ऐसे लोकप्रिय और सुधारवादी व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने राजशाही को आधुनिक बनाया, एक आम नागरिक से शादी करके परंपरा को तोड़ा और नॉर्वे के सबसे मुश्किल समय में लोगों को एकजुट करने वाली हस्ती के रूप में काम किया। शेष पृष्ठ 4 पर

संवेदनशील, प्रतिबंधित देशों को छोड़कर सभी ओपन जनरल लाइसेंस के दायरे में

नई दिल्ली (वार्ता) रक्षा उत्पादन विभाग ने रक्षा निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय रक्षा कंपनियों के लिए प्रक्रियागत आवश्यकताओं को कम करने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक तेजी से पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से रक्षा निर्यात मानक संचालन प्रक्रिया तथा ओपन जनरल एक्सपोर्ट लाइसेंस ढांचे (ओजीईएल) को सरल बनाने के लिए कई सुधार किए हैं।रक्षा मंत्रालय के अनुसार संशोधित रक्षा निर्यात मानक प्रक्रिया के तहत, अधिकांश देशों को गैर–घातक रक्षा वस्तुओं के निर्यात के लिए हितधारक परामर्श की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है, जबकि संवेदनशील देशों के लिए सुरक्षा उपाय बरकरार रखे गए हैं। अंतरराष्ट्रीय निविदाओं और प्रदर्शनियों के लिए सभी वस्तुओं के निर्यात के वास्ते भी परामर्श की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है।ओजीईएल के ढांचे में भी संशोधन किया गया है। प्रमुख प्लेटफॉर्म, उपकरण, पुर्जों और घटकों तथा कंपनियों के भीतर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को कवर करने वाली तीन मौजूदा मानक प्रक्रिया को एक एकीकृत मानक प्रक्रिया में समेकित किया गया है। ओजीईएल की वैधता दो वर्ष से बढ़ाकर तीन वर्ष कर दी गई है। शेष पृष्ठ 4 पर

तिब्बत की ओर एक और बांध टूटा, नेपाल पुलिस ने जारी किया नया अलर्ट

नेपाल की तबाही में अब तक 579 मौत, एक हजार लापता

एजेंसी

काठमांडू. नेपाल में आई भीषण बाढ़ में कम से कम 579 लोगों की मौत हो गई है और 977 से अधिक लोग लापता हैं। नेपाल के आपदा प्राधिकरण ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार बुधवार को हुई इस आपदा में चीन के तिब्बत क्षेत्र में भी कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है। दोनों देशों में मिलाकर करीब 2,500 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। तलाश और बचाव अभियान के तीसरे दिन 14 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों को अभियान में लगाया गया है।

अब तक करीब 3,742 लोगों को बचाया जा चुका है। यह 2015 के भूकंप के बाद नेपाल में आई सबसे घातक आपदा है। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, बाढ़ एक हिमनदी के ढहने से आई, जिससे बर्फ और मलबे का भारी प्रवाह पैदा हुआ। तिब्बत की ओर एक बांध टूटने के बाद नेपाल पुलिस ने शुक्रवार को नया अलर्ट जारी किया। सुरक्षाकर्मियों और राहत एवं बचाव दलों को सतर्क रहने तथा खतरा बढ़ने की स्थिति में तत्काल सुरक्षित स्थान पर जाने के निर्देश दिए गए हैं। चीन ने मलबे से बनी एक झील का पानी बाहर निकलने के कारण कुछ समय के लिए बचाव अभियान रोक दिया था। बाद में सरकारी मीडिया ने बताया कि खतरा कम हो रहा है और बचाव अभियान फिर शुरू कर दिया गया है। अधिकारी अभी यह पता लगाने में जुटे हैं कि यह वही मलबे से बनी झील है या नहीं, जिसके बांध के टूटने की नेपाल ने पहले चेतावनी दी थी। भोटेकोशी नदी और त्रिशूली नदी में प्रलयकारी बाढ़ लोगों और मलबे को काफी दूर तक बहाकर ले गया, जिसके कारण तलाशी और बरामदगी का दायरा रसुवा से आगे बढ़कर नुवाकोट, धादिंग, गोरखा, तनहूं, चितवन और नवलपरासी तक पहुंच गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार चितवन में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। आज दोपहर तक वहां 221 शव बरामद किये जा चुके थे, जबकि जिले के अस्पतालों के शवगृहों में कुल मिलाकर केवल 30-50 शव रखने की क्षमता है। इसके कारण भरतपुर स्थित औद्योगिक उद्यम विकास संस्थान की एक खाली इमारत को अस्थायी शवगृह में बदला जा रहा है। इसमें करीब 250 शव रखे जा सकेंगे। भरतपुर महानगरपालिका भवन की मरम्मत और आवश्यक व्यवस्था कर रही है, जबकि स्थानीय व्यापारिक संगठनों ने सूखी बर्फ उपलब्ध कराने पर सहमति जताई है।नवलपरासी पूर्व में भी शवों को रखने की समस्या सामने आ रही है। अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में जगह नहीं बचने के कारण शवों को पोखरा, बुटवल, भैरहवा और पाल्पा भेजना पड़ा है। कावासोती में एक सामुदायिक वन सभागार को भी अस्थायी शवगृह में तब्दील किया गया है।पोखरा भी निचले इलाकों से बरामद शवों का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। अधिकारियों ने तनहूं, गोरखा, नवलपरासी पूर्व और धादिंग से 93 शव पोखरा पहुंचाए हैं।

शेष पृष्ठ 4 पर

320 भारतीयों से अब तक संपर्क नहीं

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से गुरुवार को काठमांडू पहुंचे 21 भारतीय शुक्रवार को दिल्ली पहुंच गए। उन्होंने बताया कि इसके अलावा त्रिशूली–1 जलविद्युत परियोजना में काम कर रहे 63 भारतीयों को भी बचाया गया है। वहीं, चीनी सीमा की ओर फंसे 96 भारतीय सुरक्षित रूप से सड़क मार्ग से नेपाल पहुंच गए हैं। जायसवाल के अनुसार, करीब 320 भारतीय और भारतीय मूल के 100 लोग अब भी संपर्क से बाहर हैं।

कर्नाटक के मंत्री नागेंद्र का इस्तीफा

बेंगलुरु, वार्ता। कर्नाटक के योजना एवं साख्यिकी मंत्री बी नागेंद्र ने महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कोष के कथित दुरुपयोग को लेकर जारी विवाद के बीच शुक्रवार को राज्य मंत्रिमंडल से अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी। इसके साथ ही उन्होंने विधायक पद से भी इस्तीफा देने की पेशकश करते हुए विपक्षी भाजपा को 'जनता की अदालत' में आरोपों को सिद्ध करने की खुली चुनौती दी है। नागेंद्र ने बताया कि उन्होंने स्वेच्छा से अपना इस्तीफा उपमुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार को सौंपा है, ताकि इस विवाद से कांग्रेस पार्टी को कोई असहजता न हो और सरकार के विकास कार्यों में कोई बाधा न आए। उन्होंने बल्लारी से भाजपा नेताओं, विशेषकर बी श्रीरामुलु पर कटाक्ष करते कहा, "अगर मैंने कोई गलती की है तो मैं सजा भुगतने को तैयार हूँ। आइए, जनता की अदालत में चलते हैं और सच साबित करके दिखाइए।" उन्होंने कहा, "आप कहते हैं कि मैंने घोटाला किया और 187 करोड़ रुपये का हेरफेर किया। आइए और लोगों के सामने इसे साबित कीजिए।" उन्होंने अपने खिलाफ लगे सभी आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए सवाल उठाया कि क्या उनके खिलाफ कोई हस्ताक्षर, आदेश या आर्थिक लेन–देन का सबूत मौजूद है।

शेष पृष्ठ 4 पर

दोनों देशों की संयुक्त रक्षा समिति की पहली बैठक

रक्षा सहयोग बढाएंगे भारत व कुवैत

वार्ता

नई दिल्ली. भारत-कुवैत संयुक्त रक्षा समिति की पहली बैठक शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुई जिसमें दोनों देशों ने प्रशिक्षण, सैन्य अभ्यास, सैन्य चिकित्सा, अधिकारिक सैन्य वार्ता, रक्षा उद्योग तथा अनुसंधान एवं विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढाने पर सहमति व्यक्त की। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह बैठक भारत और कुवैत के बीच रक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन के उद्देश्यों को अमल में लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिसंबर 2024 में कुवैत यात्रा के दौरान इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।बैठक की सह-अध्यक्षता रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव अमिताभ प्रसाद और कुवैती प्रतिनिधिमंडल की अध्यक्षता ब्रिगेडियर जनरल राएद अलसकरान ने की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में थल, वायु और नौसेना सहित तीनों सेनाओं, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन-डीआरडीओ, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा और विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल हुए। संयुक्त रक्षा समिति की बैठक से पहले, ब्रिगेडियर जनरल अलसकरान ने यहां राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर सैन्य शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कुवैती प्रतिनिधिमंडल ने यात्रा के पहले दिन रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के डीपीएसयू भवन का दौरा किया, जहां उन्होंने भारतीय रक्षा उद्योग प्रतिनिधियों के साथ परस्पर सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। यात्रा के दूसरे दिन कुवैती प्रतिनिधिमंडल की उद्योग जगत के साथ वार्ता भी निर्धारित है। भारत और कुवैत के बीच पारंपरिक तौर पर सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। इनकी जड़ें ऐतिहासिक संबंधों में निहित हैं जो समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। दोनों देशों के बीच 1962 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे। दिसंबर 2024 में मोदी की कुवैत यात्रा के दौरान इस संबंध को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर उन्नत किया गया था। भौगोलिक निकटता, ऐतिहासिक व्यापारिक संबंध, सांस्कृतिक समानताएं और कुवैत में बड़ी संख्या में भारतीयों की उपस्थिति, दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक और बहुआयामी संबंधों को निरंतर प्रगाढ बनाने और पोषित करने में सहायक रही हैं।

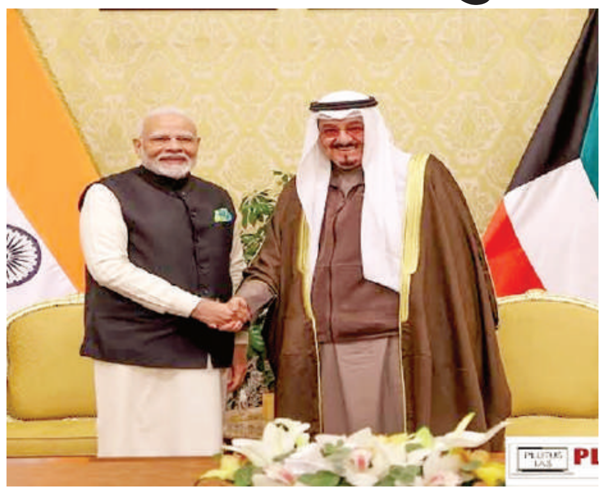

भाजपा में टिकटों पर मंथन जारी, आज अधिकांश वार्डों में चेहरे होंगे तय

सहमति नहीं बनी तो पैनल में से जिताऊ नाम पर लगेगी मुहर

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। निकाय चुनाव में वार्डवार प्रत्याशियों के चेहरे तय करने के लिए भाजपा में शुक्रवार को दूसरे दिन भी संभागवार बैठकों का दौर जारी रहा।

बैठकों में वार्डवार आए दावेदारों के तीन-तीन नामों के पैनल पर मंथन कर प्रत्याशियों के नाम तय किए गए। बीकानेर संभाग के शेष निकायों और कोटा संभाग के निकायों के प्रत्याशियों का चयन देर रात तक पूरा कर लिया गया। भरतपुर संभाग के कुछ निकायों में भी नाम फाइनल किए गए हैं। अब शनिवार को जयपुर और जोधपुर संभाग सहित शेष निकायों के पैनलों पर चर्चा होगी। इसके बाद अधिकांश वार्डों के प्रत्याशियों के नाम तय होने की संभावना है। संभाग प्रभारी शनिवार से निकायवार प्रत्याशियों की सूची जारी करना शुरू करेंगे। नामांकन की अंतिम तारीख 31 अगस्त होने के कारण पार्टी शनिवार को ही अधिकतर चेहरे घोषित करने की तैयारी में है। दो दिनों में अजमेर, उदयपुर, बीकानेर और कोटा संभाग के निकायों के साथ भरतपुर संभाग के कुछ निकायों में भी प्रत्याशियों के नाम तय किए जा चुके हैं।

बैठकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, संभाग प्रभारी-सहप्रभारी, निकाय प्रभारी, संभागीय निकाय चुनाव संचालन समिति के सदस्य, जिलाध्यक्ष, जिला संगठन प्रभारी, विधायक, विधायक प्रत्याशी, सांसद और सांसद प्रत्याशी मौजूद रहे।

असहमति वाले वार्डों में संभाग प्रभारी करेंगे फैसला

जिन वार्डों में स्थानीय नेताओं के बीच विवाद या किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन पाएगी, वहां संभाग प्रभारी नेताओं के बीच समन्वय कर सहमति बनाने का प्रयास करेंगे। यदि सहमति नहीं बनती है तो तीन नामों के पैनल में से जीत की सबसे मजबूत संभावना वाले प्रत्याशी के नाम पर मुहर लगाई जाएगी। ऐसे वार्डों में 31 अगस्त की सुबह तक भी प्रत्याशी घोषित किए जाने की संभावना है। भाजपा कार्यालय से रवाना होते समय निकाय चुनाव प्रभारी चंद्रशेखर बावनकुले ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेशभर के निकायों में एक बार फिर भाजपा जीत का परचम लहराएगी। बावनकुले ने कहा कि कोई भी चुनाव छोटा या बड़ा नहीं होता, हर चुनाव महत्वपूर्ण होता है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अब कुछ नहीं बचा है और वह केवल हल्ला–गुल्ला करना जानती है।

7 दिन में चीनी की आपूर्ति करना होगा अनिवार्य

चीनी के दामों में बड़ी राहत ! कीमतें 20 % तक गिरीं

समाचार जगत ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में चीनी की बढ़ती कीमतों के बीच उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार हाल के दिनों में मिल-द्वार चीनी की कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। खुदरा बाजार में भी कीमतों में कमी का रुख शुरू हो गया है। सरकार को उम्मीद है कि मिल-द्वार कीमतों में आई गिरावट का असर जल्द ही खुदरा बाजार में भी दिखाई देगा।सरकार ने चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और कृत्रिम कमी, जमाखोरी तथा सट्टेबाजी पर रोक लगाने के लिए कई कदम उठाए हैं। देशभर में चीनी की कीमतों, स्टॉक और

शेष पृष्ठ 4 पर

सितंबर से नई कोटा व्यवस्था

सरकार सितंबर से पखवाड़ेवार चीनी कोटा आवंटन प्रणाली लागू करेगी। इसके तहत मिलों को आवंटित मात्रा में से कम से कम 40 प्रतिशत चीनी पहले सप्ताह में और शेष अगले सप्ताह में बाजार में बेचनी होगी। इससे मांग–आपूर्ति की बेहतर निगरानी होगी और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कोटा जारी किया जा सकेगा।इसके अलावा, मिलों को बिक्री की तारीख से सात दिनों के भीतर चीनी भेजना अनिवार्य किया गया है। इससे मिलों से डीलरों और फिर उपभोक्ताओं तक आपूर्ति तेजी से पहुंचने की उम्मीद है। नए चीनी सीजन के लिए गन्ने की पेराई 15 अक्टूबर से शुरू होगी। अक्टूबर में 10 लाख मीट्रिक टन से अधिक और नवंबर में करीब 45 लाख मीट्रिक टन चीनी उत्पादन का अनुमान है।

जमाखोरी के कारण बढ़े थे चीनी के दाम, मिलों की जांच में खुलासा

नई दिल्ली (वार्ता) सरकार ने शुक्रवार को दावा किया कि हाल में चीनी की कीमतों में तेज वृद्धि का कारण जमाखोरी थी और जांच के दौरान कई मिलों में घोषित स्टॉक से ज्यादा भंडार पाया गया।सरकार ने कहा है कि उसकी सक्रियता के कारण अब मिलों से मिलने वाली चीनी की कीमत 20 प्रतिशत कम हो गयी है और जल्द ही इसका असर खुदरा बाजार पर भी दिखने की उम्मीद है।उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं जन वितरण मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है और पिछले दिनों कीमतों में देखी गई तेजी मुख्य रूप से जमाखोरी और सट्टेबाजी के कारण हुई थी। सरकार देश भर में चीनी की कीमतों, स्टॉक और बिक्री पर बारीकी से नजर रख रही है। सरकार ने बताया कि कई मामलों में चीनी मिलों के पास सरकार को दिये गये मासिक रिटर्न में घोषित स्टॉक से अधिक भंडार पाया गया। जांच से पता चला है कि देश में चीनी की कोई कमी नहीं है और घबराहट में ज्यादा खरीद करने या ज्यादा भंडारण करने का कोई औचित्य नहीं है।विज्ञप्ति में कहा गया है कि कुछ मामलों में चीनी मिलें महीने के कोटे के तहत उन्हें दी गयी मात्रा से कम चीनी बेच रही थीं। इस तरह के तरीकों से काफी भौतिक भंडार होने के बावजूद बाजार में आपूर्ति में बेवजह रुकावट आती है।सरकार ने पाया है कि कुछ मामलों में मिलों द्वारा महीने की शुरुआत में बेची गयी चीनी को खरीददार महीने के आखिर में ही भेज या उठा रहे थे। इस तरीके से बाजार में बनावटी कमी पैदा हुई। ऐसी समस्याओं को हल करने और यह पक्का करने के लिए कि चीनी समय पर बाजार तक पहुंचे, सरकार ने सितंबर से मौजूदा महीने के कोटा सिस्टम की जगह हर दो सप्ताह में चीनी आवंटन प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है। मिलों को पहले सप्ताह में आवंटित चीनी का कम से कम 40 प्रतिशत बेचना होगा जबकि शेष चीनी दूसरे सप्ताह में बेचनी होगी। इससे सरकार को बाजार में उपलब्धता पर बेहतर नियंत्रण मिल सकेगा। साथ ही पहले ही यह तय कर दिया गया है।

शेष पृष्ठ 4 पर

कांग्रेस टिकट आवेदकों की संख्या 60 हजार पार पहुंची

- सूचियों को अंतिम रूप देने के लिए मंथन, जिला प्रभारियों के साथ देर रात तक बैठकों का दौर

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस टिकट के लिए प्रदेशभर में आवेदन करने वालों की संख्या 60 हजार को पार कर गई है। आवेदनों में 78 प्रतिशत से अधिक दावेदार 50 वर्ष से कम आयु वर्ग के है। कांग्रेस में प्रत्याशियों के नाम फाइनल करने के लिए शुक्रवार को भी बैठकों का दौर जा रहा। वॉर रूम में प्रत्याशियों की सूचियों पर मंथन हुआ। इसके लिए जिला प्रभारियों के साथ देर रात तक बैठकें जारी है। फाइनल सूचियां प्रदेश कांग्रेस को भेजी जाएगी। जहां से मंजूरी मिलने के बाद 30 अगस्त को सूचियां जारी की जा सकती है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि नगर निकाय चुनाव के लिए 40 हजार से अधिक ऑनलाइन आवेदन पोर्टल के माध्यम से सीधे दर्ज किए गए। 20 हजार से अधिक ऑफलाइन आवेदन जिला व ब्लॉक स्तर पर प्राप्त किए गए है। इन्हें डिजिटल सिस्टम में समाहित करने की प्रक्रिया जारी है। 60 हजार से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्थानीय निकाय चुनावों में अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है। डोटासरा ने कहा कि कुल आवेदनों में 78 प्रतिशत से अधिक दावेदार 50 वर्ष से कम आयु के हैं। इनमें 53 प्रतिशत से अधिक 21-40 आयु वर्ग में हैं और सबसे खास 7,500 से अधिक जेन जी ने अपनी दावेदारी पेश की है। 30 प्रतिशत से अधिक महिला कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्र रूप से आगे आकर आवेदन किया है। एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक सहित समाज के

शेष पृष्ठ 4 पर

वाणिज्यिक कर विभाग की जयपुर, बाडमेर और किशनगढ़ में कार्रवाई

1.40 करोड़ की अनियमितताएं उजागर

- मौके पर करदाताओं ने स्वैच्छिक जमा कराए 1.16 करोड़
- होगी विस्तृत जांच, बढ़ सकती है जीएसटी अनियमितता राशि
- आज होगी राजस्व समीक्षा बैठक

राजस्व समीक्षा बैठक आज

वाणिज्यिक कर विभाग के अम्बेडकर सर्किल स्थित मुख्यालय पर शनिवार सुबह 11 बजे से राजस्व समीक्षा बैठक की शुरुआत होगी। शनिवार को अवकाश के बावजूद वाणिज्यिक कर आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में विभाग के सभी जोनल कार्यालयों के उपायुक्त प्रशासन के अलावा मुख्यालय स्थित सभी अतिरिक्त आयुक्त व वित्तीय सलाहकार मौजूद रहेंगे। बैठक में अगस्त माह के राजस्व लक्ष्यों की समीक्षा के साथ सितम्बर माह के राजस्व लक्ष्य हासिल करने की रणनीति पर मुख्य रूप से चर्चा होने की संभावना है। बैठक में विभाग की ओर से जारी होने के बाद लंबित पड़े और निस्तारित किए गए कारण बताओ नोटिस–एससीएन की भी समीक्षा होगी। विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि रक्षाबंधन के अवकाश के बाद शनिवार और रविवार का अवकाश होने के कारण इस बैठक को लेकर कुछ अधिकारियों में असहजता का भाव भी है, अधिकारियों का कहना है कि यह बैठक यदि शनिवार के स्थान पर सोमवार को भी होती तो कुछ खास फर्क नहीं पड़ने वाला था, लेकिन शनिवार को होने वाली बैठक के कारण कुछ अधिकारियों को लम्बा सफर तय कर जयपुर मुख्यालय पहुंचना होगा और इस साल उनके परिवार में रक्षाबंधन के त्योहार की खुशियां अधूरी ही रहेंगी।

विशेष संवाददाता

जयपुर. जीएसटी कानून के नियमों की अनुपालन सुनिश्चित करने की कड़ाई की कड़ी में वाणिज्यिक कर विभाग-एसजीएसटी की कार्रवाइयां जारी है।

एसजीएसटी अधिकारियों ने हाल ही जयपुर, बाड़मेर और किशनगढ़ में कार्रवाई कर करीब 1.40 करोड़ रूपए की अनियमितताएं उजागर करने और मौके पर ही 1.16 करोड़ रुपए की वसूली का दावा किया है। विभागीय अधिकारियों ने जयपुर के जनता कॉलोनी स्थित महारानी ट्रेवल्स के यहां कार्रवाई कर 96,93,048 रुपए की आईटीसी अनियमितता उजागर की, खास बात यह भी रही कि करदाता ने अपनी गलती स्वीकार कर 96,93,048 की पूरी राशि स्वैच्छिक जमा भी करा दी। इसी तरह जयपुर के कानोता स्थित हाशमी ओवरसीज एलएलपी पर हुई कार्रवाई में अधिकारियों ने माल परिवहन के लिए ट्रकों की आपूर्ति पर प्राप्त 21,98,505 रुपए की इनपुट टैक्स क्रेडिट-आईटीसी का दुरुपयोग अन्य सेवाओं पर देय होने वाली आईटीसी में समायोजन के रूप में उजागर किया। गड़बड़ी उजागर होने के बाद करदाता ने फिलहाल 6,44,308 रुपए स्वैच्छिक रूप से जमा कराए हैं, इस मामले से संबंधित रिकॉर्ड की जांच हो रही है। इसी तरह बाड़मेर की लूदार कंस्ट्रक्शन कंपनी के हुई कार्रवाई में बोगस फर्म से आईटीसी लेने का प्रकरण उजागर हुआ। करदाता ने फिलहाल 2,55,405 रुपए जमा कराए हैं, इस प्रकरण में भी पड़ताल जारी है। किशनगढ़ के पुराने औद्योगिक क्षेत्र स्थित श्री यमुना महारानी ग्रेनाइट्स में हुई कार्रवाई में अधिकारियों ने 19.08 लाख रूपए की गड़बड़ी उजागर करने का दावा किया, कार्रवाई के दौरान करदाता ने 11.25 लाख रूपए की राशि स्वैच्छिक रूप से जमा करा दी। वाणिज्यिक कर आयुक्त आनंदी ने बताया कि जीएसटी राजस्व की वसूली के लिए विभाग पूरी तरह चाक-चौबंद है। तकनीकी जांच और स्रोतों से मिल रही जानकारियों के आधार पर गड़बड़ी करने वाले करदाताओं की पहचान की जा रही है, कार्रवाइयां हो रही है, जो निकट भविष्य में भी जारी रहेगी।

दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान डीएचआर शुरू करेगा छह विशेष जॉयराइड सेवाएं

मालीगांव। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के अंतर्गत यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) आगामी दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान पर्यटकों के लिए 1 अक्टूबर 2026 से छह विशेष अतिरिक्त जॉयराइड सेवाएं शुरू करेगा। इस पहल का उद्देश्य पर्यटकों को दार्जिलिंग की मनोरम पहाड़ियों में ऐतिहासिक रेलवे यात्रा, खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का आनंद लेने का एक यादगार अवसर प्रदान करना है।त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए, डीएचआर दार्जिलिंग और घूम के बीच चार एकतरफा जॉयराइड सेवाएं संचालित करेगा। दार्जिलिंग से घूम के लिए सेवाएं 09:20 बजे और 11:25 बजे रवाना होंगी, जबकि घूम से दार्जिलिंग के लिए सेवाएं 10:25 बजे और 12:30 बजे प्रस्थान करेंगी। इन सेवाओं का संचालन डीजल इंजन वाली ट्रेनों द्वारा किया जाएगा और प्रस्तावित किराया 800 रुपये प्रति एकतरफा यात्रा होगा। इसके अतिरिक्त, डीएचआर कार्सियांग और महानदी के बीच दो विशेष आवागमन जॉयराइड सेवाएं शुरू करेगा, जिससे यात्रियों को दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे के सबसे मनोरम और समृद्ध विरासत वाले खंडों में से एक का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। पहली सेवा "रेड पांडा" भाप इंजन द्वारा संचालित होगी और कार्सियांग से 09:00 बजे रवाना होगी, जबकि महानदी से इसकी वापसी यात्रा 10:00 बजे होगी। इस आवागमन यात्रा के लिए प्रस्तावित किराया 1,530 रुपये होगा। दूसरी आवागमन जॉयराइड सेवा "मुक्त धारा" डीजल इंजन द्वारा संचालित होगी। यह सेवा कार्सियांग से 15:15 बजे रवाना होगी, जबकि महानदी से इसकी वापसी यात्रा 16:00 बजे होगी। इस आवागमन यात्रा का प्रस्तावित किराया 1,030 रुपये होगा। भारत के प्रसिद्ध कवि और साहित्यकार रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि के रूप में इस सेवा का नाम "मुक्त धारा" रखा गया है। टैगोर की प्रसिद्ध कविता 'मुक्त धारा' पगलाझोरा की प्राकृतिक सुंदरता से जुड़ी है, जो इस नई सेवा में एक विशिष्ट साहित्यिक और सांस्कृतिक आयाम जोड़ती है।इन विशेष जॉयराइड सेवाओं की शुरुआत बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ डीएचआर की समृद्ध विरासत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के प्रयासों को और मजबूत करेगी। ये सेवाएं पर्यटकों को विरासत रेल यात्रा, भाप इंजन तकनीक, मनमोहक पहाड़ी परिदृश्य और दार्जिलिंग की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के अनूठे संगम का आनंद लेने का अवसर प्रदान करेंगी। नियमित संचालन शुरू होने से पहले, सितंबर के अंत में स्टेशन महोत्सव की पूर्व संध्या पर महानदी रेलवे स्टेशन पर "मुक्त धारा" का एक विशेष परिचालन आयोजित किया जाएगा।त्योहारों के दौरान शुरू की जा रही यह पहल दार्जिलिंग के पर्वतीय क्षेत्र में पर्यटन को और बढ़ावा देगी। इन विशेष सेवाओं से यात्रियों को यहां की ऐतिहासिक रेल यात्रा, प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने और अनुभव करने का अवसर मिलेगा। इन सेवाओं के माध्यम से, डीएचआर इतिहास, प्रकृति और पर्वतीय क्षेत्र के शाश्वत आकर्षण से जुड़ा एक समृद्ध एवं यादगार यात्रा अनुभव प्रदान करने का प्रयास करेगा।

जीवन : एक अनवरत खेल

29 अगस्त-राष्ट्रीय खेल दिवस

खेल का मैदान और जिंदगी का मैदान—दोनों में एक बात समान है। यहाँ जीत से ज्यादा जरूरी है खेलते रहना। मेजर ध्यानचंद की स्मृति में मनाया जाने वाला राष्ट्रीय खेल दिवस हमें याद दिलाता है कि प्रतिभा को अनुशासन चाहिए, सपनों को मेहनत और हार के बाद फिर उठ खड़े होने के लिए हौसला। गीता कहती है—"कर्मण्येवाधिकारस्ते।" खिलाड़ी इस बात को शब्दों में नहीं, अपने अभ्यास में साबित करता है। हिंदी सिनेमा ने भी खेल को सिर्फ पदक और जीत की कहानी नहीं बनाया। 'लगान', 'चक दे! इंडिया', 'भाग मिल्खा भाग', 'दंगल', 'मैरी कॉम', 'मुक्काबाज़', 'एम. एस. धोनी', 'चंदू चैंपियन' और 'पान सिंह तोमर' में खेल कभी सपना है, कभी संघर्ष और कभी व्यवस्था से टकराने की आवाज़। आखिर जिंदगी भी तो एक खेल है— कभी मैदान अपना होता है, कभी हालात; कभी तालियाँ मिलती हैं, कभी तन्हाई। लेकिन असली खिलाड़ी वही है जो हार के बाद भी अगली बाज़ी खेलने उतरता है।

जीतेंद्र सिंह नरूका

चिकित्सक की सेवाएं समाप्त होने के बाद उनके नाम से 315 उपचार विवरण प्रस्तुत किए जाने का मामला

एसबी मित्तल मेमोरियल हार्ट एंड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल आरजीएचएस से निलंबित

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन के संकल्प तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों के अनुरूप राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) में दावों की नियमित निगरानी और दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है। इसी क्रम में सीकर स्थित एस. बी. मित्तल मेमोरियल हार्ट एंड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल को आरजीएचएस से निलंबित किया गया है। प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि आरजीएचएस में दावों की जांच और दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया लगातार सुदृढ़ की जा रही है। आरजीएचएस परियोजना अधिकारी डॉ. निधि पटेल की टीम की निगरानी के दौरान संबंधित प्रकरण में कुछ दावे प्रथमदृष्टया संदिग्ध पाए गए। इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई की गई।

अस्पताल छोड़ चुके चिकित्सक के नाम से उपचारः प्रारंभिक जांच में सामने आया कि अस्पताल में कार्यरत रहीं डॉ. अलका आर्य, बीडीएस (पंजीयन संख्या 12152) ने 20 अप्रैल 2026 को अस्पताल से त्यागपत्र दे दिया था और जून 2026 से अन्य संस्था में चिकित्सा सलाहकार के रूप में कार्यरत थीं। इसके बावजूद 17 जून, 21 जून तथा इसके बाद की तिथियों में अस्पताल के रिकार्ड में उन्हें उपचाररत चिकित्सक के रूप में दिखाते हुए हुए उपचार विवरण प्रस्तुत किए गए ।इस संबंध में रिकार्ड और दावों का विस्तृत सत्यापन किया जा रहा है। जांच में पाया गया कि उनके नाम से 227 बाहरी रोगी तथा 88 भर्ती रोगी एवं डे-केयर उपचार विवरण प्रस्तुत किए गए। इन 88 मामलों की दावा राशि 99,327 रुपये है। सभी 315 उपचार विवरणों की कुल दावा राशि 1,42,489 रुपये दर्ज है। इनमें से 47 भर्ती रोगी एवं डे-केयर उपचार विवरण, जिनकी दावा राशि 43,007 रुपये थी, जाँच में निरस्त किए जा चुके हैं। शेष 41 भर्ती रोगी एवं डे-केयर उपचार विवरणों की दावा राशि 56,320 रुपये है। इनसे संबंधित तथ्यों का जांच के तहत परीक्षण किया जा रहा है।

कारण बताओ नोटिस का जवाब नहीं देने पर की कार्रवाई : आरजीएचएस प्रशासन ने अस्पताल को कारण बताओ नोटिस जारी कर अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया। निर्धारित अवधि में नोटिस का जवाब नहीं देने पर एस.बी. मित्तल मेमोरियल हार्ट एंड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल, सीकर को आरजीएचएस से निलंबित किया गया। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि आरजीएचएस के अंतर्गत लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के साथ योजना की राशि का पारदर्शी, उचित और निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप उपयोग सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है। चिकित्सक के नाम, मुहर, हस्ताक्षर अथवा डिजिटल पहचान के संभावित दुरुपयोग से जुड़े मामलों की गंभीरता से जांच की जाएगी। दोष सिद्ध होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आरजीएचएस परियोजना अधिकारी डॉ. निधि पटेल ने बताया कि योजना में एआई आधारित निगरानी, आंकड़ा विश्लेषण, दावों की जांच तथा दस्तावेजों के सत्यापन के माध्यम से असामान्य और संदिग्ध पैटर्न की पहचान की जा रही है।

पृष्ठ 1 का शेष...

नेपाल की तबाही में...

कास्की के अस्पतालों में शव रखने की कुल क्षमता 88 है, जिससे मौजूदा क्षमता पर भी दबाव बढ़ गया है।राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, 977 लोग अब भी लापता हैं, जिनमें 517 विदेशी नागरिक शामिल हैं। नेपाल पुलिस के अनुसार, आपदा के दौरान संपर्क से बाहर हुए 28 पुलिसकर्मियों का अब भी पता नहीं चल पाया है। लापता लोगों में स्थानीय नागरिकों के अलावा पर्यटक, पर्वतारोही और यात्री भी शामिल हैं।अधिकारी यह भी पता करने में जुटे हैं कि लापता लोगों में से कुछ सुरक्षित स्थानों पर पहुंच चुके हैं या नहीं।नेपाल पर्यटन बोर्ड के अनुसार, रसुवा के बाढ़ प्रभावित इलाकों से 117 विदेशी पर्यटकों को बचाया गया है। इनमें 85 भारतीय, 16 चीनी, नौ दक्षिण कोरियाई, दो अमेरिकी और दो इतालवी नागरिक शामिल हैं। तीन अन्य पर्यटकों की राष्ट्रीयता की पुष्टि की जा सकी है। इन दुर्गम इलाकों से लोगों को निकालने के लिए हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि सुरक्षा बल जमीन पर बस्तियों और नदियों के किनारे तलाशी अभियान चला रहे हैं। नेपाल पुलिस के 4,400 से अधिक जवानों के अलावा नेपाली सेना और सशस्त्र पुलिस बल भी राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे हैं।नेपाल पुलिस के अनुसार नुवाकोट, रसुवा और धादिंग में सुरक्षा बलों ने 1,473 लोगों को बचाया या प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई है। बाढ़ में सड़कें और पुल नष्ट होने के कारण कई इलाकों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है और कुछ स्थानों पर बचाव अभियान के लिए हेलीकॉप्टरों ही प्रमुख साधन है क्योंकि अन्य माध्यमों से वहां तक पहुंचना काफी मुश्किल हो रहा है।अधिकारियों ने भोटेकोशी और त्रिशूली नदी के किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। बाढ़ के दो दिन बाद भी आपदा की पूरी भयावहता अभी सामने नहीं आयी है। मृतकों की संख्या 547 तक पहुंच चुकी है, सैकड़ों लोग अब भी लापता हैं और जीवित बचे लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी है।

कर्नाटक के मंत्री...

उन्होंने आरोप लगाया कि जब राज्य की एसआईटी और सीआईडी जांच में उन्हें क्लीन चिट मिल गई थी, तब केंद्रीय जांच एजेंसियों के जरिए उन्हें दुर्भावनापूर्ण तरीके से फंसाने का प्रयास किया गया। उन्होंने इसे विपक्षी दलों की "मनुवादी" मानसिकता करार दिया जो दलितों और आदिवासियों को नेतृत्व के पदों पर नहीं देखने देना चाहती। रामायण के शंबूक प्रसंग का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा, "यह पौराणिक युग नहीं है। यह संविधान और बाबासाहेब अंबेडकर का युग है।" श्री नागेंद्र ने भाजपा पर "मनुवादी" राजनीति करने और दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों और पिछड़े समुदायों को सत्ता के पदों पर आने से रोकने की कोशिश करने का आरोप लगाया। विधानसभा में सूखा, कावेरी जल विवाद और कस्तूरीरंगन रिपोर्ट जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा न करने देने के लिए भाजपा की आलोचना करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत और संविधान पर उनका पूर्ण विश्वास है। उन्होंने कहा कि उनका इस्तीफा किसी अपराध की स्वीकारोक्ति नहीं है, बल्कि पार्टी और सरकार की मर्यादा की रक्षा के लिए उठाया गया कदम है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले कांग्रेस पार्टी के हितों की रक्षा के लिए 2024 में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और उसके बाद राज्य की एसआईटी और सीआईडी ने जांच की थी। उन्होंने पूछा कि राजनीतिक नेताओं से जुड़े अन्य लंबित मामलों में ऐसी कार्रवाई क्यों नहीं की गई। मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के राज्यपाल के फैसले पर श्री नागेंद्र ने कहा कि वह संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करते हैं और कानूनी प्रक्रिया का सामना करेंगे। उन्होंने कहा, "मुझे संविधान और न्यायपालिका पर भरोसा है। मैं मामले का सामना करूंगा।" उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष वाल्मीकि निगम विवाद का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के तौर पर कर रहा है और विधानसभा में ठोस बहस की अनुमति दिए बिना पदयात्रा कर रहा है। नागेंद्र ने विवाद में केंद्रीय अधिकारियों और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की भूमिका पर भी सवाल उठाए और तर्क दिया कि जब लेन-देन बैंकिंग प्रणाली से जुड़ा था, तो जवाबदेही सिर्फ़ उन तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कथित तौर पर इधर-उधर किए गए फंड को वापस पा लिया गया है और ज़ोर देकर कहा कि जांच में उन लोगों की ज़िम्मेदारी तय होनी चाहिए जिन्होंने इन लेन-देन को मंज़ूरी दी और उन्हें अंजाम दिया। नागेंद्र ने समर्थन के लिए शिवकुमार और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, सिद्दारमैया, के.सी. वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि उनके इस्तीफ़े का मकसद यह सुनिश्चित करना था कि इस विवाद का असर कांग्रेस सरकार पर न पड़े। उन्होंने कहा, "मेरी वजह से मेरी पार्टी को शर्मिंदगी का सामना न करना पड़े। मैं नहीं चाहता कि मुख्यमंत्री के विकास कार्यों पर कोई असर पड़े।" हालांकि, नागेंद्र ने साफ़ किया कि उनकी राजनीतिक लड़ाई जारी रहेगी और उन्होंने कहा कि वह पूरे राज्य में प्रचार करेंगे और अपने साथ हुए अन्याय - जैसा कि उन्होंने इसे बताया - का मुद्दा उठाएंगे। उन्होंने कहा, "वे चाहें तो फिर से ईडी या सीबीआई भेज दें। मुझे डर नहीं है।" नागेंद्र ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और उन्हें यकीन है कि आख़िरकार उन्हें इस मामले में बरी कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, "मुझे अदालत पर अटूट भरोसा है। मैं पूरी तरह से बेदाग़ साबित होकर बाहर आऊंगा।"

नॉर्वे के राजा हेराल्ड...

शाही मामलों के जानकारों का कहना है कि वे ज़मीन से जुड़े, सम्मानित और लोगों के चहेते थे। उन्हें देश के "दादा" और "जनता के राजा" के रूप में वर्णित किया जाता है - यह उपाधि उनके पिता राजा ओलाव पंचम के लिए भी इस्तेमाल की जाती थी। उनके शासनकाल के दौरान, नॉर्वेजियन राजशाही अधिक समानतावादी और वित्त व स्वास्थ्य के मामलों में पारदर्शी बनी। '

संवेदनशील, प्रतिबंधित देशों...

इसके दायरे को भी 41 देशों से बढ़ाकर सभी देशों तक कर दिया गया है, सिवाय नकारात्मक या संवेदनशील देशों और उन देशों के जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों या हथियार प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं।संशोधित ढांचे में विदेशी मूल उपकरण निर्माताओं (एफओईएम) के साथ दीर्घकालिक अनुबंध या समझौते रखने वाली भारतीय कंपनियों के लिए एक प्रावधान किया गया है। इसके तहत निर्धारित शर्तों के अधीन, पात्र वस्तुओं और संबंधित एफओईएम के लिए ओजीईएल प्रदान किया जा सकता है, जिसकी वैधता अंतर्निहित अनुबंध या समझौते के अनुरूप होगी।ओजीईएल के तहत शामिल वस्तुओं की श्रेणी का विस्तार किया गया है। संशोधित ढांचा छोटे-कैलिबर हथियारों के निर्दिष्ट पुर्जों और घटकों तथा सुरक्षात्मक उपकरणों के नागरिक अंतिम-उपयोग वाले निर्यात की भी अनुमति देता है।सुधारों के तहत संवेदनशील वस्तुओं, प्रौद्योगिकियों और गंतव्यों के लिए सुरक्षा उपाय बरकरार रखते हुए नियमित प्रक्रियागत आवश्यकताओं को कम किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि इन उपायों से भारतीय रक्षा निर्माताओं, जिनमें एमएसएमई भी शामिल हैं, को अंतरराष्ट्रीय निविदाओं और प्रदर्शनियों के लिए अधिक तेजी से प्रतिक्रिया देने, वैश्विक बाजारों तक व्यापक पहुंच बनाने और बार-बार प्राधिकरण की आवश्यकताओं को कम करने में लाभ होने की उम्मीद है।ये सुधार ऐसे समय में किए गए हैं जब रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया और वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

चीनी के दामों में बढ़ी...

आवाजाही की लगातार निगरानी की जा रही है। चीनी मिलों के भौतिक सत्यापन में पर्याप्त भंडार मिला है। कई मिलों में सरकार को दिए गए मासिक विवरण से अधिक चीनी स्टॉक पाया गया। इससे स्पष्ट हुआ है कि देश में चीनी की वास्तविक कमी नहीं है। सितंबर से नई कोटा व्यवस्था टन चीनी उत्पादन का अनुमान है। कर्नाटक और महाराष्ट्र में चालू मिलों से सितंबर में करीब 2 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त चीनी उपलब्ध होने की उम्मीद है।सरकार ने भरोसा दिलाया है कि आगामी त्योहारी मौसम में देशभर में उचित कीमतों पर चीनी की पर्याप्त और निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

जमाखोरी के कारण

कि अब बिक्री के सात दिन के अंदर चीनी भेजनी होगी। उल्लेखनीय है कि चीनी की कीमतों में पिछले कुछ समय में तेज वृद्धि देखी गयी। खुदरा बाजार में 45 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास बिकने वाली चीनी 65 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी थी।

गुरुवार को भी देश भर में इसकी औसत कीमत 64 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही। थोक बाजार में भी इसकी औसत कीमत पहली बार 60 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी थी।मंत्रालय ने कहा है कि मिलों से सस्ती चीनी मिलने के बाद अब खुदरा बाजार में भी कीमतों में नरमी आने लगी है। उसने कहा है कि खुदरा कीमतों में भी जल्द ही गिरावट के इस रुझान के दिखने की उम्मीद है।नये सीजन के लिए गन्ने की पेराई 15 अक्टूबर से शुरू होगी। सरकार ने चीनी मिलों को अक्टूबर में बनी चीनी को बिना किसी रोक-टोक के बेचने की भी अनुमति दे दी है, ताकि नये सीजन का उत्पादन जल्द से जल्द घरेलू बाजार में उपलब्ध हो सके।

कांग्रेस टिकट आवेदकों...

सभी वर्गों का मजबूत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हुआ है। डोटासरा ने कहा कि शहरों और कस्बों में भाजपा सरकार के कुशासन, महंगाई और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ फूटा जन-आक्रोश है। निकाय चुनावों की यह ऐतिहासिक ऊर्जा आने वाले पंचायती राज चुनावों और 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की प्रचंड विजय की मजबूत नींव बनेगी। डोटासरा ने निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस जिला प्रभारियों, सह-प्रभारियों और को-ऑर्डिनेटर्स के साथ बैठक की एवं प्रत्याशियों को लेकर फीडबैक लिया।

रक्षाबंधन पर हाथोजधाम पहुंचे महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. श्रावणी पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन के पावन अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने हाथोजधाम स्थित प्राचीन श्री दक्षिणमुखी बालाजी महाराज मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख, शांति, समृद्धि और मंगल की कामना की।इस अवसर पर विधायक संजय उपाध्याय, विधान परिषद सदस्य प्रवीण दरेकर एवं पूर्व मंत्री संजय (बाला) भेगड़े भी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने मंदिर की प्राचीन एवं प्रसिद्ध परंपरा के अनुसार मनोकामना का नारियल श्री बालाजी महाराज के श्रीचरणों में अर्पित कर बांधा।हाथोजधाम पीठाधीश्वर, हवामहल विधायक एवं अखिल भारतीय संत समिति राजस्थान के अध्यक्ष स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने श्री बालाजी महाराज का पावन चित्र भेंट कर एवं दुपट्टा ओढ़ाकर अतिथियों का ससम्मान अभिनंदन किया।इस दौरान महाराष्ट्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, राजस्थान-महाराष्ट्र के पारस्परिक संबंधों तथा धर्म, संस्कृति एवं विभिन्न सामाजिक विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ।मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण वातावरण के बीच सभी अतिथियों ने श्री दक्षिणमुखी बालाजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

अमेरिका का दावा : हॉर्मुज पर ईरान का नियंत्रण हुआ कमजोर

वाशिंगटन/तेहरान (वार्ता) अमेरिका ने दावा किया है कि उसकी सेना ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की पकड़ को लगातार कमजोर किया है।ईरान की मिसाइल और परमाणु क्षमताओं के खिलाफ शुरू हुआ यह अभियान अब दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक पर नियंत्रण पाने की अनिश्चितकालीन लड़ाई में तब्दील हो गया है।

फरवरी के अंत में युद्ध शुरू होने के बाद से यह जलमार्ग ईरान के लिए दबाव बनाने और सौदेबाजी करने के लिए सबसे बड़ी ताकत रहा है।अमेरिका का मानना है कि हॉर्मुज में बदलती स्थिति युद्ध का निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर दबाव कम होगा और भविष्य की किसी भी बातचीत में उसकी स्थिति मजबूत होगी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक्सियोस को दिये फोन साक्षात्कार में कहाद वह समुद्री मार्ग अब खुल चुका है। ईरान की प्रतिक्रिया बहुत हल्की है। वे नहीं चाहते कि हम उन पर फिर हमला करें। असली खेल यही है, बाकी बातें बेमानी हैं।" युद्ध की शुरुआत में हॉर्मुज मार्ग खुला हुआ था, वैश्विक तेल आपूर्ति सामान्य रूप से चल रही थी और ब्रेंट क्रूड लगभग 72 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा था।दो इजरायली अधिकारियों के अनुसार, आईआरजीसी नौसेना के तत्कालीन कमांडर जनरल अली रजा तंगसिरी ने जलमार्ग बंद करने की पहल की थी। युद्ध के शुरुआती 72 घंटों में ही ईरान ने इस मार्ग को बंद करने की घोषणा की और वहां से गुजरने वाले टैंकरों पर हमले की चेतावनी दी।इजरायली-अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद श्री तंगसिरी ने ईरानी बलों को मुख्य अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में समुद्री बारूदी सुरंगें बिछाने का आदेश दिया। इसके तीन हफ्ते बाद बंदर अब्बास में हुए एक इजरायली हवाई हमले में हालांकि तंगसिरी मारे गये।हमलों और बारूदी सुरंगों के खतरे ने हॉर्मुज में व्यापारिक जहाजों की आवाजाही को लगभग रोक दिया। इसके चलते ब्रेंट क्रूड उछलकर 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया और वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर भारी संकट मंडराने लगा।

अमेरिका में ईंधन के दामों में आयी भारी बढ़ोतरी और ऊर्जा बाजारों के दबाव के मद्देनजर ट्रंप आठ अप्रैल को युद्धविराम पर सहमत हुए। ईरान दरअसल ऐसा ही आर्थिक संकट पैदा करना चाहता था।दो महीने बाद हस्ताक्षर किये गये अमेरिका-ईरान सहमति पत्र का मुख्य बिंदु हॉर्मुज खोलना ही था। यह जलमार्ग हालांकि कभी पूरी तरह सामान्य नहीं हो सका और जल्द ही यह समझौता टूट गया।समझौता रद्द होने के बाद अमेरिकी सेना ने खुद इस मार्ग को खोलने का काम शुरू किया।

पूर्व सीएम वसुंधरा ने साझा की भाई माधवराव के साथ बचपन की फोटो

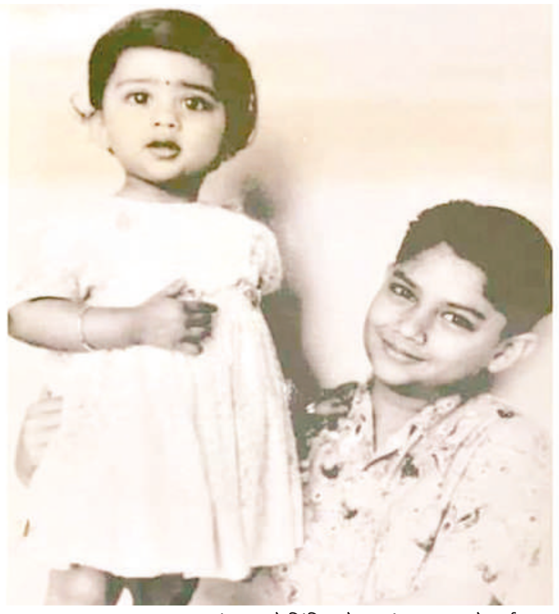

जयपुर .समाचार जगत न्यूज . वसुंधरा राजे सिंधिया ने रक्षाबंधन पर अपने भाई स्वर्गीय माधवराव सिंधिया के साथ अपनी बचपन की फ़ोटो साझा करते हुए एक भावुक पोस्ट की। राजे ने लिखा कि 'रक्षाबंधन भाई–बहन के अटूट स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का पावन पर्व है। इस अवसर पर हर वर्ष की भांति आज भी दादा श्रीमंत माधवराव सिंधिया जी की स्मृतियां मन को भावुक कर गईं। आपका स्नेह और मार्गदर्शन मेरे जीवन में सदैव जीवंत रहेगा।'

रक्षाबंधन : भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व बुद्धादित्य योग में मनाया

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को बुद्धादित्य योग में पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया।

इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं होने और बुद्धादित्य योग बनने से दिनभर राखी बांधने का सिलसिला चला। छोटी काशी जयपुर घरों से लेकर मंदिरों तक रक्षाबंधन की रौनक से सराबोर रही।

सुबह से ही घरों में पर्व की तैयारियां शुरू हो गईं। मुख्य द्वारों पर स्वस्तिक बनाकर सूण जिमाने की परंपरा निभाई गई। इसके बाद मंदिरों में लड्डू गोपाल को राखी अर्पित की गई और पितरों के निमित्त रक्षा सूत्र निकाला गया। शुभ मुहूर्त में बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक और अक्षत लगाए, दाहिनी कलाई पर राखी बांधी और आरती उतारकर उनके दीर्घायु, आरोग्य और सुख-समृद्धि की कामना की।

भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर जीवनभर उनके सम्मान और सुरक्षा का संकल्प लिया। इस बार कुछ भाइयों ने सुरक्षा के संकल्प को एक कदम आगे बढ़ाते हुए बहनों के लिए बीमा पॉलिसी भी कराई। इसके जरिए उन्होंने बहनों को भविष्य की आर्थिक चिंता से सुरक्षा देने का प्रयास किया।

रक्षाबंधन पर शहर में परंपरा और आधुनिकता का संगम देखने को मिला। बड़ों की कलाई पर राम राखी सजी नजर आई तो बच्चों के हाथों में रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियां दिखाई दीं।

विवाहित बहनें अपने काम-काज निपटाकर भाइयों के घर पहुंचीं और भाइयों के साथ भाभी तथा भतीजे-भतीजियों की कलाई पर भी रक्षा सूत्र बांधे। पूरे दिन भाई-बहन एक-दूसरे के घर पहुंचते रहे। कहीं बहनों ने भाइयों को राखी बांधकर स्नेह का धागा मजबूत किया तो कहीं भाइयों ने उपहार देकर बहनों की खुशियों में इजाफा किया। इस तरह रक्षाबंधन ने जयपुर में पारिवारिक मिलन, प्रेम और सुरक्षा के भाव को और गहरा कर दिया।

वहीं रक्षाबंधन पर राज्य सरकार के निर्देश पर राजस्थान रोडवेज ने प्रदेशभर में महिलाओं और बालिकाओं के लिए मुफ्त यात्रा की व्यवस्था की।

यह सुविधा गुरुवार रात 12 बजे से शुरू हो गई थी। शुक्रवार को भाइयों को राखी बांधने के लिए आने-जाने वाली महिलाओं का बसों में दिनभर रैला लगा रहा।

मुफ्त यात्रा की सुविधा के चलते बड़ी संख्या में महिलाओं ने निजी बसों के बजाय रोडवेज बसों को प्राथमिकता दी। बसों में महिला यात्रियों की संख्या कई जगह पुरुष यात्रियों के मुकाबले काफी अधिक नजर आई। मुफ्त सफर की सौगात से महिलाओं में खुशी भी दिखाई दी।

महिलाओं को मुफ्त यात्रा से मिली सुगमता

कई स्थानों पर भीड़ अधिक होने से महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ जगह भीड़ के कारण यात्री आपस में उलझते भी नजर आए। बसों में महिलाओं की भारी भीड़ को देखते हुए कई पुरुष यात्रियों ने निजी बसों या अन्य साधनों से सफर करना उचित समझा। इस तरह रक्षाबंधन पर जयपुर में जहां घर–घर प्रेम और विश्वास का धागा मजबूत हुआ, वहीं रोडवेज की मुफ्त यात्रा ने बहनों के लिए पर्व पर आवागमन को सुविधाजनक बनाने में अहम भूमिका निभाई।

न्यूज गैलरी

कल्पना को मिला मिसेज इंडिया का ताज

दिल्ली की नेहा बनीं ऑरा मिस इंडिया 2026

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. राजधानी के अनंत महल में आयोजित सौंदर्य प्रतियोगिता 'ऑरा मिस एंड मिसेज इंडिया 2026' का शानदार समापन हुआ। ऑरा प्रोडक्शन के तत्वावधान में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश भर से आई प्रतिभागियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। विभिन्न राउंड्स और शानदार रैंप वॉक के बाद निर्णायक मंडल ने अंतिम परिणाम घोषित किए। प्रतियोगिता के मिस इंडिया कैटगरी में दिल्ली की नेहा ने 'मिस इंडिया 2026' का खिताब अपने नाम किया, जबकि रूशी प्रथम उपविजेता और जसकीरत द्वितीय उपविजेता चुनी गईं। वहीं विवाहित महिलाओं की श्रेणी में कल्पना अभिलाष ने बाजी मारते हुए 'मिसेज इंडिया 2026' का प्रतिष्ठित ताज पहना, जिसमें शमा सिंह प्रथम उपविजेता और स्वीटी द्वितीय उपविजेता घोषित की गईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेजेंद्र सिंह राजावत उपस्थित रहे। प्रतिभागियों का मूल्यांकन करने वाले निर्णायक मंडल में दक्षिण भारतीय फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री निधि अग्रवाल, पार्श्व गायक रविंद्र उपाध्याय और जाने–माने वस्त्र डिजाइनर हिम्मत सिंह सहित फैशन व मनोरंजन जगत की कई प्रमुख हस्तियां शामिल रहीं।

कांग्रेस में देर रात तक होते रहे टिकट आवेदन

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. नगर निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस में शुक्रवार देर रात तक कार्यकर्ता टिकट के लिए आवेदन करते रहे। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि चयनित उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। जिन उम्मीदवारों ने अब तक अपना आवेदन पत्र ऑनलाइन जमा नहीं किया है, वे अंतिम समय सीमा शुक्रवार रात 12 बजे तक हर हाल में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया भी पूर्ण कर लें। निर्धारित समय–सीमा के बाद ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह बंद कर दी जाएगी। इसलिए सभी उम्मीदवार बिना किसी देरी के रात 12 बजे से पहले अपना ऑनलाइन आवेदन भी अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लें।

ईएसआई अस्पताल में खेल प्रतियोगिताओं का आगाज

जयपुर, समाचार जगत ब्यूरो. राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को ई एस आई सी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का आगाज हुआ। आयोजन का उद्घाटन अधिष्ठाता डॉ राजेश चेतीवाल, चिकित्सा अधीक्षक डॉ आरपी मीना, उपचिकित्सा अधीक्षक डॉ अखिलेश जैन एवं संयुक्त निदेशक सोनम दावा की उपस्थिति में हुआ। आयोजन के तहत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं लेमन रेस, चेस, कैरम टग ऑफ़ वॉर, स्किपिंग द रोप, साइकिलिंग का आयोजन किया जाएगा।

मानसून में मिशन मोड पर गड्ढों की मरम्मत का अभियान

166 स्थानीय निकायों में सड़कों का पैच रिपेयर कार्य पूर्ण

- शेष निकायों में 05 सितंबर तक काम पूरा करने का लक्ष्य
- गड्ढों की सर्वे-गश्त के जरिए पहचान, 48 से 72 घंटे में मरम्मत
- 'सुगम पथ पोर्टल' जैसी डिजिटल निगरानी से जवाबदेही भी तय

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सड़क तंत्र के सुदृढ़ीकरण पर विशेष फोकस किया जा रहा है, ताकि आमजन को सुरक्षित, सुगम और निर्बाध आवागमन उपलब्ध हो सके। इसी क्रम में राज्य के 309 स्थानीय निकायों में से 166 निकायों में स्वीकृत पैच रिपेयर कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 143 निकायों में कार्य प्रगति पर हैं। लक्ष्य के अनुसार इन कार्यों में 53.7 प्रतिशत पूर्ण किए जा चुके हैं। वहीं, शेष कार्यों को 05 सितंबर तक पूर्ण करने की संभावना है।

मुख्यमंत्री द्वारा मानसून में सड़कों की स्थिति को लेकर समीक्षा के बाद अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर गड्ढों की त्वरित मरम्मत के लिए निर्देशित किया गया था। जिसके बाद चलाए गए पैच रिपेयर अभियान में कोटा जोन ने शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करते हुए स्वीकृत समस्त 28 स्थानीय निकायों में कार्य पूर्ण कर लिये हैं। इसी प्रकार बीकानेर में 37 में से 35 तथा जयपुर-द्वितीय में 47 में से 43 स्थानीय निकायों में कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं।

त्वरित पहचान, प्रभावी समाधान एवं डिजिटल रिकॉर्ड संधारण : मानसून के दौरान सड़कों की स्थिति पर त्वरित कार्रवाई के लिए नियमित गश्त एवं सर्वेक्षण के माध्यम से गड्ढे की पहचान के पश्चात 48 से 72 घंटे के भीतर कोल्ड मिक्स अथवा हॉट मिक्स से मरम्मत सुनिश्चित की जा रही है। वहीं, पैच रिपेयर अभियान को पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए सभी कार्यों की 'सुगम पथ पोर्टल', जीपीएस फोटो एवं डिजिटल रिकॉर्ड के माध्यम से निगरानी और सत्यापन किया जा रहा है। इससे चिन्हित स्थान, कार्य तथा उसकी प्रगति का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध हो रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप समयबद्ध-गुणवत्तापूर्ण कार्य एवं संबंधित ठेकेदारों की जवाबदेही तय की जा रही है।

387 करोड़ से सड़कों की सेहत हो रही दुरुस्त : प्रदेश में कुल 2 लाख 12 हजार 556 किलोमीटर का सड़क नेटवर्क है। इसमें राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण, राजस्थान राज्य सड़क विकास एवं निर्माण निगम, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सहित डीएलपी नेटवर्क के अंतर्गत 86 हजार 254 किलोमीटर सड़कें शामिल हैं। प्रदेश में 58 हजार 919 किलोमीटर सड़कें मरम्मत योग्य तथा 55 हजार 340 किलोमीटर सड़कें पेचेबल श्रेणी में हैं। जिनके लिए राज्य सरकार द्वारा अब तक 387 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी कर 175 करोड़ रुपये के कार्य पूर्ण किये जा रहे हैं।

नॉन-पैचेबल सड़कों के लिए भी बड़े स्तर पर कार्य

राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026–27 में नॉन–पेचेबल सड़कों के लिए भी 2 हजार 55 नए कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों के तहत कुल 4 हजार 529 किलोमीटर सड़क लंबाई को शामिल किया गया है। इनकी कुल अनुमानित लागत 1 हजार 262 करोड़ रुपये है तथा कार्यों के लिए निविदाएं आमंत्रित की जा चुकी हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य केवल सड़कों की तत्काल मरम्मत करना ही नहीं, बल्कि प्रदेश में सुरक्षित, मजबूत और सुगम सड़क नेटवर्क विकसित करना है। यही कारण है कि मानसून के दौरान सड़कों की निरंतर निगरानी करते हुए आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

स्वाइन फ्लू के 28 दिन में 59 मामले आए सामने

- जुकाम-बुखार में भीड़ वाले इलाकों से दूर रहने की सलाह

जयपुर.समाचार जगत न्यूज. राजस्थान समेत पड़ौसी राज्यों में बढ़ते स्वाइन फ्लू (इन्फ्लुएंजा ए एच 1 एन 1) के मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। इससे पहले पिछले 28 दिनों में 59 मामले सामने आने के बाद विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

खासकर जुकाम, बुखार या फ्लू जैसे लक्षण होने पर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचने और संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी सावधानियां अपनाने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में कल एडवाइजरी भी जारी करी, छोटे बच्चों, बुजुर्गों, लंबे समय से बीमार लोगों को भी ऐसे एरिया में न जाने और सतर्क रहने की सलाह दी है।

हरियाणा, दिल्ली एनसीआर और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में बढ़ते केस और राज्य में बढ़ती मरीजों की संख्या को देखते हुए फ्लू लक्षण से प्रभावित लोगों को भीड़ वाले इलाकों में न जाने की भी सलाह दी है।

घातक स्ट्रेन पुष्टि नहीं

विशेषज्ञों का कहना है कि एच 1एन 1 वायरस के किसी नए या अधिक घातक स्ट्रेन के प्रसार की पुष्टि नहीं हुई है। आईसीएमआर ने बताया कि वर्तमान में प्रचलित एच 1एन 1 वायरस पहले से ही सक्रिय है। इसलिए आमजन को घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी बरतना और समय पर डॉक्टरों की सलाह लेकर दवाई लेने की जरूरत बताई है।

सीकर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

5-6 करोड़ के हाईटेंशन बिजली तार चुराने वाली अंतरराज्यीय गैंग का खुलासा, 12 गिरफ्तार

वारदात में प्रयुक्त थार, कार, पिकअप, 2 मोटरसाइकिल व चोरी की कमाई से खरीदे 2 आईफोन बरामद

फरार आरोपियों की तलाश जारी

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. सीकर पुलिस ने संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बिजली की हाईटेंशन लाइन से तार चोरी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश किया है। डीएसटी सीकर और थाना सदर नीमकाथाना की संयुक्त कार्रवाई में गैंग के 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त 2 मोटरसाइकिल, एक पिकअप, एक कार और एक थार जीप बरामद कर जब्त की है। इसके अलावा चोरी से अर्जित राशि से खरीदे गए दो आईफोन भी बरामद किए गए हैं।

एसपी प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने थाना सदर नीमकाथाना और थाना डाबला क्षेत्र में पावरग्रीड वटामन ट्रांसमिशन लिमिटेड के 765 केवी डी/सी सीकर-II से नरेला टीएल प्रोजेक्ट के तहत बिछाई जा रही हाईटेंशन लाइन से करीब 103 किलोमीटर क्षेत्र में तार चोरी की वारदातों का खुलासा किया है। चोरी किए गए तार की अनुमानित कीमत करीब 5 से 6 करोड़ रुपये बताई गई है। पूछताछ में आरोपियों द्वारा दर्जनों वारदात करना स्वीकार किया गया है। गैंग के कुछ अन्य आरोपी गिरफ्तारी के भय से फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

सीसीटीवी और तकनीकी विश्लेषण से पहुंची पुलिस गैंग तक : महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज राहुल प्रकाश के निर्देशों की पालना में एसपी नूनावत के निर्देशन में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमकाथाना लोकेश मीणा और वृत्ताधिकारी नीमकाथाना सुशील मान के पर्यवेक्षण में डीएसटी सहित अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने वारदात वाले स्थानों और वहां आने-जाने वाले रास्तों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी तथा आपराधिक आसूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर गैंग के सदस्यों की पहचान की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किए जा रहे वाहन बरामद किए।

उदयवीर शर्मा को मिलेगा 51 हजार का राजस्थानी साहित्य पुरस्कार

जयपुर. समाचार जगत न्यूज. प्रयास संस्थान, चूरू द्वारा वार्षिक साहित्य पुरस्कारों की शृंखला में राजस्थानी भाषा, साहित्य की सेवा क्षेत्र में समग्र योगदान के लिए दिए जाने वाला कन्हैयालाल रतनलाल पारख राजस्थानी साहित्य पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए बिसाऊ–झुंझुनूं निवासी राजस्थानी के वरिष्ठ

साहित्यकार, संपादक डॉ. उदयवीर शर्मा को दिया जाएगा। प्रयास संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने बताया कि सुंदरदेवी लक्ष्मीदेवी पारख ट्रस्ट, कोलकाता के मुख्य ट्रस्टी एवं चूरू मूल के उद्योगपति, ऑरबिट ग्रुप के संयोजक बसंत कुमार पारख के सौजन्य से प्रयास संस्थान प्रवर्तित पुरस्कार हेतु इस वर्ष राजस्थान साहित्य के वरिष्ठ हस्ताक्षर 94 वर्षीय डॉ. उदयवीर शर्मा का चयन किया गया है। डॉ. शर्मा को इसी माह चूरू में आयोज्य समारोह में पुरस्कार राशि इक्कावन हजार रुपये, शॉल, श्रीफल, मानपत्र अर्पित कर सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि संस्थान द्वारा इस पुरस्कार से पूर्व में राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार तेजसिंह जोधा नागौर, डॉ. चंद्रप्रकाश देवल अजमेर, डॉ. देव कोठारी उदयपुर, मोहन आलोक श्रीगंगानगर, प्रो. जहूर खां मेहर जोधपुर एवं नागराज शर्मा पिलानी को सम्मानित किया जा चुका है।

पोप ने भारत-राजस्थान की प्रगति के लिए दिया आशीर्वाद

सीएस ने वेटिकन सिटी में की पोप लियो से मुलाकात

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। मुख्य सचिव एवं इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव साइंसेज (आईआईएएस) के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को वेटिकन सिटी में पोप लियो XIV से मुलाकात की।

इस अवसर पर आईआईएएस के 520 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने पोप लियो XIV के 'स्पेशल ब्लेसिंग' में भाग लिया। पोप ने राजस्थान और भारत के विकास एवं प्रगति के लिए आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। श्रीनिवास ने इस मुलाकात को अत्यंत गौरवपूर्ण अनुभव बताते हुए मानवता की सेवा के पोप के वैश्विक प्रयास 'मैग्निफिका ह्यूमैनिटास' में आईआईएएस की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया।

पोप लियो XIV ने आईआईएएस के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल तकनीक को आमजन की सेवा का माध्यम बनाने के लिए इसका मानवीकरण आवश्यक है। उन्होंने मानव कल्याण को शासन और तकनीकी विकास के केंद्र में रखने का आह्वान करते हुए कहा कि मानव परिवार की भलाई को निजी हितों के लिए बलिदान नहीं किया जाना चाहिए। पोप ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तेजी से विकसित होती डिजिटल तकनीकों के दौर में मानव हितों की रक्षा तथा तकनीक के संतुलित और जिम्मेदार उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एआई जिस गति से विकसित हो रही है, उसमें यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि तकनीक मानवता की सेवा करे और मनुष्य अपने ही आविष्कारों का शिकार न बने। उन्होंने मानव जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय मशीनों को सौंपे जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए मानव बुद्धिमत्ता की अपरिहार्यता को रेखांकित किया। उन्होंने डिजिटल तकनीकों के मानवीय उपयोग के लिए प्रभावी नैतिक ढांचा विकसित करने की आवश्यकता बताई। साथ ही, आईआईएएस को इस दिशा में शोध जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सार्वजनिक प्रशासन में डिजिटल तकनीकों का उपयोग इस प्रकार किया जाए कि वे जीवन और शांति की सेवा करें। उन्होंने आईआईएएस के प्रयासों की सराहना करते हुए सदस्यों को इस महत्वपूर्ण दायित्व को दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

संपादकीय

कचरे का औपनिवेशवाद: मानसून, बाढ़ और प्रदूषण का खतरनाक गठजोड़

जून में अदालत ने चेताया, मानसून अब कचरे का सच दिखा रहा है

मद्रास हाईकोर्ट ने जून में जो चेतावनी दी थी, उसकी गूंज अगर अब भी सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंची है तो सवाल अदालत के फैसले की ताकत का नहीं, हमारी राजनीतिक संवेदनशीलता का है। यह विडंबना ही है कि जिस समय देश एक ऐसे मानसून का सामना कर रहा है जिसमें बारिश कुल मिलाकर कम है, लेकिन जहां हुई है वहां कहर बनकर टूट रही है। इसी दौरान हम अपने ही कचरे का संकट संभालने में नाकाम होने के बावजूद दूसरे देशों के कचरे को अपने यहां आने दे रहे हैं, जो अंततः वह हमारी जमीन, हमारी नालियों, हमारी नदियों और समुद्र तक पहुंचने वाली श्रृंखला का हिस्सा बन कर प्रकृति का नाश करेगा। मदुरै पीठ के मद्रास हाईकोर्ट ने 19 जून को मेसर्स श्रीपति पेपर एंड बोड्‌र्स प्राइवेट लिमिटेड और संबंधित मामलों में जिस गंभीरता से 'वेस्ट कॉलोनियलिज्म' यानी कचरा औपनिवेशवाद का उल्लेख किया, वह सामान्य न्यायिक टिप्पणी नहीं है। कागज के कचरे के नाम पर आयात की गई खेपों में इस्तेमाल की हुई प्लास्टिक बोतलें, प्लास्टिक बैग, कैन, सड़क की सफाई से निकला कचरा और अन्य नगर ठोस कचरा मिला था। अदालत ने कहा कि विकसित देश जब अपने अवांछित कचरे का बोझ विकासशील देशों पर डालते हैं तो यह केवल पर्यावरणीय अन्याय नहीं, बल्कि उस देश की पारिस्थितिक सुरक्षा और संप्रभुता के लिए भी गंभीर खतरा है। अदालत का फैसला दो महीने पुराना हो चुका है, लेकिन उसकी चेतावनी आज पहले से ज्यादा प्रासंगिक है। कारण बदलता हुआ मानसून है। देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से कमजोर है। अगस्त के अंतिम सप्ताह तक मौसमी बारिश सामान्य से करीब 13 प्रतिशत कम है। कम बारिश के बावजूद कुछ इलाकों में अतिवृष्टि, बाढ़ ने विनाश किया है। बारिश कम हो या ज्यादा, कचरे का शिकार शहरों और गांवों के जल निकासी तंत्र, 'प्लास्टिक की थैलियां, बोतलें, पैकेजिंग सामग्री, पॉलीथिन और दूसरे ठोस कचरे से बंद जैसे हालात से जूझ रहे हैं। तेज बारिश सड़कों और बस्तियों को जलमग्न कर देती है। शहरी बाढ़ पर अध्ययनों में अपर्याप्त, अवरुद्ध जलनिकासी, ठोस कचरा और नालियों की कम क्षमता बाढ़ बढ़ाने वाले प्रमुख कारक हैं। कचरे से अंटी नालियों का पानी अंततः नदियों में जाता है और मानसून के तेज बहाव में वही कचरा नदियों के साथ बहकर समुद्र तक पहुंचता है। नदियां हमारे कचरे की वाहक बनती जा रही हैं और समुद्र उसका अंतिम ठिकाना। भारत के डेल्टा इस संकट के सबसे असुरक्षित क्षेत्र हैं। गंगा-ब्रह्मपुत्र से लेकर महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी तक के डेल्टा सदियों से नदियों के साथ आए गाद, पोषक तत्व और मीठे पानी पर निर्भर रहे हैं। अब वे प्लास्टिक, रासायनिक प्रदूषक और शहरों के अनुपचारित कचरे से जूझ रहे हैं। कावेरी-कॉलिडम नदी तंत्र पर हालिया अध्ययन में भी नदी के तलछट में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी और गंभीर पारिस्थितिक जोखिम की ओर संकेत मिला है। 2024-25 में भारत ने रिसाइकिल होने वाले कचरे और स्क्रैप का 12.74 अरब डॉलर से अधिक मूल्य का आयात किया। इसमें कुछ वैध पुनर्चक्रण योग्य सामग्री भी हो सकती है। मद्रास हाईकोर्ट का फैसला इसी सीमा को लेकर चेतावनी है। अदालत ने न केवल संबंधित खेपों को मूल देशों को वापस भेजने का निर्देश दिया, बल्कि इस पूरे प्रकरण को 'वेस्ट कॉलोनियलिज्म' के व्यापक संदर्भ में देखा। अदालत ने यह भी कहा कि विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों पर ठोस नगर कचरे का बोझ डालना अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का उल्लंघन करने के साथ गंभीर पर्यावरणीय क्षरण का कारण बनता है।

जल संकट का टिकाऊ समाधान

डॉ. रिपुन्जय सिंह
पूर्व सदस्य
राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर

भारत में जल संकट अब भविष्य की चुनौती नहीं, बल्कि वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। एक ओर मानसून के दौरान शहरों की सड़कें जलमग्न हो जाती हैं, नालियाँ उफान पर आ जाती हैं और करोड़ों लीटर बहुमूल्य वर्षा जल बह जाता है, वहीं दूसरी ओर कुछ ही महीनों बाद वही शहर पेयजल संकट, गिरते भूजल स्तर और महंगी जलापूर्ति व्यवस्थाओं पर बढ़ती निर्भरता का सामना करते हैं। यह विरोधाभास केवल प्राकृतिक परिस्थितियों का परिणाम नहीं है, बल्कि हमारी जल प्रबंधन प्रणाली की एक मूलभूत कमजोरी को उजागर करता है। हमने वर्षा जल को एक संसाधन के बजाय एक समस्या माना है, जिसे शीघ्रता से शहरों से बाहर निकाल देना चाहिए। आज समय आ गया है कि हम वर्षा जल के प्रति अपनी सोच बदलें। यदि भारत को जल-सुरक्षित बनाना है, तो हमें हर बूंद को बचाने और उसे स्थानीय स्तर पर संरक्षित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। वर्षा जल प्रकृति का सबसे शुद्ध और निःशुल्क उपहार है। मानसून के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में पर्याप्त वर्षा होती है। समस्या वर्षा की मात्रा नहीं, बल्कि उसके प्रबंधन की है। तेज़ी से बढ़ते शहरीकरण ने प्राकृतिक जल अवशोषण क्षेत्रों को कंक्रीट के जंगलों में बदल दिया है। सड़कें, इमारतें, पार्किंग स्थल और फुटपाथ अब ऐसी अभेद्य सतहें बन चुके हैं जो पानी को जमीन में समाने नहीं देतीं। परिणामस्वरूप वर्षा जल सीधे नालियों में बह जाता है। इससे दोहरी समस्या पैदा होती है। एक तरफ जलभराव और शहरी बाढ़ की स्थिति बनती है, दूसरी तरफ भूजल भंडारों को पुनर्भरण के लिए आवश्यक पानी नहीं मिल पाता। यही कारण है कि देश के अनेक शहरों और कस्बों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। कृषि क्षेत्र पानी की कमी से प्रभावित हो रहा है, शहरी नागरिकों को अनियमित जलापूर्ति का सामना करना पड़ रहा है और सरकारों को पानी लाने, शुद्ध करने तथा वितरित करने पर भारी धनराशि खर्च करनी पड़ रही है। ऐसे समय में वर्षा जल संचयन एक टिकाऊ और दीर्घकालिक समाधान के रूप में उभरता है। नालों को जल निकासी नहीं, जल संचयन प्रणाली बनाना होगा । परंपरागत रूप से स्टॉर्मवॉटर ड्रेन्स का उद्देश्य वर्षा जल को शहर से यथाशीघ्र बाहर निकालना होता है। इससे तत्काल जलभराव कम तो होता है, लेकिन बहुमूल्य जल की भारी बर्बादी भी होती है। यदि इन नालों की संरचना में छोटे-छोटे परिवर्तन किए जाएँ, नालों में ईंटों या छोटे अवरोधों का उपयोग कर पानी के प्रवाह को धीमा करना। जब पानी की गति कम होती है, तो उसे जमीन में रिसने का पर्याप्त समय मिलता है। केवल थोड़ी-सी योजना और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री के उपयोग से बड़े परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। घरों, कार्यालयों, विद्यालयों और संस्थानों की छतों से पाइपों के माध्यम से वर्षा जल एकत्र कर टंकियों में संग्रहित किया जा सकता है। इस जल का उपयोग बागवानी, वाहन धुलाई, शौचालयों तथा अन्य गैर-पेय कार्यों में किया जा सकता है। रिचार्ज पिट या रिचार्ज ट्रेंच वर्षा जल को सीधे भूजल भंडारों तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं। यह अत्यंत सरल और कम लागत वाला उपाय है। रेत और बजरी से भरी उथली खाइयाँ वर्षा जल को रोककर धीरे-धीरे जमीन में समाने देती हैं। शहरी क्षेत्रों में यह विशेष रूप से प्रभावी है। छोटे जल प्रवाह मार्गों और मौसमी नालों पर बने चेक डैम पानी के प्रवाह को धीमा कर भूजल पुनर्भरण को बढ़ाते हैं। गुजरात और महाराष्ट्र में इनके सकारात्मक परिणाम देखे गए हैं। सोख्ता गड्ढे कम लागत वाले लेकिन अत्यंत प्रभावी समाधान हैं। इनमें वर्षा जल जमा होकर धीरे-धीरे जमीन में समा जाता है।इन उपायों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्हें किसी भी समुदाय द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अपनाया जा सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी हैं।वर्षा जल संचयन का एक बड़ा लाभ इसकी आर्थिक व्यवहार्यता है। बड़े बांध, पाइपलाइन नेटवर्क, पंपिंग स्टेशन और जल शोधन संयंत्रों पर करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। इसके विपरीत, वर्षा जल संचयन की अनेक प्रणालियाँ कम खर्च में स्थापित की जा सकती हैं। स्टॉर्मवॉटर ड्रेन में ईंटों के माध्यम से जल संचयन की व्यवस्था अत्यंत कम लागत में तैयार की जा सकती है। हालांकि बड़ी परियोजनाओं में निवेश अधिक हो सकता है, लेकिन उनके लाभ दीर्घकालिक और बहुआयामी होते हैं। जब घर और संस्थान वर्षा जल का उपयोग करने लगते हैं, तो नगरपालिका जलापूर्ति पर निर्भरता कम होती है। भूजल स्तर बढ़ने पर पानी निकालने के लिए कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इससे किसानों और उद्योगों की लागत घटती है। वर्षा जल संचयन से जलभराव और शहरी बाढ़ का जोखिम कम होता है। इससे सड़क, भवन और अन्य बुनियादी ढाँचे को होने वाली क्षति में कमी आती है। आज पर्यावरण-अनुकूल भवनों की मांग बढ़ रही है। जब नागरिक स्थानीय स्तर पर पानी का संरक्षण करते हैं, तो सरकारों को महंगी जलापूर्ति परियोजनाओं पर कम खर्च करना पड़ता है। यह केवल पर्यावरण संरक्षण का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी अत्यंत समझदारी भरा निवेश है। स्वच्छ जल के लिए सामूहिक जिम्मेदारी आवश्यक है। जल संरक्षण तभी सफल होगा जब जल की गुणवत्ता भी सुरक्षित रहे। केवल पानी बचाना पर्याप्त नहीं है; उसे स्वच्छ बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए जल की बर्बादी रोकना। रिसाव वाले पाइप और नलों की मरम्मत करना। कचरे और रसायनों का उचित निस्तारण। सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट को जल स्रोतों में जाने से रोकना। जल गुणवत्ता की नियमित जांच। जल स्रोतों को अतिक्रमण और प्रदूषण से बचाना।समुदायों में जागरूकता बढ़ाना है। जल प्रबंधन केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह समाज, उद्योग, नागरिक संगठनों और प्रत्येक व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी है।

जलवायु परिवर्तन के दौर में जल संरक्षण की अनिवार्यता है। जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसमी घटनाओं की आवृत्ति बढ़ रही है। कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है तो कहीं लंबे सूखे पड़ रहे हैं। शहरों में अचानक भारी वर्षा के कारण फ्लैश फ्लड और जलभराव आम हो चुके हैं। भारी वर्षा के समय यह अतिरिक्त पानी को संग्रहित और अवशोषित करता है, जबकि सूखे के समय यही पानी जल सुरक्षा प्रदान करता है। इस प्रकार वर्षा जल संचयन केवल जल संरक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि जलवायु अनुकूलन और शहरी क्षमता वर्धन की एक महत्वपूर्ण रणनीति है। अब नीति स्तर पर निर्णायक कदम उठाने होंगे। व्यक्तिगत प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन व्यापक परिवर्तन के लिए नीति समर्थन आवश्यक है। सभी नए भवनों में वर्षा जल संचयन अनिवार्य किया जाए। सड़कों, पार्कों, विद्यालयों और सरकारी भवनों में भूजल पुनर्भरण संरचनाएँ विकसित की जाएँ। स्टॉर्मवॉटर ड्रेन्स को रिचार्ज सिस्टम में बदला जाए। शहरी विकास योजनाओं में प्राकृतिक जल निकासी और पुनर्भरण क्षेत्रों को संरक्षित किया जाए। नागरिकों को कर छूट और वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाएँ। विद्यालयों में जल साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि वर्षा जल संचयन को शहरों की मास्टर प्लानिंग और जलवायु संकट रणनीति का केंद्रीय तत्व बनाया जाए। हर बूंद को बचाने का समय आ गया है। भारत का जल भविष्य केवल विशाल बांधों और महंगी परियोजनाओं पर निर्भर नहीं रह सकता। इसके लिए विकेंद्रीकृत, सामुदायिक और प्रकृति-आधारित समाधानों की आवश्यकता है। जल निकासी नालों में वर्षा जल संचयन ऐसा ही एक समाधान है। नवाचार के माध्यम से हम बहते हुए पानी को बचा सकते हैं, भूजल को पुनर्जीवित कर सकते हैं, बाढ़ को कम कर सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। बारिश का बहता हुआ पानी भविष्य की प्यास बुझाने वाली अमूल्य संपदा है। वह किसानों की आशा है, शहरों की जल सुरक्षा है और आने वाली पीढ़ियों का जीवन है। भारत के जल संकट का समाधान आसमान से बरसने वाली हर बूंद में छिपा है। आवश्यकता केवल इतनी है कि हम उसे बहने देने के बजाय संजोना सीखें। क्योंकि अंततः जल संरक्षण का सबसे बड़ा सिद्धांत यही है।

"हर बूंद की कीमत है, और हर बूंद को बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।"

(लेखक के निजी विचार है)

आखिर कब तक रुक पाएगी डायन प्रथा?

अमित बैजनाथ गर्ग

21वीं सदी में भी महिलाओं को डायन बताकर उन्हें प्रताड़ित किए जाने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इस प्रथा का मुख्य कारण अंधविश्वास और अज्ञानता है। इसमें बीमारी, प्राकृतिक आपदा या मौत का जिम्मेदार महिलाओं को मान लिया जाता है। इसके बाद उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। कई बार हत्या तक कर दी जाती है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने डायन प्रथा पर कठोर टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि डायन बताकर महिलाओं को प्रताड़ित करने जैसी कुप्रथाएं कानून के शासन और संवैधानिक नैतिकता के सिद्धांतों के बावजूद जारी रहीं, तो संवैधानिक लोकतंत्र कायम नहीं रह सकता। यह टिप्पणी ओडिशा में 1998 के एक मामले में की गई थी, जिसमें एक महिला को उसके घर से घसीटकर बाहर निकाला गया और उस पर डायन होने का आरोप लगाते हुए बेरहमी से पिटाई की गई। इससे महिला की मौत हो गई थी। कोर्ट ने कहा कि हम केवल इतना कहना चाहेंगे कि इस मामले के तथ्यों ने इस कोर्ट की अंतरात्मा को गहराई से झकझोर दिया है।

कोर्ट ने कहा कि एक असहाय महिला को डायन बताया गया। उसकी बेटी पर उस घटना का क्या असर हुआ होगा, जिसने अपनी मां को बेहद क्रूर तरीके से मारे जाते हुए देखा, यह बेहद पीड़ादायक है। पीठ ने कहा कि देश के संविधान में ऐसे समाज की परिकल्पना की गई है, जो समानता, बंधुत्व और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के सिद्धांतों पर आधारित हो और महिलाओं के प्रति अपमानजनक किसी भी प्रथा को त्याग दिया जाए। इसके बाद भी समाज के कुछ वर्गों में डायन बताकर महिलाओं को प्रताड़ित करने जैसी कुप्रथाएं अब भी जारी हैं। हमारे जैसे संवैधानिक लोकतंत्र में ऐसी व्यवस्था कायम नहीं रह सकती, जहां इस तरह की अपमानजनक कुप्रथाएं कानून के शासन और संवैधानिक नैतिकता के सिद्धांतों से बचती रहें।

इधर, राजस्थान के भरतपुर जिले के भुसावर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले छोकरवाड़ा कलां गांव में एक महिला को डायन बताकर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटने का सनसनीखेज मामला सामने आया। गांव के कुछ असामाजिक तत्वों ने अंधविश्वास के चलते महिला पर जानलेवा हमला किया। हालांकि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत हरकत में आई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना की पूरी जानकारी जुटाई। घायल पीड़ित महिला को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस इस अंधविश्वास से जुड़े मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जा रहे हैं। यह घटना साबित करती है कि 21वीं सदी में भी महिलाओं को डायन बताकर उन्हें प्रताड़ित किए जाने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। यह हाल तब है, जब राजस्थान में इस प्रथा के खिलाफ कठोर कानून है।

डायन प्रथा को डाकन प्रथा के नाम से भी जाना जाता है। डायन प्रथा एक गंभीर सामाजिक कुरीति और अंधविश्वास है। इसमें मुख्य रूप से ग्रामीण या पिछड़े क्षेत्रों में निर्दोष महिलाओं विशेषकर विधवा, गरीब या अकेली महिलाओं पर जादू-टोना करने या बुरी ताकतों से बच्चों व समाज को नुकसान पहुंचाने का झूठा आरोप लगाया जाता है। इसके बाद उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। इस प्रथा का मुख्य कारण अंधविश्वास और अज्ञानता है। इसमें बीमारी, प्राकृतिक आपदा या मौत का जिम्मेदार महिलाओं को मान लिया जाता है। अकेली या विधवा महिलाओं की जमीन-जायदाद पर कब्जा करने की कोशिश की जाती है। पुरानी रंजिश या आपसी दुश्मनी निकाली जाती है। महिलाओं पर अत्याचार करते हुए उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित और कलंकित किया जाता है। उन्हें गांव से बहिष्कृत कर दिया जाता है। उनके साथ मारपीट की जाती है। कई मामलों में भीड़ द्वारा निर्दोष महिलाओं की हत्या कर दी जाती है।

आंकड़े बताते हैं कि राजस्थान, झारखंड, असम, ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में डायन प्रथा का सबसे ज्यादा प्रचलन है। विशेषज्ञों का कहना है कि जागरूकता व शिक्षा के अभाव और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी ने इस प्रथा को बढ़ावा दिया है।

ग्रामीण इलाकों में छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज के लिए ओझा के पास जाने वाले लोगों को यह बताया जाता है कि उन पर किसी भूत-प्रेत का साया है और उसके लिए कोई महिला जिम्मेदार है। इसके बाद उस महिला की प्रताड़ना शुरू हो जाती है। यह उसकी हत्या पर जाकर खत्म होता है। कई मामलों में तो किसी खास इलाके में बाढ़ व सूखे के लिए भी किसी महिला को जिम्मेदार ठहराकर उसकी हत्या कर दी जाती है। कुछ मामलों में लोग दुश्मनी निकालने के लिए भी किसी ओझा के साथ मिलकर इस प्रथा की आड़ में संबंधित महिला को डायन करार देते हैं। इस तरह यह दकियानूसी प्रथा जारी रहती है।

डायन प्रथा को रोकने के लिए केंद्र सरकार के स्तर पर कोई विशिष्ट केंद्रीय कानून नहीं है। वर्ष 2016 में लोकसभा में द प्रिवेंशन ऑफ विच-हंटिंग बिल पेश किया गया था, लेकिन वह पारित नहीं हो सका।

केंद्र सरकार का कानून न होने के कारण ऐसे मामलों में भारतीय न्याय संहिता और भारतीय दंड संहिता की सामान्य धाराओं के तहत कार्रवाई की जाती है। हालांकि कुछ राज्यों जैसे राजस्थान, झारखंड, असम, छत्तीसगढ़ और बिहार में कड़े डायन विरोधी कानून हैं। इसके तहत इसे एक गंभीर और गैर-जमानती अपराध माना गया है। इस अमानवीय प्रथा को जड़ से खत्म करने के लिए राजस्थान सरकार ने डायन-प्रताड़ना निवारण अधिनियम लागू किया है। इस कड़े कानून के तहत डायन बताने या प्रताड़ित करने वाले दोषियों के लिए सात साल तक कारावास या गंभीर मामलों में आजीवन कारावास और भारी जुर्माने का प्रावधान है। कानून में पीड़ितों के पुनर्वास और सहायता का भी निर्देश है।

असल में तमाम प्रगति के बावजूद देश के विभिन्न हिस्सों में अब भी अंधविश्वास कायम है। इसकी सबसे बड़ी मिसाल है डायन प्रथा और उसके नाम पर लगातार होने वाली हत्याएं। विशेषज्ञों का कहना है कि डायन प्रथा के मामले में सरकारी प्रयास नाकाफी हैं। जागरूकता अभियान लगातार लंबे समय तक चलाना जरूरी है।

इस दिशा में काम कर रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि सुदूर गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठोस काम किए बिना अंधविश्वास नहीं मिट सकता। इसके अलावा तेजी से पनपने वाले ओझाओं की गतिविधियों पर भी अंकुश लगाना होगा। कानून के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और सामाजिक जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। कानूनी प्रावधानों पर सख्ती से कार्रवाई करनी होगी। इसके बाद ही ऐसा करने वाले लोगों के मन में डर बैठेगा। वे ऐसा करने से पहले सौ बार सोचेंगे। तब कहीं जाकर डायन जैसी प्रथा पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

(लेखक के निजी विचार है)

अतीत के झरोखे से...

खवास बालाबख्श से अदावत-3

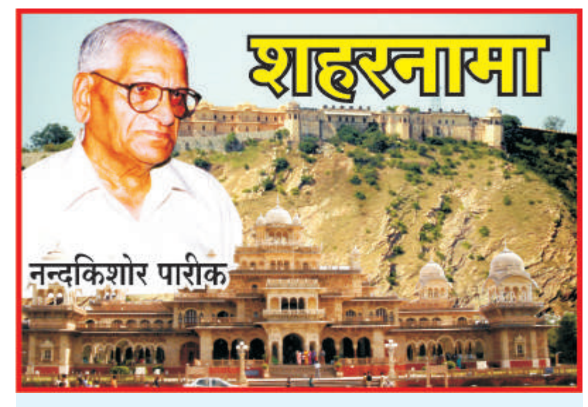

कान्ति बाबू ने महाराजा के इस उच्छृंखल और उद्दण्ड सेवक-सहचर के मनोभाव को उसके चेहरे पर साफ-साफ पढ़ लिया। अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक शोक की उस घड़ी में खबास बालाबख्श के इस अमर्यादित व्यवहार ने उनकी कोयाग्नि जगा दी और उन्होंने पुकारकर अपने नौकरों को आदेश दिया कि इसकी दोनों बाहें पकड़ कर बाहर फेंक दो और इस घर में कभी न घुसने दो। इस आदेश का पालन होता, उससे पहले ही खवास क्रुद्ध और शोक संतप्त कान्ति बाबू की आवाज सुनकर वहां से नौ-दो ग्यारह हो चुका था।

इस घटना की खबर महाराजा को पहुंची। वे कान्ति बाबू के पास आए तो वे मुंह ढक कर लेटे हुए थे। महाराजा उनके पास बैठकर खवास बालाबख्श के व्यवहार के लिए माफी मांगते रहे, पर कान्ति बाबू एक शब्द भी नहीं बोले और नाहीं आंखे खोलीं। कान्ति बाबू की मां ने यह सुना तो वे बाहर आ गईं और पुत्र से उठकर महाराजा से बात करने के लिए समझाने लगीं।

नेपाल में बाढ़ : चीन की जिद से तिब्बत में बदलता हिमालय और भारत तक मंडराता खतरा

विनोद पाठक

पड़ोसी देश नेपाल के रसुवा जिले में आई अचानक बाढ़ या कहें सुनामी ने एक बार फिर हिमालय की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। तिब्बत की तरफ से आए तेज पानी ने सीमावर्ती इलाकों में भारी नुकसान किया। सड़कें और पुल टूट गए। पनबिजली परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा। कई इलाकों का संपर्क भी टूट गया। इस घटना की वजह अभी पूरी तरह साफ नहीं है। हालांकि, शुरुआती आकलन में हिमस्खलन, चट्टानों के खिसकने और ग्लेशियर से जुड़े जलभराव की आशंका जताई गई है। इसलिए इस बाढ़ को सीधे चीन के निर्माण कार्यों का नतीजा कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इस घटना ने एक बड़ा सवाल जरूर खड़ा किया है। क्या तिब्बत में तेजी से हो रहा निर्माण और बदलता मौसम आने वाले समय में हिमालयी इलाकों के लिए खतरा बढ़ा रहे हैं? यह सवाल केवल नेपाल का नहीं है। इसका सीधा संबंध भारत से भी है।

दरअसल, तिब्बत को अक्सर एशिया का 'वाटर टॉवर' कहा जाता है। यहां से निकलने वाली कई बड़ी नदियां भारत, नेपाल, बांग्लादेश और दूसरे देशों तक जाती हैं। इन नदियों का पानी खेती, पीने के पानी और बिजली के लिए बेहद जरूरी है। समस्या यह है कि हिमालय तेजी से बदल रहा है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं। ग्लेशियरों के पास नई झीलें बन रही हैं। इन झीलों के अचानक टूटने पर नीचे के इलाकों में कुछ ही घंटों में बड़ी बाढ़ आ सकती है। यही कारण है कि हिमालय में होने वाली हर बड़ी प्राकृतिक घटना को गंभीरता से देखने की जरूरत है।

एक तथ्य यह भी है कि चीन तिब्बत में सड़कें, रेलवे, सुरंगें और बांध बना रहा है। इसका एक बड़ा कारण सीमावर्ती क्षेत्रों को बेहतर तरीके से जोड़ना और ऊर्जा उत्पादन बढ़ाना है। यारलुंग त्सांगपो नदी पर चीन की विशाल पनबिजली परियोजना इसका बड़ा उदाहरण है। यह नदी भारत में प्रवेश करने के बाद ब्रह्मपुत्र कहलाती है। चीन का कहना है कि ऐसी परियोजनाएं उसके विकास और ऊर्जा जरूरतों के लिए जरूरी हैं, लेकिन भारत और नेपाल के लिए चिंता का विषय यह है कि इन परियोजनाओं का असर नीचे की ओर बहने वाले पानी पर क्या होगा? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि हिमालय का भूगोल बेहद संवेदनशील है। यहां बड़े पैमाने पर पहाड़ काटने, सुरंग बनाने और निर्माण करने से भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए सवाल चीन के विकास करने के अधिकार का नहीं है। सवाल है कि क्या इतना बड़ा निर्माण पर्याप्त पर्यावरणीय सावधानी के साथ हो रहा है?

दूसरा, सीमा पार नदियों के मामले में सबसे जरूरी चीज समय पर जानकारी है। यदि ऊपर के इलाके में अचानक ग्लेशियर झील टूटती है या पानी का बहाव बहुत बढ़ता है तो नीचे बसे देशों को तुरंत सूचना मिलनी चाहिए। भारत और चीन के बीच नदियों के जलस्तर और बहाव से जुड़े आंकड़े साझा करने की व्यवस्था रही है, लेकिन कई बार इस व्यवस्था में रुकावट आई है। यह स्थिति चिंता पैदा करती है, क्योंकि बाढ़ आने के बाद जानकारी मिलने का कोई फायदा नहीं। जानकारी बाढ़ आने से पहले चाहिए। नेपाल और भारत को समय रहते पता हो कि ऊपर के क्षेत्र में क्या हो रहा है तो हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सकता है।

रसुवा की घटना में नेपाल को भारी नुकसान हुआ है। सीमावर्ती सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। पनबिजली परियोजनाओं पर भी असर पड़ा है। नेपाल की समस्या यह है कि उसके पास संसाधन सीमित हैं। पहाड़ी इलाकों में सड़क या पुल बनाना पहले ही महंगा है। बार-बार प्राकृतिक आपदाओं में वही ढांचा टूट जाए तो देश की अर्थव्यवस्था पर बड़ा बोझ पड़ता है। नेपाल को इस मामले में चीन से सीधे टकराव की जरूरत नहीं है, लेकिन उसे अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी जानकारी जरूर मांगनी चाहिए। उसे यह जानने का अधिकार है कि सीमा के दूसरी तरफ कौन-से बड़े निर्माण हो रहे हैं? उनका पानी तथा पर्यावरण पर क्या असर पड़ सकता है।

नेपाल में आने वाली बड़ी बाढ़ का असर भारत तक पहुंच सकता है। नेपाल की नदियां आगे चलकर भारत की नदी प्रणालियों से जुड़ती हैं। अचानक बहुत ज्यादा पानी आने पर बिहार और उत्तर प्रदेश के कई इलाके प्रभावित हो सकते हैं। बाढ़ के साथ पहाड़ों से आने वाला मलबा भी बड़ी समस्या बनता है। पत्थर, मिट्टी और पेड़ों का मलबा पुलों और बैराजों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए भारत को केवल बाढ़ आने के बाद राहत देने पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उसे पहले से तैयारी करनी होगी।

आखिर भारत को क्या करना चाहिए? सबसे पहले भारत को नेपाल के साथ अपनी आपदा चेतावनी व्यवस्था और मजबूत करनी चाहिए। कुछ जरूरी कदम साफ हैं, जैसे ग्लेशियर झीलों की लगातार उपग्रह से निगरानी हो। नेपाल और भारत के बीच पानी और मौसम की जानकारी तुरंत साझा हो। सीमा के पास सेंसर और चेतावनी केंद्र बढ़ाए जाएं। पुलों और बैराजों की सुरक्षा की नियमित जांच हो। चीन से जल संबंधी आंकड़े लगातार साझा करने की मांग की जाए। बड़े बांध और निर्माण कार्य शुरू होने से पहले उनके पर्यावरणीय प्रभाव की गंभीर जांच हो। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में बड़ी पनबिजली परियोजनाओं की योजना बनाई है, लेकिन भारत को भी यह ध्यान रखना होगा कि विकास के नाम पर हिमालय की प्राकृतिक व्यवस्था को नुकसान न पहुंचे। स्पष्ट है कि चीन की गलती का जवाब भारत को अपनी गलती करके नहीं देना चाहिए।

भारत, नेपाल और चीन के बीच राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं। सीमा विवाद भी हो सकते हैं, लेकिन नदियों का पानी इन विवादों को नहीं मानता। एक ग्लेशियर झील टूटती है तो पानी कुछ ही समय में सीमा पार कर जाता है। इसलिए तीनों देशों के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के बीच एक स्थायी व्यवस्था बननी चाहिए। इसमें ग्लेशियर, मौसम, नदी के पानी और संभावित बाढ़ की जानकारी साझा की जानी चाहिए। अगर किसी इलाके में बड़ा खतरा दिखाई दे तो पड़ोसी देशों को पहले ही चेतावनी मिलनी चाहिए। यह व्यवस्था किसी देश के खिलाफ नहीं होगी। इसका उद्देश्य केवल लोगों की जान बचाना होगा।

वैसे, हिमालय में सड़कें चाहिए। पुल चाहिए। बिजली चाहिए। रोजगार चाहिए। विकास भी चाहिए, लेकिन पहाड़ों के साथ विकास की एक सीमा होती है। बार-बार पहाड़ काटना, बड़ी सुरंगें बनाना और प्राकृतिक जलधाराओं से छेड़छाड़ करना लंबे समय में भारी पड़ सकता है। आज जलवायु परिवर्तन ने इस खतरे को और बढ़ा दिया है। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और मौसम का मिजाज बदल रहा है। ऐसे समय में हिमालय को केवल विकास के क्षेत्र के रूप में देखना सही नहीं होगा। इसे एक जीवित और संवेदनशील प्राकृतिक व्यवस्था के रूप में समझना होगा।

रसुवा की बाढ़ को केवल एक स्थानीय प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना ठीक नहीं होगा। यह पूरे हिमालय के लिए एक चेतावनी है। इस घटना से एक बात साफ है, हिमालय में होने वाली किसी भी हलचल का असर सीमा पार तक पहुंच सकता है। चीन को अपने निर्माण कार्यों में अधिक पारदर्शिता दिखानी चाहिए। नेपाल को अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी जानकारी मांगनी चाहिए। भारत को अपनी निगरानी और चेतावनी व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। आखिर में बात केवल बांध, सड़क या सीमा की नहीं है। बात उन करोड़ों लोगों की है, जिनका जीवन हिमालय की नदियों से जुड़ा है। हिमालय को जीतने की नहीं, बचाने की जरूरत है। विकास हो, लेकिन प्रकृति को साथ लेकर। यही आने वाले समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

(लेखक के निजी विचार है)

न्यूज गैलरी

23 साल से फरार 10,000 का इनामी तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा. भीलवाड़ा पुलिस की साइबर सेल और प्रतापनगर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए पिछले 23 सालों से फरार चल रहे 10,000 के इनामी तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी 2,500 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा तस्करी के मामले में लंबे समय से वांछित था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मामला 10 जून 2003 का है जब प्रतापनगर थाना क्षेत्र में लावारिस हालत में खड़ा एक ट्रक जब्त किया गया था। तलाशी लेने पर ट्रक से 2,500 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद हुआ था। इस संबंध में प्रतापनगर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी, लेकिन आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा (IPS) द्वारा चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत यह सफलता मिली है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राजेश आर्य के निर्देशन और पुलिस उप अधीक्षक (वृत्त शहर) सज्जन सिंह के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी सुनील ताड़ा व साइबर सेल की एक विशेष टीम गठित की गई। साइबर सेल की तकनीकी सहायता और टीम की मुस्तैदी से आरोपी को ढूंढ निकाला गया।

धमकियों से भयभीत युवक ने फंदे पर लटककर की आत्महत्या

नैनवां. शहर के वार्ड 12 में शुक्रवार सुबह 29 वर्षीय युवक दीपक गुर्जर ने अपने घर के कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर नैनवां थाना पुलिस से एएसआई नरेंद्र सिंह मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे। तब तक परिजन युवक को फंदे से नीचे उतार चुके थे। इसके बाद परिजन उसे नैनवां उपजिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया। घटना की सूचना मिलने पर थानाधिकारी सहदेव सिंह भी अस्पताल पहुंचे। पुलिस के अनुसार वार्ड 12 निवासी जगदीश पुत्र हरदेव, जाति गुर्जर, ने पुलिस को परिवाद देकर चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि गुरुवार रात आरोपियों ने दीपक को घर से बाहर बुलाया और उसके साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। परिवादी का आरोप है कि आरोपियों ने दीपक, जितेंद्र गुर्जर, महेंद्र सहित पूरे परिवार को जान से खत्म करने की धमकी दी थी। परिवादी के अनुसार इन धमकियों से भयभीत होकर उसके पौत्र दीपक ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया, जिससे उसकी मौत हो गई। हेडकांस्टेबल सूरजमल ने बताया कि पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। थानाधिकारी सहदेव सिंह ने बताया कि युवक की आत्महत्या के मामले में मर्ग दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भीलवाड़ा में टिकट बंटवारे से पहले भाजपा में बगावत

महिलाओं ने धरना लगा दी आत्म हत्या की चेतावनी

भीलवाड़ा. नगर निकाय चुनाव के लिए भाजपा में टिकटों की अधिकृत घोषणा से पहले ही असंतोष की आग भड़क उठी है। भीलवाड़ा नगर निगम में महापौर का पद इस बार सामान्य महिला के लिए आरक्षित हुआ है, लेकिन प्रत्याशियों के चयन को लेकर जमीनी कार्यकर्ताओं में भारी रोष है। पूर्व नगर परिषद सभापति एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष मंजू चेचणी के नेतृत्व में शुक्रवार रक्षाबंधन के दिन महिला कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया। धरने पर बैठीं रेखा पुरी, इंदु बंसल सहित अन्य कार्यकर्ताओं का सीधा आरोप है कि वर्षों से पार्टी के लिए पसीना बहा रही सक्रिय महिलाओं को दरकिनार किया जा रहा है। जयपुर से स्थानीय नेताओं तक पहुंची संभावित प्रत्याशियों की सूची की जानकारी लीक होने के बाद यह विरोध सामने आया है। कार्यकर्ताओं के अनुसार, जमीनी महिलाओं के टिकट काटकर बड़े नेताओं की पत्नियों को तरजीह दी जा रही है। प्रदर्शन के दौरान पूर्व सभापति मंजू चेचणी ने दोटूक कहा, "महापौर की सीट सामान्य महिला की होने के बावजूद एक भी सक्रिय महिला कार्यकर्ता को टिकट नहीं दिया गया है। केवल पुरुष नेताओं की पत्नियों को आगे लाया जा रहा है। हमारी मांग है कि पार्टी सांसद, विधायक और वरिष्ठ नेता एकजुट होकर निष्ठावान महिला कार्यकर्ताओं को टिकट दें और पार्टी के खर्च पर उन्हें चुनाव जिताएं। किसी नेता की पत्नी को प्रत्याशी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।" भाजपा नेत्री मंजू चेचाणी ने चेतावनी दी है कि अगर हमारी मांगे नहीं मानी गई तो मैं है भाजपा कार्यालय पर आत्मदाह कर लूंगी यह घटनाक्रम एक बार फिर साबित करता है कि पंचायती राज और नगर निकायों में महिला आरक्षण के नाम पर अक्सर नेताओं की पत्नियों को आगे कर दिया जाता है, जिससे मूल कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस करती हैं। शनिवार दोपहर तक भाजपा दफ्तर पर प्रदर्शन जारी रहेगा।

800 किमी पीछा कर पुलिस ने सुलझाया ब्लाइंड मर्डर, दो इनामी आरोपी गिरफ्तार

14 दिन में खुली हत्या की गुत्थी, घटनास्थल से 3 किमी दूर बाजरे के खेत में फेंका था शव

समाचार जगत ब्यूरो

मंडावर. इलाके के खेड़ली कलां गांव के जंगल में बाजरे के खेत से मिले ब्लाइंड मर्डर के शव की गुत्थी मंडावर थाना पुलिस ने 14 दिन में सुलझा ली। पुलिस ने मामले में दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस टीम ने करीब 800 किलोमीटर तक पीछा किया। तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और आसूचना तंत्र की मदद से पुलिस आरोपियों तक पहुंची। कार्रवाई में एएसआई मगन की अहम भूमिका रही। 15 अगस्त को खेड़ली कलां गांव के जंगल में बाजरे के खेत से राहुल उर्फ भानू मीना (30) निवासी खेड़ा कल्याणपुर, अलवर का शव बरामद हुआ था। मृतक के पास पहचान संबंधी दस्तावेज और मोबाइल फोन नहीं मिलने से पुलिस के सामने पहले मृतक की पहचान और फिर हत्यारों तक पहुंचने की चुनौती थी। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर 15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

पुलिस जांच में सामने आया कि घटना से दो दिन पहले राहुल की चेतराम मीना नामक व्यक्ति से कहासुनी और झगड़ा हुआ था। पुलिस के अनुसार विवाद और धमकी के बाद आरोपियों ने राहुल की हत्या कर दी। इसके बाद साक्ष्य छिपाने और पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से शव को मूल घटनास्थल ग्राम किशोरपुर से करीब तीन किलोमीटर दूर खेड़ली कलां के बाजरे के खेत में फेंक दिया।

सीसीटीवी और साइबर जांच से मिले सुराग : सुनसान जंगल में शव मिलने के बाद पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। साइबर सेल की मदद से तकनीकी विश्लेषण और आसूचना तंत्र से मिले इनपुट को आपस में जोड़कर संदिग्धों की तलाश शुरू की गई। लगातार निगरानी और संदिग्ध गतिविधियों की जांच के बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही।

दो इनामी आरोपी गिरफ्तार : पुलिस ने मामले में सुरेश उर्फ सुरा (56) निवासी खोहरी, थाना खेड़ली, जिला अलवर और शेरसिंह उर्फ शेरू (19) निवासी खोहरी, थाना खेड़ली, जिला अलवर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार सुरेश थाना खेड़ली का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, मामले में एक महिला की भूमिका भी सामने आई है। पुलिस के अनुसार महिला ने आरोपियों को आश्रय देने और सहयोग करने का काम किया। उसके खिलाफ विधि अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

ब्लाइंड मर्डर के खुलासे के लिए पुलिस टीम ने संदिग्धों की लगातार तलाश की। तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और आसूचना तंत्र से मिले सुरागों को जोड़ते हुए टीम ने करीब 800 किलोमीटर तक आरोपियों का पीछा किया और दोनों इनामी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। लिा पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के निर्देशन में गठित टीम में मंडावर थानाधिकारी हरिओम, एएसआई मगन, सलेमपुर थानाधिकारी संतचरण, एएसआई अशोक, महुवा थाना एएसआई रविन्द्र, साइबर सेल प्रभारी दौसा एएसआई प्रेमनारायण, हैड कांस्टेबल विनोद कुमार, ओमप्रकाश, साइबर सेल हैड कांस्टेबल अजय परेवा, तथा बालाहेड़ी थाना कांस्टेबल रविन्द्र शामिल रहे।

मुंडावर थानाधिकारी हरिओम, ने कहा की आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है जहां से न्यायालय ने इन दोनो को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा है। आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जाएगी।

नगर पालिका चुनावों को लेकर भाजपा व कांग्रेस ने कसी कमर

समाचार जगत ब्यूरो

उदयपुरवाटी. अगले महीने होने वाले नगर पालिका चुनावों को लेकर उदयपुरवाटी के सभी वार्डों में धीरे-धीरे चुनावी चौसर बिछने लगी है। नगर पालिका चुनाव को लेकर जहां भारतीय जनता पार्टी व कांग्रेस ने अभी से कमर कहना शुरू कर दिया है वहीं निर्दलीय प्रत्याशी भी इस बार पीछे हटने वाले नहीं है। पिछली बार के नगर पालिका चुनावो के बाद उदयपुरवाटी की वार्डों में कितना क्या विकास हुआ यह तो किसी से छुपा हुआ नहीं है लेकिन इस बार विकास कार्यों को लेकर हर एक प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरना चाहेंगे लेकिन जनता भी इस बार अलग मूड में दिखाई दे रही है। जिन वार्डों में 5 साल में विकास के कामों में फूटी कोडी भी नहीं लगाई गई उस वार्डों की जनता इस बार प्रत्याशियों को अच्छा सबक सिखाने के मूड में दिखाई दे रही है। जैसे नगर पालिका चुनाव धीरे-धीरे नजदीक आते जा रहे हैं।

आचार संहिता के बीच 'अतिरिक्त चार्ज' का खेल

समाचार जगत ब्यूरो

भीलवाड़ा. आचार संहिता के कड़े नियमों और निगम में स्थानांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद अजमेर डिस्कॉम में अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदलने का मामला गर्मा गया है। 25 अगस्त को जारी एक आदेश के जरिए अधिकारियों के 'अतिरिक्त चार्ज' में अचानक किए गए फेरबदल ने प्रशासनिक गलियारों में नए सवाल खड़े कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार, अधिशासी अभियंता रतनाल वीरवाल को गंगापुर के अतिरिक्त चार्ज से मुक्त कर मांडल का अतिरिक्त चार्ज सौंपा गया है। वहीं, अधिशासी अभियंता (मीटर) नमो नारायण मीणा को गंगापुर के अतिरिक्त चार्ज की जिम्मेदारी दी गई है। नियमों को दरकिनार करने का आरोप : जब आचार संहिता लागू है और किसी भी तरह के स्थानांतरण पर साफ रोक है, तब डिस्कॉम प्रबंधन द्वारा यह फेरबदल किस नियम और किसकी अनुमति से किया गया? सूत्रों का कहना है कि मांडल और गंगापुर—दोनों ही स्थानों पर पहले से ही नियमित अधिकारियों के पास प्रभार मौजूद था। ऐसे में अतिरिक्त चार्ज के नाम पर यह समायोजन क्यों और किसके इशारे पर किया गया, यह चर्चा का विषय बना हुआ है। अनुमति का आधारः क्या इस आदेश से पूर्व निर्वाचन विभाग से अनिवार्य स्वीकृति ली गई थी। यदि प्रबंधन इसे 'स्थानांतरण' नहीं मान रहा, तो इस तात्कालिक बदलाव की जरूरत और औचित्य क्या है समानता का नियमः आचार संहिता के नियम सभी विभागों के लिए एक समान हैं, तो अजमेर डिस्कॉम को यह विशेष छूट किस आधार पर मिली। प्रशासनिक व्यवस्था या खेलः क्या यह महज सामान्य प्रशासनिक समायोजन है या नियमों को दरकिनार करने का प्रयास

प्रबंधन के जवाब का इंतजार : इस पूरे घटनाक्रम के बाद अब सभी की निगाहें अजमेर डिस्कॉम के उच्च अधिकारियों और निर्वाचन विभाग पर टिकी हैं। देखना होगा कि डिस्कॉम प्रशासन इस आदेश के पीछे क्या तर्क प्रस्तुत करता है और चुनाव आयोग इस मामले का संज्ञान लेता है या नहीं।

सोशल मीडिया के कलाकारों को थाने में धमकाने का आरोप

राजस्थान इनफ्लुएंसर कम्युनिटी ने किया विरोध, एसपी को सौंपा ज्ञापन

समाचार जगत ब्यूरो

चूरू. सोशल मीडिया क्रिएटर्स को कथित तौर पर डराने-धमकाने और थाने में मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के मामले को लेकर राजस्थान इनफ्लुएंसर कम्युनिटी के सदस्यों ने गुरुवार को एसपी को ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने सदर थाना पुलिस पर दो कलाकारों को थाने में बुलाकर कथित रूप से अपमानित करने, मानसिक दबाव बनाने और गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी देने के आरोप लगाए। कम्युनिटी ने मामले की निष्पक्ष जांच वरिष्ठ अधिकारी से करवाकर दोषी पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में राजस्थान इनफ्लुएंसर कम्युनिटी के ख्याली सहारण और बनवारी लाल गोस्वामी ने बताया कि 23 अगस्त 2026 को उनके साथी सोशल मीडिया क्रिएटर ओमप्रकाश ने पाकिस्तान के एक इनफ्लुएंसर अदनान को लेकर टिप्पणी वाली पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा की थी। पोस्ट को लेकर कुछ पाकिस्तानी समर्थक असामाजिक तत्वों ने आपत्ति जताई। ईश्वर चंद्र ने भी इसका समर्थन किया। कम्युनिटी ने बताया कि 24 अगस्त को चूरू सदर थाने से ओमप्रकाश को सोशल मीडिया पोस्ट हटाने के लिए कहा गया। ओमप्रकाश ने तत्काल पोस्ट को हटा दी। और पहले माफी की पोस्ट और वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी कर दिया। आरोप है कि 25 अगस्त को सदर थाना पुलिस के अधिकारियों ने उनके साथी कलाकार अनिल खारिया को घर से पुलिस थाने ले गए। ज्ञापन में आरोप लगाया कि थाने में दोनों कलाकारों को उनके परिवार और परिचितों के सामने अपमानित किया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

समाचार जगत ब्यूरो

जालोर. आहोर विधानसभा क्षेत्र के देबावास गांव के पूर्व सरपंच सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने गुरुवार शाम शहर के राजीव गांधी भवन में भाजपा की सदस्यता छोड़कर कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री पुखराज पाराशर, जिलाध्यक्ष रमिला मेघवाल, विधानसभा समन्वयक हिमपालसिंह देवल, पीसीसी सदस्य सवाराम पटेल एवं मांगीलाल प्रजापत की मौजूदगी में सभी नवागंतुक कार्यकर्ताओं का कांग्रेस परिवार में स्वागत किया गया। कांग्रेस नेतागणों ने उन्हें कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई। जिला प्रवक्ता योगेंद्रसिंह कुम्पावत ने बताया कि देबावास गांव के पूर्व सरपंच किशोर कुमार वैष्णव, हितेश कुमार मेघवाल, नारायणसिंह राजपूत, दलपतसिंह भोमिया राजपूत, जूठाराम चौधरी, वागताराम देवासी, चम्पालाल सुथार, पारसराम सरगरा, गणपतलाल ने भाजपा की छोड़कर कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस में शामिल हुए कार्यकर्ताओं ने कहा संगठन को मजबूत करेंगे।

डोडाचूरा के साथ युवक गिरफ्तार एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

समाचार जगत ब्यूरो

कोटपूतली-बहरोड. अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोटपूतली थाना पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 1 किलो 12 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया। पुलिस ने मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह (आईपीएस) के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों और नशीली दवाओं के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली खान और वृताधिकारी कोटपूतली मदनलाल जाट की निगरानी में थाना कोटपूतली की विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस के अनुसार, एएनटीएफ की सूचना पर 27 अगस्त को टीम ने कार्रवाई करते हुए कमल शर्मा उर्फ बब्बू (23) निवासी पुराने कटले के पास, मोहल्ला सराय, कोटपूतली को पकड़ा। उसके कब्जे से 1 किलो 12 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया गया। पुलिस ने थाना कोटपूतली में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

जाली नोट सप्लाई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, मुख्य सरगना हरियाणा से गिरफ्तार

समाचार जगत ब्यूरो

कोटपूतली-बहरोड़. कोटपूतली थाना पुलिस ने जाली नोटों की सप्लाई करने वाले नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गिरोह के मुख्य सरगना को हरियाणा के झज्जर से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मामले में अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और जाली नोटों के निर्माण के संबंध में जांच जारी है। ुलिस के मुताबिक 23 अगस्त को कोटपूतली कस्बे में जाली नोटों के संबंध में मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए दो संदिग्धों की तलाशी ली गई। उनके कब्जे से 500-500 रुपए के 135 जाली नोट, यानी कुल 67,500 रुपए बरामद हुए। आरोपियों द्वारा पिछले दो दिनों से कोटपूतली के मार्केट में जाली नोट चलाकर बदले में प्राप्त 14,440 रुपए की असली भारतीय मुद्रा भी जब्त की गई। मामले में पुलिस थाना कोटपूतली में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराओं 178, 179 और 180 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। प्रारंभिक कार्रवाई में निशिकांत गुप्ता और राहुल सैनी को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 24 अगस्त को जाली नोटों की सप्लाई करने के आरोप में चिराग भारद्वाज को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने जाली नोटों की सप्लाई करने वाले नेटवर्क का खुलासा किया और गिरोह के मुख्य सरगना संजीव अहलावत को 28 अगस्त को झज्जर, हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी जाली नोटों के निर्माण से भी जुड़ा हुआ था तथा गिरोह के अन्य सदस्यों के संबंध में गहनता से अनुसंधान जारी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निशिकांत गुप्ता निवासी चतुर्भुज मंदिर के पास बड़ोद, राहुल सैनी निवासी भैरूजी के पास बड़ोद तथा चिराग भारद्वाज को भी इस प्रकरण में शामिल हैं।

मुख्य आरोपी गिरफ्तार, घटना में इस्तेमाल बोलेरो वाहन भी जब्त

टोल प्लाजा पर पूर्व प्रधान पर जानलेवा हमला

समाचार जगत ब्यूरो

कोटपूतली-बहरोड़. काठूवास टोल प्लाजा पर पंचायत समिति नीमराना के पूर्व प्रधान बलवान सिंह यादव और उनके चालक पर जानलेवा हमला करने के मामले में मांढण थाना पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल बोलेरो वाहन भी जब्त किया है। आरोपी घटना के बाद लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचने का प्रयास कर रहा था।

पुलिस के अनुसार 19 अगस्त को बलवान सिंह यादव अपने चालक विजय सिंह के साथ फॉर्च्यूनर से काठूवास टोल प्लाजा पहुंचे थे। टोल बूथ पर वाहन रोकने के दौरान सफेद रंग की बोलेरो ने उनकी कार को पीछे से टक्कर मार दी। आरोप है कि बोलेरो चालक ने वाहन को पीछे लेकर दोबारा टक्कर मारी और इसके बाद आगे-पीछे से कई बार टक्कर मारकर जान से मारने का प्रयास किया। हमले में चालक विजय सिंह को चोटें आईं, जबकि फॉर्च्यूनर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दोनों ने हमलावरों से बचने के लिए वाहन से उतरकर भागने का प्रयास किया। इसी दौरान एक अन्य काली बोलेरो मौके पर पहुंची, जिसमें सवार लोगों के हाथों में लोहे की रॉड, भाला, चाकू और दाव थे। आरोप है कि हमलावरों ने वाहन के शीशे भी तोड़ दिए। टोल प्लाजा पर मौजूद लोगों के बीच इस घटना से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाया। पुलिस ने 20 अगस्त को घटना में प्रयुक्त बोलेरो HR-36-AS-1790 जब्त कर ली थी। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी अजय उर्फ पहलवान उर्फ राठिया उर्फ साका, निवासी गणियार, की पहचान की। पुलिस के मुताबिक घटना के बाद आरोपी धारूहेड़ा, गुरुग्राम समेत कई स्थानों पर छिपता रहा। तकनीकी पुलिसिंग की मदद से पुलिस ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखी और आखिरकार 28 अगस्त को उसे चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अन्य नामजद आरोपियों की तलाश में जुटी है और गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूछताछ में घटना से जुड़े अन्य तथ्यों और हमले में शामिल लोगों के बारे में जानकारी सामने आने की उम्मीद है। मामले में प्रकरण संख्या 181/2026 के तहत बीएनएस की धारा 189(2), 109(1) और 324(5) में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी अजय के खिलाफ हरियाणा के अटेली और खोल थानों में भी पूर्व में मामले दर्ज रहे हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कोटपूतली-बहरोड़ सतवीर सिंह, आईपीएस के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमराना सुरेश कुमार खींची और थाना प्रभारी प्रदीप कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने की।

बाइक चोरी के मामले में 7 दिन बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं

पीड़ित ने उच्चाधिकारियों से लगाई गुहार

समाचार जगत ब्यूरो

बस्सी. निकटवर्ती क्षेत्र शिवदासपुरा थाना अंतर्गत गोनेर से 7 दिन पहले चोरी हुई एक मोटरसाइकिल का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि पीड़ित द्वारा घटना के तुरंत बाद 100 नंबर पर शिकायत दर्ज कराने के बावजूद स्थानीय पुलिस प्रशासन ने अब तक मामले में कोई औपचारिक एफआईआर दर्ज नहीं की है। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली और संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बांसखोह (चितौडी), तहसील बस्सी निवासी मांगीलाल मीणा गत 23 अगस्त को दोपहर लगभग 2:15 बजे गोनेर स्थित जगदीश महाराज के मंदिर दर्शन करने गए थे। उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल गोनेर तलाई के पास, बागड़ा ब्राह्मण समाज धर्मशाला के समीप खड़ी की थी। दर्शन कर वापस लौटने पर वाहन गायब मिला। आसपास काफी तलाश करने के बाद भी जब बाइक नहीं मिली, तो पीड़ित ने तत्काल 100 नंबर पर शिकायत दर्ज कराई जिसके 26082301490 है। पीड़ित मांगीलाल मीणा का आरोप है कि घटना के 7 दिन बीत जाने के बाद भी शिवदासपुरा थाना पुलिस ने न तो रिपोर्ट दर्ज की और न ही चोरी हुई बाइक की तलाश के लिए कोई ठोस कदम उठाया। पीड़ित ने उच्च अधिकारियों से गुहार लगाई है कि मामले को तुरंत संज्ञान में लेकर लापरवाह पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और चोरी हुई बाइक को जल्द से जल्द बरामद किया जाए। इधर मामले में शिवदासपुरा थानाधिकारी राजेश गौतम ने कहा कि मोटरसाइकिल चोरी की मुझे जानकारी नहीं है।

पॉइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर फिसली भारतीय टीम

भारतीय टीम को फाइनल में जाने के लिए सात टेस्ट में चाहिए छह जीत

न्यूजीलैंड-कंगारू के खिलाफ क्लीन स्वीप ही खोलेगा लॉर्ड्स का रास्ता, वरना दूसरों के भरोसे टिकेगी उम्मीदें

एजेंसी

कोलंबो. श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेला गया दूसरा टेस्ट मैच ड्रॉ होने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने की राह काफी चुनौतीपूर्ण हो गई है। इस ड्रॉ के कारण भारत को अधिकतम 24 अंकों के बजाय केवल 16 अंक ही मिल सके। इस परिणाम का सीधा असर टीम की रैंकिंग पर पड़ा है। भारतीय टीम अब 51.52 प्रतिशत अंकों (पीसीटी) के साथ डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गई है। शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम के पास अब इस डब्ल्यूटीसी चक्र में कुल सात टेस्ट मैच शेष हैं। इनमें न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की विदेशी श्रृंखला और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू टेस्ट श्रृंखला शामिल है।

भारत को फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को अपने दम पर जीवित रखने के लिए आगामी सभी मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करना होगा। यदि भारतीय टीम अपने शेष सभी सात टेस्ट मैच जीतने में सफल रहती है, तो उसका अंक प्रतिशत बढ़कर 70.37 हो जाएगा, जो फाइनल के लिए सुरक्षित माना जा सकता है। वहीं, सात में से छह मैच जीतने की स्थिति में भारत का पीसीटी लगभग 64.8 प्रतिशत रहेगा। हालांकि, तब टीम का क्वालीफिकेशन पूरी तरह से अन्य दावेदार टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर हो जाएगा। एक अन्य परिदृश्य के अनुसार, यदि भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ दोनों विदेशी टेस्ट हार जाता है, लेकिन घरेलू श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हरा देता है, तो टीम 59.26 प्रतिशत पीसीटी पर अभियान समाप्त करेगी। इससे भारत की उम्मीदें पूरी तरह अन्य टीमों के नतीजों पर टिक जाएंगी।

पिछले तीन डब्ल्यूटीसी फाइनल के आंकड़े बताते हैं कि क्वालीफिकेशन के लिए कट-ऑफ अंक बाकी टीमों के प्रदर्शन के आधार पर बदलते रहते हैं। पहले चक्र में न्यूजीलैंड (70 प्रतिशत) और भारत (72.2 प्रतिशत) ने फाइनल में प्रवेश किया था। दूसरे चक्र में ऑस्ट्रेलिया (66.67 प्रतिशत) और भारत (58.8 प्रतिशत) खिताबी मुकाबले में पहुंचे थे। हालिया चक्र में दक्षिण अफ्रीका ने 69.44 प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 67.54 प्रतिशत के साथ क्वालीफाई किया था। इससे स्पष्ट होता है कि 65 से 70 प्रतिशत के बीच का पीसीटी आमतौर पर फाइनल में पहुंचने के लिए पर्याप्त होता है। वर्तमान में शीर्ष तीन स्थानों पर मौजूद दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया को इस वर्ष एक-दूसरे के खिलाफ भी श्रृंखलाएं खेलनी हैं। इनके मुकाबलों के परिणाम ही अंतिम क्वालीफिकेशन मार्क तय करेंगे। ऐसे में भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। इस श्रृंखला में भारत की हर जीत उसके पीसीटी में सुधार करेगी और ऑस्ट्रेलिया को महत्वपूर्ण अंकों से वंचित करेगी।

स्पोर्ट्स गैलरी

क्रिस्टियन किली गोंजालेज बने इंटर मियामी के नए कोच

मियामी, एजेंसी. इंटर मियामी क्लब ने क्रिस्टियन 'किली' गोंजालेज को गुइलेर्मो होयोस की जगह नया कोच नियुक्त किया है। इंटर मियामी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अर्जेंटीना के कोच ने एमएलएस टीम की कमान ऐसे समय में संभाली है जब टीम लगातार पांच मैचों में जीत हासिल नहीं कर पाई है। क्लब ने लीग कप और एमएलएस नियमित सत्र सहित सभी प्रतियोगिताओं में चार हार और एक ड्रॉ दर्ज किया है।

इंटर मियामी ने कहा, "जोंजालेज को संबंधित कार्य परमिट मिलते ही वे आधिकारिक तौर पर अपना कार्यभार संभाल लेंगे। नए मुख्य कोच और उनके कोचिंग स्टाफ के आने तक गुइलेर्मो होयोस अस्थायी रूप से टीम के प्रभारी बने रहेंगे।" गोंजालेज इससे पहले अर्जेंटीना क्लब रोसारियो सेंट्रल, यूनियन (सांता फ़े) और प्लैटेंस में मुख्य कोच के रूप में कार्य कर चुके है।

एशियन गेम्स

सुविधाओं पर बोर्ड की नाराजगी फिर भी खेलेगी फुल-स्ट्रेंथ टीम

नई दिल्ली .एजेंसी. क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) जापान के आइची-नागोया में 17 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच होने वाले एशियन गेम्स में 'बी' टीम भेजने के बजाय फुल-स्ट्रेंथ टीम उतारेगा। आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों के ठहरने के छोटे कमरों, स्टेडियम से 20 किलोमीटर की दूरी, पूर्व बेसबॉल मैदान 'कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क' की अनटेस्टेड पिच और तंबुओं में बने ड्रेसिंग रूम जैसी व्यवस्थाओं को लेकर बीसीसीआई और एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) असंतुष्ट हैं। इन असुविधाओं और मैदान का जायजा लेने के लिए बीसीसीआई एक ऑब्जर्वर और एसीसी एक टेक्निकल टीम जापान भेजेगी। उल्लेखनीय है कि एशियन गेम्स में चौथी बार शामिल हो रहे क्रिकेट स्पर्धा के पिछले हांगझोऊ संस्करण में भारत ने स्वर्ण पदक जीता था।

संजय बांगर की ट्रांसजेंडर बेटी एनाया को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मंजूरी, कैप ने जताया कड़ा विरोध

नई दिल्ली , एजेंसी. दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेटर मारिज़ैन कैप ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) द्वारा ट्रांसजेंडर खिलाड़ी एनाया बांगर को घरेलू टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति दिए जाने की कड़ी आलोचना की है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर की संतान एनाया ने हाल ही में जेंडर सर्जरी कराई थी। इसके बाद सीए ने उन्हें मार्च 2027 तक कम्युनिटी क्रिकेट (प्रीमियर क्रिकेट) में खेलने की आधिकारिक मंजूरी दी है। इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए कैप ने सोशल मीडिया पर इसे बिल्कुल हास्यास्पद बताया और कहा कि इसे किसी भी कीमत पर अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सीए के नियमों के अनुसार, एनाया की एलीट क्रिकेट (डब्ल्यूबीबीएल) में भागीदारी इस बात पर निर्भर करेगी कि ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर होने वाले ब्लड टेस्ट में उनका टेस्टोस्टेरोन स्तर 10 नैनोमोल प्रति लीटर से कम रहे। इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से कोई स्पष्ट जवाब न मिलने के बाद एनाया ने क्रिकेट खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का रुख किया था।

राष्ट्रीय खेल दिवस

एसएमएस स्टेडियम में प्रभात फेरी और हॉकी फाइनल का होगा आयोजन

जयपुर,समाचार जगत न्यूज. राष्ट्रीय खेल दिवस और मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में 29 अगस्त को सवाई मानसिंह स्टेडियम में विभिन्न खेल कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वरिष्ठ खेल अधिकारी करण सिंह शेखावत के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6:00 बजे होगी, जिसके बाद मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इसके बाद राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजकेश मीणा प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए सुबह 7:00 बजे पुन: स्टेडियम पहुंचकर संपन्न होगी। प्रभात फेरी के बाद प्रतिभागी खिलाड़ियों के मध्य फाइनल हॉकी मैच खेला जाएगा। समारोह के अंतिम चरण में विजेता खिलाड़ियों का पुरस्कार वितरण होगा और इसके बाद प्रशिक्षकों व स्टाफ के बीच एक मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया जाएगा।

पडिक्कल व सुथार का कौशल सराहनीय सीरीज में कई सकारात्मक बातें रहीं: गिल

एजेंसी

कोलंबो, भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शीर्ष क्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार के खेल और दृष्टिकोण की सराहना करते हुए इसे टीम के लिए सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू बताया है। भारत ने गॉल में पहला टेस्ट जीतकर और कोलंबो में दूसरा टेस्ट ड्रॉ कराकर मेजबान टीम के खिलाफ लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज अपने नाम की। सीरीज के आखिरी मुकाबले में भारतीय टीम जीत की मजबूत स्थिति में दिख रही थी, लेकिन सोनल दिनुशा की अगुवाई में श्रीलंकाई बल्लेबाजों के जुझारू प्रदर्शन ने मैच का रुख बदल दिया और मेजबान टीम फॉलोऑन बचाकर मैच ड्रॉ कराने में सफल रही। इस मुकाबले पर गिल ने कहा कि दूसरे दिन के बाद टीम को जीत की उम्मीद थी, लेकिन श्रीलंका ने जिस तरह बल्लेबाजी की, उससे विरोधी टीम के खेल को पूरा श्रेय दिया जाना चाहिए और यह उनकी टीम के लिए भी एक अहम सबक है।

पूरी सीरीज के दौरान भारतीय युवाओं का दबदबा रहा, जिसमें पडिक्कल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए दो मैचों में 109.33 की औसत और दो शतकों की बदौलत 328 रन बनाए। वहीं गेंदबाजी विभाग में मानव सुथार ने अपनी फिरकी का कमाल दिखाते हुए सीरीज में कुल 16 विकेट चटकाए। गॉल टेस्ट में भारत की जीत के दौरान सुथार का एक ही मैच में दस विकेट झटकना पूरी सीरीज का सबसे प्रभावी प्रदर्शन रहा।

सुथार के भविष्य पर भरोसा जताते हुए कप्तान गिल ने कहा, "वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो लंबे समय तक भारत के स्पिन अटैक की अगुवाई करेंगे।" आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की दौड़ में भारतीय टीम का अगला मुकाबला नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा, जहां साइकिल में बचे सात टेस्ट मैचों को देखते हुए टीम के पास गलतियों की गुंजाइश बेहद सीमित रहेगी।

लगातार पांचवीं बार किया क्वालिफाई

डायमंड लीग फाइनल में पहुंचे नीरज चोपड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली. भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने बेल्जियम के ब्रुसेल्स में चार से पांच सितंबर को होने वाले सीजन की आखिरी एथलेटिक्स प्रयोगिता, डायमंड लीग फ़ाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। नीरज चोपड़ा ने पूरे सीजन में 12 अंक हासिल करके छह खिलाड़ियों वाले फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पोलैंड के डेविड वेग्नर और जर्मनी के रियो 2016 ओलंपिक चैंपियन थॉमस रोहलर, दोनों ने डायमंड लीग जैवलिन थ्रो स्टैंडिंग में 10-10 अंक हासिल किए।

वेग्नर ने गुरुवार को ज्यूरिख डायमंड लीग में तीसरा स्थान हासिल करके छह अंक अर्जित किये, जबकि रोहलर आठवें स्थान पर रहकर एक पॉइंट ही जोड़ पाए; इस तरह दोनों नीरज से दो अंक पीछे रह गए। इस सीजन में पुरुषों के जैवलिन थ्रो इवेंट वाले पांच डायमंड लीग इवेंट में से भारतीय एथलीट ने केवल दो में हिस्सा लिया। जून में दोहा में उन्होंने 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया, और फिर पिछले सप्ताह लॉजेन में अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ 88.05 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया।

हर परिस्थिति में जीतने वाली टीम बनाना लक्ष्य: कर्स्टन

कोलंबो . एजेंसी . श्रीलंका टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन का मानना है कि चुनौतीपूर्ण पिचें ही मेहनती क्रिकेटर बनाती है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी पिचे तैयार करनी है जहां हम अपने सीमर्स की मदद से भी मैच जीत सके। पिछले 15 सालों में श्रीलंका ने घरेलू मैदानों पर अक्सर स्पिनरों के लिए मददगार पिचें (डस्टबाउल) तैयार की हैं, लेकिन मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ऐसी पिचें चाहते हैं जो भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज जैसी हों। कर्स्टन ने कहा, "मैं इस बात का बहुत बड़ा समर्थक हूं कि हम सिर्फ स्पिनरों के लिए पिचें न बनाएं।

जयपुर सुपर बाइकर्स ग्रुप में शामिल हुईं दो डर्ट बाइक

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. राजस्थान में ऑफ-रोड मोटरसाइकिल के शौकीनों का इंतजार आखिरकार खत्म हो हुआ। राज्य की प्रमुख बाइक राइडिंग कम्यूनिटी- जयपुर सुपर बाइकर्स सोसायटी (जेएसबी) की ओर से अपने ग्रुप में दो विशेष प्रशिक्षण बाइक्स कावासाकी केएलएक्स 230 आरएस शामिल की गई है। सोसायटी सदस्यों के संयुक्त प्रयासों के तहत की गई यह पहल स्थानीय ऑफ-रोडिंग परिदृश्य के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। जयपुर सुपर बाइकर्स सोसायटी के प्रेसिडेंट तुषार ने बताया कि 'वी डिड इट टुगेदर- वन टीम, वन पैशन, वन जर्नी' थीम के तहत की गई यह पहल सोसाइटी के मजबूत बंधनों को दर्शाती है। केएलएक्स 230 आरएस डर्ट बाइक्स अपनी हल्की और विशेष रूप से ट्रेल-राइडिंग क्षमताओं के लिए प्रसिद्ध है। यहां से ये बाइक्स पूर्णिमा यूनिवर्सिटी ले जाई गई, जहां इन बाइक्स के लिए एक विशेष ऑफ-रोड डर्ट ट्रैक और अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। सोसायटी के सुपर बाइकर्स अब हर रविवार पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के इस ट्रैक पर मोटोक्रॉस का अभ्यास कर सकेंगे, जिससे बाइकर्स का रोमांच परवान चढ़ेगा। तुषार ने आगे बताया कि केएलएक्स 230 आरएस की डिलीवरी का दिन कई महीनों के उत्साह और कड़ी मेहनत का परिणाम और हमारे सभी सदस्यों के लिए गर्व का क्षण है। यह दिन जेएसबी के लिए अत्यंत ऐतिहासिक और विशेष अवसर है। सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित करने और युवाओं में सुरक्षित ड्राइविंग की आदतों को विकसित करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, जेएसबी ने अपने सदस्यों के लिए ये दो विशेष प्रशिक्षण बाइक्स केएलएक्स 230 आरएस डोनेट करने की घोषणा की है। जयपुर सुपर बाइकर्स सोसायटी हमेशा से सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और युवाओं में एडवांस्ड राइडिंग स्किल्स को निखारने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए आज सोसायटी द्वारा यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

ला लीगा : राफिन्हा-फर्मिन के गोल से बार्सिलोना जीता

नई दिल्ली, एजेंसी. बार्सिलोना ने ला लीगा 2026-27 के अपने पहले घरेलू मुकाबले में एथलेटिक बिलबाओ को 2-0 से पराजित किया। गुरुवार को खेले गए इस मैच में विजेता टीम की ओर से राफिन्हा और फर्मिन लोपेज ने एक-एक गोल दागा। मैच के 37वें मिनट में पेड्री के बेहतरीन पास पर राफिन्हा ने गोलकीपर साइमन को छकाते हुए पहला गोल किया और टीम को बढ़त दिलाई। मैच का अहम मोड़ 75वें मिनट में आया जब एथलेटिक के ओइहान सांसेट ने बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, लेकिन गेंद गोलपोस्ट से टकरा गई और टीम बराबरी करने का मौका चूक गई। इसके बाद 82वें मिनट में करीम अदेयेमी के क्रॉस को क्लियर करने में लापोर्टे से चूक हुई, जिस पर नियंत्रण बनाते हुए फर्मिन लोपेज ने दूसरा गोल कर बार्सिलोना की जीत सुनिश्चित कर दी। इससे पहले 53वें मिनट में लामिन यामल का एक शॉट भी क्रॉसबार से टकराया था।

इसी मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी से आए रोड्रि ने 62वें मिनट में मैदान पर उतरकर बार्सिलोना के लिए अपना डेब्यू किया।

स्काई स्पोर्ट्स ने इमरान के बेटों का इंटरव्यू दिखाया, पिता की जान को खतरा बताया

पाक क्रिकेट बोर्ड की बहिष्कार की धमकी के बावजूद स्काई स्पोर्ट्स ने मैच दिखाया

एजेंसी

नई दिल्ली. स्काई स्पोर्ट्स ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) की बहिष्कार की धमकी के बावजूद लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन इमरान खान के बेटों का 18 मिनट का इंटरव्यू ऑन-एयर किया। PCB ने मैच के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर को चेतावनी दी थी कि यदि सुलेमान और कासिम खान का इंटरव्यू दिखाया गया, तो पाकिस्तानी टीम लंच के बाद मैदान पर नहीं उतरेगी। चैनल द्वारा तय समय पर प्रसारण किए जाने के बावजूद पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने मैदान पर उतरकर खेल जारी रखा।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल एथरटन ने गुरुवार को यह इंटरव्यू लिया था। बातचीत के दौरान सुलेमान और कासिम ने जेल में बंद अपने पिता की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। कासिम ने कहा, "जेल में हमारे पिता की जान को खतरा है और सरकार उन्हें ज्यादा से ज्यादा समय तक अंदर रखकर चुप कराना चाहती है।"

पाकिस्तान में आधिकारिक प्रसारक PTV ने भी इस इंटरव्यू का प्रसारण शुरू किया था, लेकिन कुछ ही देर बाद इसे रोककर विज्ञापन चला दिए गए। एथरटन उन 21 कप्तानों के समूह में शामिल हैं, जिन्होंने अगस्त 2023 से विभिन्न मामलों में जेल में बंद पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान की गिरती सेहत को लेकर वर्तमान प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है।

इमरान खान के समर्थन में उतरे पैट कमिंस, गरिमापूर्ण व्यवहार की उठाई मांग

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस ने भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर इमरान खान का समर्थन किया है। कमिंस पहले सक्रिय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए हैं, जिन्होंने 1992 विश्व कप विजेता कप्तान के लिए उचित चिकित्सा देखभाल और गरिमापूर्ण व्यवहार की मांग की है। कमिंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल का एक क्लिप साझा करते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह चैपल और अन्य पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों के अभियान का पूरी तरह समर्थन करते हैं। कमिंस ने उम्मीद जताई कि अदालत द्वारा निर्देशित इमरान का चिकित्सा मूल्यांकन सुचारू रूप से पूरा होगा और उनके परिवार को उनसे मिलने की अनुमति मिलती रहेगी।

न्यूज गैलरी

औद्योगिक उत्पादन जुलाई में 6.7 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। खनन को छोड़कर सभी क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन के दम पर देश के औद्योगिक उत्पादन में जुलाई में सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, इस साल जून में औद्योगिक वृद्धि दर 8.8 प्रतिशत और पिछले साल जुलाई में 5.4 प्रतिशत रही थी। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि जुलाई में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रही। यह एक साल पहले के 5.1 प्रतिशत से अधिक है। सकल औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में इसका भारांश 76 प्रतिशत से अधिक है।

बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्र में 8.7 प्रतिशत और जलापूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन की वृद्धि दर 5.4 फीसदी दर्ज की गयी। वहीं, विनिर्माण के बाद सबसे ज्यादा 11 प्रतिशत से ऊपर भारांश रखने वाले खनन क्षेत्र में एक साल पहले के मुकाबले 0.9 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी। इसमें पिछले साल जुलाई में 10.7 प्रतिशत और इस साल जून में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि रही थी। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीने में अप्रैल से जुलाई के बीच औद्योगिक उत्पादन में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। एक साल पहले इसी अवधि में इसमें चार प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इस दौरान विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन सात प्रतिशत और बिजली एवं गैस आपूर्ति में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। जलापूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन का सूचकांक 6.3 प्रतिशत बढ़ा। खनन क्षेत्र में सालाना आधार पर 1.1 प्रतिशत की गिरावट रही।

इंडिगो वेंचर्स ने विमानन क्षेत्र में एआई को बढ़ावा देने के लिए सर्वम में किया निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो की कॉर्पोरेट वेंचर कैपिटल शाखा इंडिगो वेंचर्स ने विमानन कारोबार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को एआई कंपनी सर्वम में निवेश किया। कंपनी ने बताया कि यह निवेश सर्वम के सीरीज बी फंडिंग राउंड के तहत किया गया है। यह इंडिगो और सर्वम के बीच पहले से मौजूद साझेदारी को और मजबूत करता है। दोनों कंपनियां एआई तकनीकों के माध्यम से एयरलाइन में ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने, कर्मचारियों को अधिक सक्षम बनाने और जटिल परिचालन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। यह निवेश इंडिगो में एआई आधारित नवाचार और परिचालन उत्कृष्टता को गति देने के लिए एक दीर्घकालिक मंच तैयार करता है। इंडिगो के मुख्य डिजिटल एवं सूचना अधिकारी नीतन चोपड़ा ने कहा, ‘कृत्रिम बुद्धिमत्ता तेजी से विमानन उद्योग की एक मूलभूत क्षमता बनती जा रही है। यह ग्राहक अनुभव, कार्यबल की उत्पादकता और परिचालन संबंधी निर्णय लेने की प्रक्रिया को नया रूप दे रही है। सर्वम के साथ हमारी साझेदारी से इंडिगो को देश में विकसित और बाजार की जरूरतों के अनुरूप तैयार अत्याधुनिक एआई क्षमताओं तक पहुंच मिलती है। इन तकनीकों को अपनी परिचालन विशेषज्ञता और व्यापक क्षमता के साथ जोड़कर हम नवाचार को तेज कर सकते हैं और अपने ग्राहकों, कर्मचारियों तथा अन्य हितधारकों के लिए अधिकतम मूल्य तैयार कर सकते हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 729 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई, एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 12.422 अरब डॉलर बढ़कर 729.328 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा भंडार का पिछला रिकॉर्ड स्तर 728.494 अरब डॉलर था जो 27 फरवरी 2026 को दर्ज किया गया था। विदेशी मुद्रा का भंडार लगातार आठवें सप्ताह बढ़ा है। इस दौरान इसमें 62.39 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 21 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 9.482 अरब डॉलर बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 591.333 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा यूरो, जापानी येन और ब्रितानी पाउंड भी शामिल हैं। इनके मूल्य का निर्धारण डॉलर के मुकाबले इनके संदर्भ के आधार पर किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में देश का स्वर्ण भंडार 2.801 अरब डॉलर बढ़कर 114.218 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह 05 जून 2026 के बाद का इसका उच्चतम स्तर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 2.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.925 अरब डॉलर पर और विशेष आहरण अधिकार 11.2 करोड़ डॉलर की वृद्धि के साथ 18.852 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

सीतारमण ने कनाडाई वित्तीय संस्थानों को भारत में बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी

टोरंटो. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कनाडाई वित्तीय संस्थानों से भारत के तेजी से बढ़ते बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश का आह्वान किया।

सीतारमण ने यहां उच्च स्तरीय भारत–कनाडा बिजनेस राउंडटेबल को संबोधित किया। इस अवसर पर कनाडा के वित्त एवं राजस्व मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन भी उपस्थित रहे। वित्त मंत्री ने कनाडाई वित्तीय संस्थानों को गिफ्ट आईएफएससी में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया। गिफ्ट आईएफएससी भारत में सीमा-पार वित्तीय गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। उन्होंने बैंकिंग, फंड मैनेजमेंट, पुनर्बीमा, सतत वित्त, वैश्विक क्षमता केंद्रों तथा विमान और जहाज लीजिंग जैसे क्षेत्रों में भी अवसरों पर जोर दिया। बैठक में कनाडा और भारत के नीति-निर्माताओं, वित्तीय संस्थानों, बैंकिंग क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने भारत के वित्तीय पारितंत्र में जारी बदलाव पर भी प्रकाश डाला। पूंजी बाजारों का विस्तार, बीमा क्षेत्र की बढ़ती पहुंच, फिनटेक में नवाचार और यूपीआई जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे वैश्विक निवेशकों और संस्थानों के लिए नये अवसर पैदा कर रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हो रहा है। परिवहन, ऊर्जा, शहरी और डिजिटल बुनियादी ढांचे में दीर्घकालिक संस्थागत पूंजी के लिए बड़े पैमाने पर निवेश अवसर तैयार हो रहे हैं। वित्त मंत्री ने राष्ट्रीय निवेश एवं संरचना कोष (एनआईआईएफ) को एक व्यावसायिक दृष्टिकोण से संचालित मंच बताया, जो वैश्विक संस्थागत पूंजी को भारत के बुनियादी ढांचे और विकास के अवसरों से जोड़ता है। इसमें अवसंरचना कोष 2 और निजी बाजार कोष 2 के माध्यम से निवेश के अवसर भी शामिल हैं। उन्होंने कनाडाई पेंशन निधियों, संस्थागत निवेशकों और व्यवसायों से भारत के साथ अपने मौजूदा जुड़ाव को और मजबूत करने तथा बुनियादी ढांचा, ऊर्जा परिवर्तन, विनिर्माण, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, उभरती प्रौद्योगिकियों और मध्यम स्तरीय बाजार व्यवसायों जैसे क्षेत्रों में नये अवसर तलाशने का आग्रह किया। सीतारमण ने पिछले एक दशक में भारत में हुए सुधार-आधारित बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि परिसंपत्ति गुणवत्ता समीक्षा, दिवाला एवं दिवालियापन संहिता, 4आर रणनीति और अन्य सुधारों ने बैंकिंग प्रणाली को मजबूत किया है।

सोना आज 1,192 महंगा हुआ, चांदी 4,392 बढ़कर 2.44 लाख किलो पर आई

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षाबंधन पर आज यानी 28 अगस्त को सोने की कीमतों में तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,192 रुपए बढ़कर 1.60 लाख रुपए हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 4,392 रुपए बढ़कर 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 26 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.60 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी।

चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स

खुली ई-निविदा

सं. सीओएस/सीआरजे/पीयूबी/ई-निविदा/19/0162, दिनांक: 22/08/2026 । निम्नलिखित **ई-निविदाएं** को लिंक **www.ireps.gov.in.** पर देखा जा सकता है। ऐसे ई-निविदा के लिए प्रस्ताव केवल इलेक्ट्रॉनिक रूप से लिंक **www.ireps.gov.in → login → E-Tender Stores/Supply.** पर जाकर जमा किए जा सकते हैं। विक्रेता किसी विशेष निविदा या IREPS से संबंधित जानकारी यदि कोई हो के बारे में स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित अधिकारियों से भी संपर्क कर सकते हैं, डिप्टी. सीएमएम/एचक्यू/सीएलडब्ल्यू/चितरंजन, 9163340711 या एमएम/एचक्यू-II, 9163340724 । **कार्यालय का पता:** पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/चितरंजन का कार्यालय। **क्रम संख्या: [01]** । **निविदा सं.:70265007** । **आईटम का संक्षिप्त विवरण:** 1) अप्रैल 2024 में जारी सीएलडब्ल्यू विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/सी-डीएण्डडी/ईएस/3/0554 के पार्ट 0 और पार्ट-1 के अनुसार ऑन-बोर्ड रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम (ओआरएमएस)। ऊपर बताए गए विवरण के अलावा, आइटम को 'शेड्यूल ऑफ़ रिक्वायरमेंट' (एसओआर) में बताई गई ज़रूरतों को भी पूरा करना चाहिए। इसकी कॉपी निविदा दस्तावेज के साथ जुड़ी हुई है। | **बारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख के बाद 72 महीने], 2) अप्रैल 2024 में जारी विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/एमसी/सी-डीएण्डडी/06 के अनुसार, 5 साल के लिए ऑन-बोर्ड रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम (ओआरएमएस) की एएमसी। | **बारंटी अवधि:** 6 साल, **एएमसी अवधि:** 5 साल, **डिस्काउंटिंग की दर:** 10%]। **मात्रा: 1) 1781.00 सेट, 2) 1781.00 सेट। बयाना राशि जमा (रुपये): ₹5000000.00 । निविदा बंद होने की तिथि और समय (आईएसटी): 14/09/2026 को सुबह 11:00 बजे।**

PR8/472 पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/चितरंजन

www.facebook.com/clwrailways पर हमें फॉलो करें

शेयर बाजारों में लौटी रौनक सेंसेक्स 331 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी। आईटी सेक्टर में लिवाली से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी रही और बीएसई का सेंसेक्स 331 अंक की तेजी में बंद हुआ। पिछले दो दिन की गिरावट से उबरता हुआ सेंसेक्स आज 330.92 अंक (0.43 प्रतिशत) चढ़कर 77,264.51 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 84.80 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की बढ़त में 24,175.65 अंक पर पहुंच गया। वृहत बाजार में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.24 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.20 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। आईटी कंपनियों में जबरदस्त लिवाली देखी गयी। निफ्टी आईटी सूचकांक 3.51 प्रतिशत उछल गया। धातु, फार्मा और स्वास्थ्य सेक्टरों में भी अच्छी तेजी रही। एफएमसीजी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों में गिरावट देखी गयी। सेंसेक्स में बढ़त में रहने वाली शीर्ष चार कंपनियां आईटी सेक्टर की ही रहीं। टीसीएस का शेयर चार प्रतिशत से अधिक चढ़ा।

पहली बार देश के 90 प्रतिशत लोगों के पास मोबाइल कनेक्शन

नई दिल्ली. देश में मोबाइल सबस्क्राइबरों की संख्या जुलाई में बढ़कर 128.79 करोड़ पर पहुंच गयी और इसके साथ ही पहली बार देश की आबादी की तुलना मोबाइल सबस्क्राइबरों की संख्या (मोबाइल टेली-डेंसिटी) 90 प्रतिशत हो गयी है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई के अंत में देश में 128 करोड़ 79 लाख से अधिक मोबाइल सबस्क्राइबर थे। यह जून 2026 के 128.24 करोड़ की तुलना में 0.43 प्रतिशत अधिक है। ट्राई ने बताया कि मोबाइल टेली-डेंसिटी पहली बार 90 प्रतिशत के पार पहुंच गयी है। जुलाई में 90.04 प्रतिशत दर्ज की गयी। जून में आबादी की तुलना में 89.71 प्रतिशत मोबाइल सबस्क्रिप्शन थे। शहरी इलाकों में मोबाइल सबस्क्राइबरों की संख्या 73.94 करोड़ से बढ़कर 74.37 करोड़ पर पहुंच गयी। ग्रामीण इलाकों में सबस्क्राइबरों की संख्या 54.30 करोड़ से बढ़कर 54.43 करोड़ हो गयी। इनकी संख्या क्रमशः 0.57 प्रतिशत और 0.24 प्रतिशत बढ़ी। शहरी इलाकों में आबादी से 44 प्रतिशत ज्यादा मोबाइल सबस्क्रिप्शन थे। वहीं ग्रामीण इलाकों में मात्र मोबाइल टेली-डेंसिटी 60 प्रतिशत रही यानी आबादी से 40 प्रतिशत कम मोबाइल कनेक्शन। रिपोर्ट से पता चलाता है कि जुलाई में एयरटेल के सबस्क्राइबरों की संख्या 26.88 लाख बढ़ी। रिलायंस जियो के ग्राहक 24.47 लाख बढ़े।

एआई मॉडल से कृषि उत्पादन बढ़ाने में मदद कर रही है गूगल

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर में कृषि खाद्य क्षेत्र पर बढ़ते दबाव के बीच गूगल डीपमाइंड द्वारा विकसित एआई मॉडल भारत में कृषि उत्पादन बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।

गूगल की ओर से शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि एग्रीकल्चर लैंडस्केप अंडरस्टैंडिंग (एएलयू) और एग्रीकल्चर मॉनिटरिंग एंड ईवेंट डिटेक्शन (एएमईडी) उपग्रह चित्रों का उपयोग करके खेतों की सीमाओं का मानचित्रण करने और कृषि गतिविधियों पर नजर रखने में मदद करते हैं। मूल रूप से भारत के कृषि पारितंत्र को समर्थन देने के लिए विकसित किये गये इन मॉडलों के परिणाम एशिया-प्रशांत और अफ्रीका के 11 देशों में विश्वसनीय परीक्षकों के साथ साझा किये जा चुके हैं। इन मॉडलों से प्राप्त डेटा को एपीआई और गूगल अर्थ के माध्यम से कृषि क्षेत्र के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है। एएलयू डेटा लेयर वैश्विक स्तर पर गूगल अर्थ की सबसे लोकप्रिय लेयरों में से एक है। गूगल ने बताया कि कार्बनफार्म कंपनी ने एएलयू एपीआई और जेमिनाई का उपयोग करके खेत-स्तर की जानकारी, विशेष रूप से खेतों की सीमाओं के निर्धारण, को स्वचालित किया है। इसका उपयोग ऐसे कार्यक्रमों में किया जा रहा है जिनका उद्देश्य धान की खेती के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना है। यह वर्ष 2030 तक 20 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कम-कार्बन उत्सर्जन वाली धान की खेती को बढ़ावा देने के कार्बनफार्म के प्रयासों का हिस्सा है। एक अन्य कंपनी टेरास्टैक ने एएलयू और एएमईडी एपीआई का उपयोग करके एक स्पैटियल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जिसने 14 करोड़ हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि का मानचित्रण किया है। इससे खेतों के भौतिक निरीक्षण की आवश्यकता कम हुई है। यह भारत के कृषि पारितंत्र को अधिक तेज और सटीक निर्णय लेने में सक्षम बना रहा है, जिससे किसानों को लाभ मिल रहा है।

जापान में निप्पॉन पेंट के शीर्ष अधिकारियों ने गोयल से की मुलाकात, भारत में सतत निवेश की जताई प्रतिबद्धता

ओसाका (जापान), एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की चार दिवसीय जापान यात्रा पर निप्पॉन पेंट होल्डिंग्स के शीर्ष अधिकारियों और निप्पॉन पेंट इंडिया के प्रबंध निदेशक शरद मल्होत्रा ने उनसे मुलाकात की। निप्पॉन पेंट इंडिया निपसिया ग्रुप का हिस्सा है जो जापानी कंपनी निप्पॉन पेंट होल्डिंग्स की सहायक कंपनी है। बैठक में पेंट्स एवं कोटिंग्स उद्योग में भारत-जापान सहयोग को मजबूत करने के अवसरों के साथ-साथ भारत के तेजी से बढ़ रहे विनिर्माण और बुनियादी ढांचा क्षेत्र पर चर्चा हुई। निप्पॉन पेंट के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री मल्होत्रा और निप्पॉन पेंट होल्डिंग्स के निदेशक, रिप्रेजेंटेटिव एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एवं सह-अध्यक्ष युइचिरो वाकात्सुकी ने किया। प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय बाजार में कंपनी के निरंतर निवेश और विकास की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। बैठक के बाद श्री वाकात्सुकी ने कहा, ‘निप्पॉन पेंट के लिए भारत लगातार सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक बना हुआ है। जैसे-जैसे देश की विनिर्माण और बुनियादी ढांचा संबंधी महत्वाकांक्षाएं तेज हो रही हैं, हमें अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने तथा भारत के कोटिंग्स उद्योग में सार्थक योगदान देने के महत्वपूर्ण अवसर दिखाई दे रहे हैं। मंत्री (पीयूष) गोयल के साथ यह बैठक भारत-जापान साझेदारी की मजबूती को दर्शाती है और हम भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा के प्रति प्रतिबद्ध हैं। श्री मल्होत्रा ने कहा कि कंपनी का ध्यान भारत में पेंट के सभी सेगमेंट में अपनी पहुंच और बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने पर है। कंपनी ऐसा व्यवसाय तैयार कर रही है जो वैश्विक स्तर पर निप्पॉन पेंट के आकार और क्षमता के अनुरूप हो। इसके साथ ही भारत में अनुसंधान एवं विकास तथा विनिर्माण क्षमताओं के विस्तार पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

Jio IPO Approved: 37700 करोड़ का देश का सबसे बड़ा IPO लाएगा रिलायंस

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए एक धमाकेदार खबर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) की धाकड़ डिजिटल विंग, जियो प्लेटफॉर्म्स का बहुप्रतीक्षित आईपीओ (Jio IPO) जल्द ही बाजार में दस्तक देने वाला है।

मार्केट रेगुलेटर सेबी (SEBI) ने इस मेगा आईपीओ को अपनी हरी झंडी दे दी है। यह कोई आम पब्लिक इश्यू नहीं है, बल्कि यह भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ (Biggest IPO in India) होने जा रहा है। जियो प्लेटफॉर्म्स इस आईपीओ के जरिए शेयर बाजार से करीब 4 अरब डॉलर यानी लगभग 37,700 करोड़ रुपए का भारी-भरकम फंड जुटाने की तैयारी में है। कंपनी ने इसी साल जून में इसके लिए सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर (DRHP) जमा किए थे। 28 अगस्त को सेबी ने इस पर अपनी अंतिम मुहर लगा दी है। नियम के मुताबिक, सेबी की मंजूरी मिलने के बाद अब कंपनी इस पब्लिक इश्यू को लॉन्च करने की अंतिम तैयारियों में जुट गई है।

कंपनी इस आईपीओ के तहत 27 करोड़ तक नए इक्विटी शेयर (Fresh Issue) जारी करेगी। हालांकि, बाजार में आने वाले ये शेयर कंपनी की कुल इक्विटी का महज 2.9 प्रतिशत हिस्सा ही होंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस आईपीओ के लिए जियो प्लेटफॉर्म्स का कुल वैल्यूएशन करीब 137 अरब डॉलर आंका गया है। इससे पहले माना जा रहा था कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का अपकमिंग आईपीओ (करीब 30,000 करोड़ रुपये) सबसे बड़ा होगा, लेकिन रिलायंस जियो ने उसे भी पीछे छोड़ दिया है। आम जनता से जुटाए गए इस हजारों करोड़ के फंड का इस्तेमाल मुख्य रूप से कर्ज का बोझ कम करने में किया जाएगा। जियो प्लेटफॉर्म्स की अहम सब्सिडियरी कंपनी, रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड (RJIL) के बचे हुए कर्जों का पूरी तरह या आंशिक भुगतान इसी पैसे से होगा। इसके अलावा कुछ पैसा कंपनी के सामान्य कॉरपोरेट कामकाज पर खर्च किया जाएगा।

दिग्गज निवेशकों का पहले से लगा है पैसा

जियो प्लेटफॉर्म्स का ट्रैक रिकॉर्ड ऐसा है कि दुनिया भर के बड़े इन्वेस्टर्स की इस पर पहले से ही पैनी नजर है। साल 2020 में ही कंपनी ने अपनी 9.99% हिस्सेदारी फेसबुक (META) को 43,574 करोड़ रुपए में बेची थी। वहीं, गूगल (Google) ने 33,737 करोड़ रुपए लगाकर 7.73% हिस्सेदारी खरीदी थी। इसके अलावा सिल्वर लेक, केकेआर (KKR), मुबाडाला, इंटेल और क्वालकॉम जैसे दिग्गज ग्लोबल निवेशकों के एक समूह ने भी 74,745 करोड़ रुपए का तगड़ा निवेश कर 15.2% हिस्सेदारी ली थी। वर्तमान में, रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास जियो प्लेटफॉर्म्स की 66.43% हिस्सेदारी है, जबकि मेटा और गूगल के पास कुल 17.71% शेयर हैं। अब बस निवेशकों को इस बात का इंतजार है कि जियो अपने इस 'महा-आईपीओ' का प्राइस बैंड और खुलने की तारीख कब घोषित करता है।

कार्यालय ग्राम पंचायत मानपुरिया पंचायत समिति नांगल राजावतान (दौसा)

क्रमांक :- ग्राप/निविदा/2026-27/255 दिनांक :- 27-8-26

निविदा सूचना मानपुरिया 05/2026-27

ग्राम पंचायत मानपुरिया में वित्तीय वर्ष 2026-27 में ग्राम पंचायत मानपुरिया के समस्त राजस्व ग्राम में घर-घर (आवासीय एवं व्यवसायिक) से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, सड़क एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य हेतु राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमों के तहत पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों / सप्लायर्स से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके NIB NO. PNR2627A0046 तथा UBN NO. PNR2627WSOB00074 है तथा टेण्टर आईडी न 2026_PRD_593537-1 है। विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in/ व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

निविदा विक्रय (डाउनलोड/अपलोड) करने की अवधि	28.08.2026 को 10.00 AM से 07.09.2026 को 09.00 AM
निविदा शुल्क एवं अमानता राशि कार्यालय में भौतिक रुप से कार्यालय में जमा कराने की अवधि	07.09.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	07.09.2026 को 3.00 PM

प्रशासक
ग्राम पंचायत मानपुरिया
पं0स0 नांगल राजावतान (दौसा)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत मानपुरिया
पं0स0 नांगल राजावतान (दौसा)

कार्यालय ग्राम पंचायत प्यारीवास पंचायत समिति नांगल राजावतान (दौसा)

क्रमांक :- ग्राप/ निविदा/2026-27/81 दिनांक-27-8-26

निविदा सूचना प्यारीवास 03/2026-27

ग्राम पंचायत प्यारीवास में वित्तीय वर्ष 2026-27 में ग्राम पंचायत के समस्त गांवों में घर-घर (आवासीय एवं व्यवसायिक) से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, सड़क एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य ग्राम पंचायत प्यारीवास कार्य हेतु राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमों के तहत पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों / सप्लायर्स से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके NIB NO. PNR2627A0045 तथा UBN NO. PNR2627WSO800073 है तथा टेण्टर आईडी न 2026_PRD_593506-1 है। विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

निविदा विकय (डाउनलोड/अपलोड) करने की अवधि	28.08.2026 को 10.00 AM से 06.09.2026 को 06.00 PM
निविदा शुल्क एवं अमानता राशि कार्यालय में भौतिक रुप से कार्यालय में जमा कराने की अवधि	07.09.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	07.09.2026 को 3.00 PM

प्रशासक
ग्राम पंचायत प्यारीवास
पं0स0 नांगल राजावतान (दौसा)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत प्यारीवास
पं0स0 नांगल राजावतान (दौसा)

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा0नि0वि0 खण्ड- कामां (डीग)

क्रमांक :- 504 दिनांक :-18-08-2026

निविदा सूचना सं0 06/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड-कामां में विभिन्न कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 01 कार्य, जिनकी कुल लागत राशि रुपये 157.31 लाख है, के लिए ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है।

निविदा फार्म डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख एवं समय	दिनांक 21.08.2026 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 08.09.2026 को सांय 6:00 बजे तक
तकनीकी निविदा खोलने की तारीख व स्थान	दिनांक 09.09.2026 को दोपहर 03:00 बजे खण्ड कार्यालय कामां

निविदा से सम्बन्धित विवरण बेबसाईट "www.dipronline.org" पर एवं निविदा दस्तावेज का विवरण "http://eproc.rajasthan.gov.in" एवं "sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया "http://eproc.rajasthan.gov.in" पर ऑनलाईन सम्पादित की जावेगी।

NIB Code: PWD2627A2454	
S.No.	UBN No.
1	PWD2627WSOB10898

अधिशाषी अभियन्ता
सा0नि0वि0 खण्ड-कामां

DIPR/C/15413/2026

कार्यालय ग्राम पंचायत जीरोता खुर्द पंचायत समिति लवाण (दौसा)

क्रमांक :- एमजी नरेगा/ई-टेण्डर/2025-26/108 दिनांक :- 28-8-26

ई-निविदा सूचना 04,05,06/2025-26

ग्राम पंचायत जीरोता खुर्द में **(i)** रा.उ. मा. वि. जीरोता खुर्द मे प्रार्थना स्थल पर टाईल बिछाई कार्य **(ii)** सीसी टाईल रोड नि. कार्य रा.उ.मा.वि. जीतोरा खुर्द के मुख्य गेट से सरस्वती माता मंदिर की ओर जीतोरा खुर्द कार्य **(iii)** सीसी टाईल रोड कार्य रामदेव मंदिर बैरवा ढाणी से जीरोता कला के अपूर्ण टाईल रोड की ओर जीरोता खुर्द में की सेवाओ हेतु इच्छुक जी.एसटी पंजीकृत निविदादाताओ / फर्मो से निविदाए दो बिड प्रणाली (तकनिकी एवं वित्तिय) मे निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं शर्ते eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदादाताओ को निविदा प्रपत्र ईलेक्ट्रोनिक फॉरमेट में eproc.rajasthan.gov.in पर डिजिटल हस्ताक्षर के साथ दिनांक 27/08/2026 से 03/08/2026 को 12.00 बजे तक अपलोड करना होगा। निविदा शुल्क अमानत डीडी के साथ डीडी दिनांक 03/08/2026 को 12:00 बजे तक ग्राम पंचायत जीतोरा खुर्द में जमा कराना होगा तथा प्राप्त निविदाओं की तकनिकी बिड दिनांक 03/08/2026 को 3.00PM बजे खोली, जायेगी। क्रमशः -

NIB No. :- **(i)** LAW 2627A0066 **(ii)** LAW2627A0067 **(ii)** LAW2627A0068
UBN No. :- **(i)** LAW2627WSOB00078 **(ii)** LAW2627WSOB00079 **(iii)** LAW2627WSOB00080

प्रशासक
ग्राम पंचायत जीरोता खुर्द
पं0स0 लवाण (दौसा)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत जीरोता खुर्द
पं0स0 लवाण (दौसा)

न्यूज गैलरी

श्रावणी कर्म: गायत्री परिवार ने लिया बहनों की रक्षा का संकल्प

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में सावन माह की पूर्णिमा पर शुक्रवार को जयपुर के विभिन्न प्रज्ञा संस्थानों पर श्रावणी उपाकर्म एवं रक्षाबंधन पर्व श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान हेमाद्रि संकल्प, सप्त ऋषि पूजन, वेद पूजन, दस विध स्नान, यज्ञोपवीत परिवर्तन, सामूहिक तर्पण और गायत्री महायज्ञ सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हुए। साधकों ने ऋषियों एवं वेद परंपरा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए आत्मशुद्धि, सदाचार, संयम और आध्यात्मिक साधना को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। साथ ही जीवन में जाने-अनजाने में हुए गलत कार्यों तथा ज्ञात-अज्ञात पाप कर्मों के लिए भगवान से क्षमा याचना की गई और भविष्य में उन गलतियों को नहीं दोहराने का संकल्प लिया गया। सभी स्थानों पर नारी का सम्मान करने और उनकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। गायत्री शक्तिपीठ, ब्रह्मपुरी में श्रावणी उपाकर्म का मुख्य आयोजन हुआ। शक्तिपीठ के व्यवस्थापक सोहन लाल शर्मा ने बताया कि साधकों ने विधि-विधान से भस्म, मिट्टी, गोमय, गोमूत्र, दूध, दही, घी, शहद,हल्दी और कुशा से दस विध स्नान किया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गायत्री यज्ञ में आहुतियां अर्पित की गईं। आयोजन में ऋषि परंपरा, वेदाध्ययन और आत्मशुद्धि के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

नेपाल-तिब्बत के बाढ़ पीडित्तों की सुरक्षा-संरक्षण के लिए किया यज्ञ

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. रक्षाबंधन पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के परिजनों ने तकनीक के माध्यम से देश-विदेश के 108 स्थानों से ऑनलाइन यज्ञ में सहभागिता की। करीब 600 परिजनों ने एक साथ यज्ञ में आहुतियां अर्पित करते हुए नेपाल तिब्बत के बाढ़ पीडित्तों की सुरक्षा, संरक्षण और संकट से शीघ्र मुक्ति की प्रार्थना करते हुए विशेष आहुतियां प्रदान की। रक्षाबंधन पर विश्व शांति, सभी के सुख, समृद्धि और मंगल की कामना भी की गई। ऑनलाइन यज्ञ में चीन के बीजिंग, ऑस्ट्रेलिया के सिडनी सहित सिलीगुड़ी, दिल्ली, साहिबगंज, वल्लभगढ़, पटना, बेंगलुरु, जयपुर, चंडीगढ़, उदयपुर, हनुमानगढ़, टोंक, अजमेर, दौसा, कोटपूतली और चित्तौडग़ढ़ जैसे शहरों से परिजन जुड़े। वहीं दूदू, चाकसू, नीमकाथाना और फतेहपुर शेखावाटी जैसे तहसील मुख्यालयों से भी बड़ी संख्या में परिजनों ने ऑनलाइन यज्ञ में भाग लिया। इस तरह महानगरों से लेकर ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों तक गायत्री परिवार के परिजनों ने एक साथ यज्ञीय वातावरण में सहभागिता की।

चार पीढ़ियों ने एक साथ बंधवाई राखी

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. भाई बहन के प्रेम व सौहार्द का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व सेठी कॉलोनी निवासी मणकसिया परिवार ने 4 पीढ़ी के 50-60 सदस्यों ने मनाया। इस मौके पर उपस्थित सदस्यों ने बहन से राखी बंधवाकर इस पर्व को मनाया। वर्तमान में मणकासिया परिवार में करीब 100 सदस्य है, अधिकांश सदस्यों के बाहर रहने के कारण हर वर्ष 50-60 परिवार सेठी कॉलोनी स्थित निज निवास पर एकत्रित रक्षाबंधन के त्यौहार को आनंदपूर्वक मानते हैं।

पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. ब्राइट बिगिनिंग्स न्यू डॉन वेलफेयर फाउंडेशन की मुख्य शाखा एवं ओमैक्स सिटी शाखा में विद्यार्थियों ने अनूठे अंदाज में रक्षाबंधन मनाया। संस्थापक एवं निदेशक ज्योति महाजन व शाखा प्रभारी सुश्री अंबिका सोनी के मार्गदर्शन में बच्चों ने पर्यावरण हितैषी एवं सीडेड राखियां तैयार कर पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

तपोबल से धर्म संस्कृति की रक्षा करते हैं साधु

समाचार जगत ब्यूरो

सीकर. श्रावण शुक्ल पूर्णिमा का जैनधर्म अनुसार आध्यात्मिक महत्व हैं। इस दिन 1008 श्री श्रेयांस नाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस ,दिगंबर आचार्य अकंपनाचार्य एवं 700 मुनिराजों का उपसर्ग दूर होकर 7 उपवास का पारणा, प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी ने मंदिर ओर जिनागम संस्कृति के संरक्षण हेतु 1105 दिनों तक अन्न आहार त्याग के बाद अन्न आहार लेना, आदि महत्व है लौकिक रूप से भाई बहनों का राखी पर्व भी ऐतिहासिक है जब चित्तोड़ की रानी पद्मिनी ने अपने राज्य की रक्षा हेतु राखी भेजी और मुस्लिम राजा हुमायूं ने भाई का दायित्व निभा कर राज्य ओर शील की रक्षा की। रक्षाबंधन वास्तव में वात्सल्य धर्म बंधन है। सभी को अपनी आत्मा की रक्षा करना चाहिए आत्मा को कर्मों के बंध से बचाना चाहिए। वर्तमान परिपेक्ष्य मेंआचार्य श्री ने करुणा पूर्वक कहा कि महान जैन संस्कृति रसातल में जा रही है सभी को रक्षा का संकल्प लेना चाहिए धर्म की , धर्मात्माओं की ,आत्मा की , संस्कृति की रक्षा आप सभी का परम कर्तव्य है। यह मंगल देशना राजकीय अतिथि वात्सल्य वारिधी पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने पारस भवन दंग की नसिया सीकर में आचार्य धर्म सागर सभागृह में अकंपनाचार्य एवं 700 मुनिराज की पूजन के अवसर पर धर्म सभा में प्रकट की। डा राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने वात्सल्य रक्षा दिवस का धार्मिक महत्व कथा के माध्यम से बताया कि 19 वे तीर्थंकर श्री मल्लीनाथ भगवान के समय 700 मुनिराजों पर हस्तिनापुर में महा उपसर्ग महा मुनिराज विष्णु कुमार मुनिराज ने तप संयम से प्राप्त रिद्धी शक्ति से दूर किया।साधु तपोबल से धर्म संस्कृति की रक्षा करते है । प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी महाराज उत्तर भारत में भ्रमण कर रहे थे ।फरवरी 1930 में राजाखेड़ा (धौलपुर)में संघ का प्रवास हो रहा था । आचार्य शांति सागर जी महाराज ने तप बल से पूर्वाभास ज्ञान भावी संकट को समझा सभी साधुओं को बंद कमरे में ध्यान करने को कहा ,तभी 500 आतताई हमलावर तलवार लेकर आचार्य श्री शांति सागर जी एवं संघ पर हमला करने आए जैन समाज ने प्रतिकार किया साधुओं की रक्षा की। पुलिस ने हमलावरों पर कार्रवाई कर गिरफ्तार किया तो क्षमा शांति के सागर आचार्य शांति सागर जी ने उन्हें क्षमादान करते हुए कोई कार्रवाई नहीं करने को कहा। इसी प्रकार सन 1948 में जैन मंदिर में विधर्मियों के प्रवेश के विरोध में जैन मंदिर संस्कृति की रक्षा के लिए आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज ने अन्न आहार का त्याग कर दिया 1105 दिनों तक अन्न आहार का त्याग रहा जब माननीय न्यायालय का फैसला जैन समाज के पक्ष में आया तब उन्होंने श्रावण शुक्ल पूनम 16 अगस्त 1951 को बारामती में रक्षाबंधन के दिन ही अन्न आहार लेना प्रारंभ किया।अनुभव जैन सेठी के अनुसार आचार्य वर्धमान सागर धर्म वात्सल्य वर्षायोग चातुर्मास समिति श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर बीस पंथ आम्नाय प्रबंध समिति द्वारा सकल दिगम्बर जैन समाज सीकर के सहयोग से वात्सल्य रक्षा दिवस पर आचार्य श्री धर्म सागर सभागृह में श्री जी के अभिषेक पूजन के बाद श्री अकंपनाचार्य, 700 मुनिराज विष्णु कुमार महामुनिराज तथा साक्षात विराजित आचार्य श्री वर्धमान सागर जी की पूजन की गई।बड़े विधान पर श्रीफल विधान पर समर्पित किए गए।

RK GROUP
परमपूज्य आचार्यश्री के श्रीचरणों में बारम्बार नमोस्तु
अशोक पाटनी, सुरेश पाटनी, विमल पाटनी
आर.के. मार्बल ग्रुप. मदनगंज - किशनगढ़ (अजमेर)
WONDER CEMENT
FARQ NAZAR AAYEGA

ठाकुरजी की कलाई पर सजी भक्ति की राखी

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. छोटीकाशी के मंदिरों में श्रावण शुक्ल पूर्णिमा पर रक्षाबंधन उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। गोविंद देवजी, राधा दामोदर जी, गोपीनाथ जी, मदन गोपाल जी, श्री सरस निकुंज, मोतीडूंगरी गणेश जी, लाड़लीजी, बृज निधि जी, ब्रज लाल बिहारी जी, मुरली मनोहर जी सहित अन्य मंदिरों में ठाकुर का पंचामृत अभिषेक वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। पूर्णिमा पर नई पोशाक धारण कराकर अलंकार धारण कराए गए। ठाकुर को कलाबूत की सुनहरी राखी, पवित्रा राखी, कच्चे सूत की राखी, रेशमी राखी, सफेद राखी और फूलों की राखी सहित विभिन्न प्रकार की राखियां धारण कराईं। भक्तों की ओर से भेंट की गई राखियां भी ठाकुर को अर्पित की गईं। इसके साथ ही ठाकुर श्रीजी के दरबार को रंग-बिरंगी राखियों से आकर्षक रूप से सजाया गया। रक्षाबंधन पर ठाकुर श्रीजी को चौगुनी लड्डू, कचौरी और मीठी मठरी का भोग अर्पित किया गया।

बाबा सिद्धेश्वर महादेव का राजराजेश्वर स्वरूप में श्रृंगार

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. सावन मास के अन्तिम दिन,पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को माँ अम्बालिका मंदिर, जयअंबेनगर, टोंक रोड में शिव भक्त अभिषेक खंडेलवाल एवं टीम ने बाबा सिद्धेश्वर महादेव का भव्य राजराजेश्वर स्वरूप में आलौकिक श्रृंगार किया। आरती , आतिशबाजी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। मां अम्बालिका मंदिर के परिसर

को आकर्षक सजावट एवं रोशनी से सजाया गया। रंग-बिरंगी रोशनी के बीच बाबा सिद्धेश्वर महादेव के राजराजेश्वर स्वरूप के दिव्य दर्शन कर श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए। पूरा मंदिर परिसर में भक्तिमय और उत्सवपूर्ण वातावरण बना रहा। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सपरिवार पहुंचकर शाम सुबह 7:15बजे आरती में भाग लिया।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर 99 वर्षीय उमराव देवी पाटनी अपने भाई 97 वर्षीय वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद छाबड़ा को राखी बांधते हुए।

बलराम पूर्णिमा के साथ गुप्त वृंदावन धाम में जन्माष्टमी महोत्सव की शुरुआत

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. गुप्त वृंदावन धाम, जगतपुरा में शुक्रवार को श्रीबलराम पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इससे पूर्व आयोजित कृष्ण कथा का समापन हुआ। बलराम पूर्णिमा पर भगवान को 56 भोग की विशेष झांकी, संकीर्तन, पालकी उत्सव, महाअभिषेक, महाआरती एवं महाप्रसाद अर्पित किया गया।

इसी के साथ शनिवार से तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्निवल (29-31 अगस्त) प्रारंभ हो रहा है। इसका उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं को भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों से जोड़ना है। इसमें बच्चे राधा-कृष्ण एवं अभिभावक नन्द-यशोदा आदि पौराणिक वेशभूषा में भाग लेंगे। भक्ति-संगीत, कीर्तन, शास्त्रीय नृत्य तथा आमंत्रित कलाकारों की विशेष प्रस्तुतियां भी होंगी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और नन्दोत्सव की तैयारियां : धाम में 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की भव्य तैयारियां चल रही हैं। श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन के लिए चार अलग-अलग कतारों की व्यवस्था की जा रही है और लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। दिनभर विशेष अभिषेक, 108 भोग, संकीर्तन तथा मध्यरात्रि महाअभिषेक होगा। इसके बाद 5 सितंबर को नन्दोत्सव एवं श्रील प्रभुपाद व्यास पूजा महोत्सव पर विशेष अभिषेक एवं 1008 भोग अर्पण के साथ मनाया जाएगा। 6 सितंबर को भगवद्गीता की शिक्षाओं पर आधारित विशेष निःशुल्क सेमिनार आयोजित किया जाएगा।

अपने भीतर के विकारों से आत्मा की रक्षा करना: आर्यिकाजी

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. आगरा रोड स्थित सेठी कॉलोनी जैन मंदिर में परमपूज्या गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न श्री जिनदेवी माताजी ने रक्षाबंधन के बारे में बताते हुए कहा कि रक्षा बंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रेम, विश्वास, त्याग और आत्मीयता की रक्षा का संदेश देने वाला पर्व है। राखी का धागा छोटा जरूर है, लेकिन उसमें भावनाओं का संसार बंधा होता है।

जैन धर्म की दृष्टि से रक्षा का सबसे सुंदर अर्थ है अपने भीतर के विकारों से आत्मा की रक्षा करना। क्रोध से रक्षा, मान से रक्षा, माया से रक्षा और लोभ से रक्षा। बाहर की रक्षा करने वाला व्यक्ति वीर हो सकता है, लेकिन जो अपने मन की बुराइयों से स्वयं की रक्षा कर ले, वही सच्चा विजेता है। हम दूसरों से कहते हैं"मेरी रक्षा करना", लेकिन इस पर्व पर हमें स्वयं से भी एक संकल्प लेना चाहिए। "मैं अपने जीवन को गलत विचारों, गलत आदतों और गलत संगति से बचाऊँगा।"रक्षाबंधन हमें यह भी सिखाता है कि रिश्ते केवल खून से नहीं, भावनाओं और विश्वास से मजबूत होते हैं।जैन परंपरा में रक्षाबंधन का संबंध विष्णुकुमार मुनिराज द्वारा, अकंपनाचार्य आदि 700 मुनियों की रक्षा करने से है। इस प्रसंग का संदेश है कि सच्ची रक्षा केवल शरीर की नहीं, बल्कि धर्म, संयम और साधना की रक्षा है। सेठी कालोनी मंदिर के अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी, उपाध्यक्ष सुनील सेठी, महामंत्री धर्मीचंद कासलीवाल एवं कोषाध्यक्ष राकेश मुशरफ ने बताया कि रक्षा बंधन के शुभ अवसर पर पूज्य माताजी के सानिध्य में श्री रक्षा बंधन विधान हुआ। 700 मुनिराज को अर्घ चढाया गया। सभी श्रावकों ने माताजी की पिच्छी पर रक्षा सूत्र बांधकर अपनी अपनी कलाई पर रक्षा सूत्र बंधवाया।

धर्मो रक्षति रक्षित:

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. महल योजना, जगतपुरा स्थित श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में शुक्रवार को श्रेयांसनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक एवं पावन रक्षाबंधन पर्व अपार श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। समन्वयक अभिषेक सांघी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रात :काल से ही मंदिर जी में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का शुभारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय धर्मानुरागी बंधुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रात :काल मूलनायक भगवान का भव्य अभिषेक एवं विश्व शांति की मंगल कामना के साथ शांतिधारा संपन्न की गई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भक्तिमय वातावरण में निर्वाण कांड का पाठ करते हुए भगवान श्रेयांसनाथ के चरणों में मोक्ष कल्याणक का पवित्र लाडू समर्पित किया। पर्व की श्रृंखला में निर्मला मुकेश संघी के निर्देशन में रक्षाबंधन का विशेष पूजन-विधान आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्मरण करते हुए 700 मुनिराज, जिनकी रक्षा मुनि विष्णु कुमार ने राजा बलि के घोर अत्याचारों से की थी, उन समस्त मुनिराजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विशेष अर्घ्य समर्पित किए गए। धार्मिक अनुष्ठानों के समापन पर 'धर्मो रक्षति रक्षित :' के पवित्र सूत्र को आत्मसात करते हुए उपस्थित सभी बंधुओं ने देव-शास्त्र-गुरु और संपूर्ण भारत राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा एवं रक्षा का संकल्प लिया।

32 वें चातुर्मास पर 32 फीट की राखी

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. परम पूज्य गणिनी आर्यिका 105 श्री विभा श्री माताजी के 32वें चातुर्मास के पावन अवसर पर श्री दिगंबर जैन मंदिर, वरुण पथ, मानसरोवर में रक्षाबंधन पर्व को विशेष एवं धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। समिति के अध्यक्ष जे के जैन एवं मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया कि इस अवसर पर 32 फीट लंबी विशाल राखी बांधकर समाज को एकता, प्रेम, वात्सल्य, आपसी सम्मान और संस्कारों का अनूठा संदेश दिया गया। 32 फीट की यह विशाल राखी माताजी के 32वें चातुर्मास का प्रतीक बनी और आयोजन ने समाजजनों में विशेष उत्साह का संचार किया। श्री दिगंबर जैन समाज समिति एवं समस्त समाजजनों ने सामूहिक रूप से विशाल राखी बांधकर संकल्प लिया कि समाज प्रेम और संस्कारों की डोर से सदैव एकजुट रहेगा। इसी क्रम में श्रेयांश नाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर सवा 11 किलो का विशाल लड्डू भगवान को समर्पित किया गया

न्यूज गैलरी

अधिवक्ता सिद्धार्थ जैन मूथा सम्मानित

जयपुर समाचार जगत न्यूज, पोरवाल समाज, जयपुर की ओर से कई वर्षों से राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर में समाज की बहुमूल्य सम्पति से संबंधित विचाराधीन सिविल मामले का मात्र एक माह में निस्तारण करवाकर एवं त्वरित न्याय दिलवाकर समाज की संपत्ति को संरक्षित करने के लिए अधिवक्ता सिद्धार्थ जैन मूथा को सम्मानित किया गया है। इस दौरान पोरवाल समाज, जयपुर के महासचिव महावीर प्रसाद गुप्ता, गिरिजा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। समाज के अध्यक्ष गिर्राज मोहन गुप्ता द्वारा यह सम्मान समाज की सम्पति के विवाद के त्वरित समाधान के लिये किए गये अथक प्रयासों के लिए दिया गया है। पूर्व में भी अधिवक्ता सिद्धार्थ जैन को कोरोना काल में अधिवक्ता समुदाय एवं आमजन की निस्वार्थ भाव से मदद करने के लिए दी बार एसोसिएशन की तरफ़ से भी सम्मानित किया गया था। उपरोक्त बहुमूल्य सम्पत्ति के संबंध में एडवोकेट सिद्धार्थ जैन मूथा ने बताया कि यह सम्पत्ति गायत्री नगर, दुर्गापुरा में स्थित है। जिस पर अवैध कब्जा कर लिया गया था।

युगांडा की महिला को 15 साल की जेल व 2 लाख का जुर्माना

जयपुर समाचार जगत न्यूज, युगांडा की महिला को 15 साल की जेल व 2 लाख का जुर्माना जयपुर, समाचार जगत न्यूज। विदेश से शरीर में छिपाकर अफीम से परिष्कृत अत्यधिक नशीले पदार्थ हेरोइन की तस्करी करने के मामले में एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत में जज विनोद कुमार शर्मा ने महिला तस्कर युगांडा गणराज्य में किचोपे, ओडोकोमिट-लीरा निवासी 28 वर्षीय एवलिन नैन्सी एकेलो को 15 साल की सश्रम जेल एवं 02 लाख रुपए के अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया है। 28 अप्रैल, 2022 को सुबह साढ़े 04 बजे एयर अरेबिया की फ्लाइट से शारजहां से जयपुर एयरपोर्ट आई महिला तस्कर एवलिन नैन्सी एकेलो ने राजस्व आसूचना निदेशालय की पूछताछ में स्वयं के पास कर देय/प्रतिबंधित/निषिद्ध सामान होने से इंकार कर दिया था। बाद में उसे सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके शरीर से 778 ग्राम के 06 से 08 सेंटीमीटर के 70 अंडाकार हेरोइन से भरे हुए कैप्सूल बरामद किए गए थे। वाणिज्यिक मात्र 250 ग्राम से अधिक मादक पदार्थ की तस्करी को अदालत ने गंभीर अपराध मानते हुए उपरोक्त सजा सुनाई।

भीड़ में महिला का मंगलसूत्र चुराने वाली आरोपी गिरफ्तार

जयपुर समाचार जगत न्यूज, समाचार जगत न्यूज. रक्षाबंधन के मौके पर सिंधी कैंप बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ का फायदा उठाकर महिला सोने का मंगलसूत्र चोरी करने वाली आरोपी महिला को सिंधी कैंप थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से मंगलसूत्र भी बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने रक्षाबंधन के मौके पर सिंधी कैंप बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ का फायदा उठाकर महिला का सोने का मंगलसूत्र चोरी करने वाली आरोपी महिला भतेरी (55) निवासी पचेरी कलां जिला झुंझुनूं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया सोने का मंगलसूत्र बरामद कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में अन्य चोरी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है। इस कार्रवाई करने वाली टीम में सिंधी कैंप थानाधिकारी वंदना नरूला, एएसआई प्रहलाद सिंह, कांस्टेबल सतवीर, श्रवण कुमार, भागीरथ तथा महिला कांस्टेबल सुनीता और सरिता शामिल रहे। पुलिस के अनुसार कांस्टेबल सतवीर की कार्रवाई में विशेष और सराहनीय भूमिका रही। सिंधी कैंप थानाधिकारी वंदना नरूला ने बताया कि ललिता मेहरा सिंधी कैंप बस स्टैंड पर यात्रा के लिए पहुंची थीं। बस स्टैंड पर रक्षाबंधन के कारण काफी भीड़ थी। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी ने उनके गले से सोने का मंगलसूत्र चोरी कर लिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर सिंधी कैंप थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने आसूचना तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से संदिग्ध महिला की पहचान की और गिरफ्तार किया।

राजस्थान पुलिस का एक्शन : नागौर, टोंक, कोटपूतली और दौसा में

हथियार सप्लायर, साइबर ठग, नकली नोट गिरोह और मर्डर का पर्दाफाश

समाचार जगत न्यूज

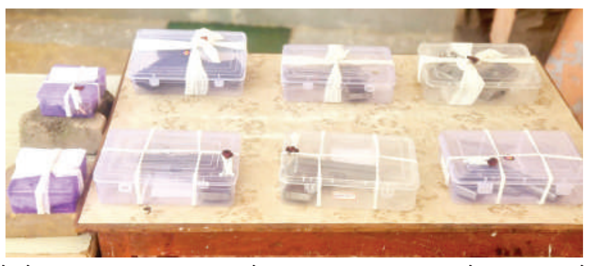

जयपुर. महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेश में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ राजस्थान पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। अलग-अलग जिलों में पुलिस ने एक ही दिन में अवैध हथियारों की तस्करी, संगठित साइबर ठगी, जाली नोटों की सप्लाई और ब्लाइंड मर्डर जैसे गंभीर मामलों में बड़ी सफलता हासिल की है। नागौर, टोंक, कोटपूतली-बहरोड़ और दौसा पुलिस की इन कार्रवाइयों में जहां हथियारों की बड़ी खेप पकड़ी गई, वहीं करोड़ों रुपये की साइबर ठगी के नेटवर्क का पर्दाफाश, जाली नोटों के मुख्य सप्लायर की गिरफ्तारी और अज्ञात शव के सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा किया गया।

नागौर में हथियार सप्लायर समेत 4 गिरफ्तार, 6 पिस्टल और 24 कारतूस बरामद : नागौर जिले में निकाय चुनावों के मद्देनजर अवैध हथियारों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान में थाना खाटूबड़ी पुलिस एवं डीएसटी नागौर ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार सप्लायर सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6 अवैध पिस्टल मय मैगजीन और 24 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। जिला पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के निर्देशन में सहायक पुलिस अधीक्षक जतिन जैन एवं वृताधिकारी जायल संजीव चौहान के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। डीएसटी की सूचना पर पुलिस ने हथियार सप्लायर ओमप्रकाश देहडू को पकड़ा। पूछताछ में उसके द्वारा हथियार बेचने की जानकारी सामने आने पर पुलिस ने अलग-अलग टीमें भेजकर खरीदारों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में ओमप्रकाश देहडू (38), सुरेश राहड़ (32), श्रवणराम (36) और ओमप्रकाश (34) शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग स्थानों पर कुल छह पिस्टल और 24 कारतूस बरामद किए गए।

टोंक में करीब 2 करोड़ की साइबर ठगी का नेटवर्क ध्वस्त, 11 अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरफ्तार : टोंक जिले में डीएसटी टीम और थाना दत्तवास की संयुक्त कार्रवाई में संगठित साइबर ठगी के गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 11 अंतरराज्यीय साइबर ठगों को गिरफ्तार किया गया। जिला पुलिस के अनुसार आरोपी फर्जी सिम कार्ड, फर्जी बैंक खातों और फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए सुनियोजित तरीके से साइबर ठगी करते थे। प्रारंभिक जांच में इस गिरोह द्वारा करीब 2 करोड़ रुपये की साइबर ठगी किए जाने की जानकारी सामने आई है। साइबर अपराध में 399 सिम कार्ड के इस्तेमाल का पता चला है और एनसीआरपी पोर्टल पर आरोपियों के खिलाफ 81 शिकायतें दर्ज होना सामने आया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 37,210 रुपये की साइबर ठगी की राशि, दो बोलेरो, एक स्विफ्ट कार और 12 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इसके अलावा आईफोन-17 प्रो, सैमसंग अल्ट्रा सहित एंड्रॉयड मोबाइल, लैपटॉप और चार एटीएम कार्ड भी जब्त किए गए हैं।

कोटपूतली में जाली नोटों की गैंग का मुख्य सरगना हरियाणा से गिरफ्तार : कोटपूतली पुलिस ने जाली नोटों की सप्लाई करने वाली गैंग के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसके मुख्य सरगना संजीव अहलावत को झज्जर, हरियाणा से गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देश पर 23 अगस्त को कोटपूतली से बरामद हुई 500-500 रुपये के कुल 67,500 रुपये के जाली नोटों के मामले की जांच के लिए विशेष टीम गठित की गई थी।

कोटपूतली के 60 वार्डों के लिए 300 से ज्यादा फॉर्म बिके

नामांकन के पहले दिन ही गरमाया चुनावी माहौल

समाचार जगत ब्यूरो

कोटपूतली-बहरोड़. नगर निकाय आम चुनाव-2026 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू होते ही कोटपूतली में चुनावी हलचल तेज हो गई। नगर परिषद के 60 वार्डों के लिए पहले दिन ही 300 से अधिक नामांकन फॉर्म बिक गए। वहीं 24 प्रत्याशियों ने 28 नामांकन पत्र दाखिल किए। जांच में सभी पर्चे वैध पाए गए। नामांकन के दौरान कचहरी परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे, लेकिन भारी बैरिकेडिंग के कारण शहर के प्रमुख मार्गों पर जाम लगने से आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

अब सिर्फ 29 और 31 अगस्त को नामांकन : नामांकन प्रक्रिया 31 अगस्त तक चलेगी, लेकिन 28 अगस्त को रक्षाबंधन और 30 अगस्त को रविवार का अवकाश होने से अब केवल 29 और 31 अगस्त को ही नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। दोनों दिन नामांकन का समय सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगा। मतदान 9 सितंबर और मतगणना 14 सितंबर को प्रस्तावित है।

कचहरी में सुरक्षा घेरा, एनओसी के लिए कतार : नामांकन के दौरान कचहरी परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। प्रत्याशी और उनके अधिकृत प्रस्तावकों को ही प्रवेश दिया गया। नगर परिषद से नो-ड्यूज एनओसी और पुलिस थानों से चरित्र प्रमाण पत्र लेने के लिए उम्मीदवारों की लंबी कतारें लगी रहीं।

बैरिकेडिंग से मुख्य मार्गों पर जाम : अग्रसेन तिराहे पर भारी वाहनों का प्रवेश रोकने के लिए की गई बैरिकेडिंग का असर शहर की यातायात व्यवस्था पर दिखाई दिया। मुख्य सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई जगह लोगों को काफी देर तक जाम में फंसे रहना पड़ा। अंतिम दो दिनों में नामांकन के दौरान भीड़ बढ़ने से यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन के सामने चुनौती और बढ़ सकती है।

आचार संहिता पर निगरानी, 27 हेल्प डेस्क : एडीएम सोहन सिंह नरूका ने बताया कि जिले में चुनाव प्रक्रिया के लिए 27 हेल्प डेस्क स्थापित की गई हैं। जिला मुख्यालय और सभी आरओ केंद्रों पर कंट्रोल रूम भी बनाए गए हैं। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत आम नागरिक इन कंट्रोल रूम में दर्ज करा सकते हैं। शिकायत पर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

परिजनों ने शहीदों को किया नमन

बहनों ने शहीदों की प्रतिमाओं को बांधी राखी, छलक उठीं आंखें

उदयपुरवाटी, समाचार जगत ब्यूरो. रक्षाबंधन पर्व पर पोसाना गांव के बस स्टैंड स्थित अमर शहीद स्मारक में भावुक कर देने वाला दृश्य देखने को मिला। यहां एक स्थान पर स्थापित छह शहीदों की प्रतिमाओं पर शहीद परिवार की बहनों व परिजनों ने राखी बांधकर शहीदों को नमन किया।

इस दौरान कई बहनों की आंखें छलक आईं। शहीद सेड़ूराम मेचू की बहन जोकेरी देवी व पोती सोनू कुमारी, शहीद जोधाराम महला की बेटी सिंगारी देवी, शहीद बोहितराम ढेवा की बेटी सरोज देवी व पोती मनीषा कुमारी, प्रियंका व पूजा कुमारी, शहीद बालाराम खैरवा की बहन महताब देवी व पोती बबीता व संतरा, शहीद धर्मपाल सिंह ढेवा की बहन तथा शहीद रोहिताश्व की बेटी रितिका, बहन बबीता व अनिता ने शहीद प्रतिमाओं की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। शहीद परिवार की बहनों ने कहा कि उनके भाइयों ने देश की रक्षा के साथ करोड़ों बहनों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। ऐसे वीर सपूतों का बलिदान सदैव याद रखा जाएगा।

शहीदों की प्रतिमाओं पर राखी बांधते समय वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

वहीं गुरुवार को शहीद धर्मपाल सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं शास्त्री बाल निकेतन विद्यालय पोसाना की छात्राओं ने भी अमर शहीद स्मारक पहुंचकर शहीदों की प्रतिमाओं को रक्षा सूत्र बांधे तथा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर प्रधान खैरवा, प्रवीण मेचू, सहित शहीद परिवारों के सदस्य एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

पार्टी 50 प्रतिशत टिकट युवा चेहरों को देने का प्रयास कर रही है : मंडेलिया

चूरू, समाचार जगत ब्यूरो. चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से नगर निकाय चुनाव 2026 पर चर्चा की। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने बताया कि राजस्थान नगर निकाय चुनाव 2026 के लिए चूरू कांग्रेस पार्टी टिकट वितरण और उम्मीदवारों का पैनल तैयार कर चूरू जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेज दिया गया है। जल्द ही उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जायेगी। उन्होने बताया कि कांग्रेस पार्टी का पूरा ध्यान केवल उन्ही उम्मीदवारों पर है जो चुनाव जीतने की क्षमता रखते हो और संकट के समय निष्ठावान बने रहे। कांग्रेस ने इस चुनाव में युवाओं को आगे लाने की रणनीति बनाई है और पार्टी 50 प्रतिशत टिकट युवा चेहरों को देने का प्रयास कर रही है। उन्होने कहा कि पार्टी द्वारा किसी भी उम्मीदवार के साथ भेदभाव नही किया जायेगा जिस वार्ड में जो उम्मीदवार मजबुत होगा पार्टी उसी उम्मीदवार को टिकट देगी और चूरू नगरपरिषद और नगर पालिका रतननगर में फुल बहुमत से कांग्रेस का बोर्ड बनेगा।

महिलाएं खड़ी-खड़ी सफर करने को मजबूर

48 घंटे फ्री सफर की सौगात पर सड़कों से बसें नदारद

नसीराबाद, समाचार जगत ब्यूरो. रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रदेश सरकार ने महिलाओं और बालिकाओं के लिए राजस्थान रोडवेज की बसों में 28 और 29 अगस्त को 48 घंटे निशुल्क यात्रा की सौगात दी है। कागजों पर यह निर्णय बेहद सार्थक और स्वागत योग्य है, क्योंकि सरकार का उद्देश्य है कि हर बहन अपने भाई के घर जाकर राखी बांध सके लेकिन जमीनी हकीकत इस सार्थक सोच के बिल्कुल उलट है। प्रदेश में रोडवेज की 3200 से अधिक एक्सप्रेस बसों में यह सुविधा लागू की गई है, जबकि एसी, वोल्वो और ऑल इंडिया परमिट की बसों को इससे बाहर रखा गया है साथ ही यह सुविधा केवल राजस्थान की सीमा के भीतर ही मान्य है। रोडवेज प्रशासन ने आदेश जारी कर अग्रिम बुकिंग और जीरो राशि का टिकट जारी करने के निर्देश भी दिए हैं।

निकाय चुनाव

कांग्रेस कार्यालय में टिकट के दावेदारों से मंथन

राखी पर दिखा सियासी 'रायशुमारी' का रंग

समाचार जगत ब्यूरो

गंगापुर, भीलवाड़ा. जहां पूरे देश में भाई-बहन के पवित्र प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है, वहीं राजस्थान में स्थानीय निकाय चुनावों की सरगर्मी के बीच राजनीतिक दलों के लिए टिकट चयन की कवायद भी तेज हो गई है। भीलवाड़ा जिले के गंगापुर नगरपालिका क्षेत्र में रक्षाबंधन के दिन सियासत और त्योहार का अनोखा संगम देखने को मिला।

गंगापुर स्थित ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में रक्षाबंधन के अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी के बीच आगामी नगरपालिका चुनाव को लेकर टिकट चाहने वाले दावेदारों से रायशुमारी का दौर चला। इस दौरान विधानसभा प्रत्याशी राजेंद्र त्रिवेदी एवं नगर अध्यक्ष धीरज चंदेल ने विभिन्न वार्डों से टिकट की दावेदारी कर रहे कार्यकर्ताओं और संभावित प्रत्याशियों से चर्चा कर उनकी राजनीतिक पकड़, वार्ड में सक्रियता तथा चुनावी तैयारियों को लेकर जानकारी ली।

नगरपालिका चुनाव को लेकर कांग्रेस में टिकट के दावेदार लगातार अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटे हैं। कई वार्डों में एक से अधिक कार्यकर्ताओं द्वारा टिकट की मांग किए जाने से पार्टी के सामने प्रत्याशी चयन को लेकर चुनौती भी बढ़ती नजर आ रही है। ऐसे में रायशुमारी के जरिए पार्टी स्थानीय कार्यकर्ताओं और वार्ड स्तर के नेताओं की पसंद-नापसंद को समझने का प्रयास कर रही है।

रायशुमारी के दौरान दावेदारों ने अपने-अपने वार्ड की राजनीतिक स्थिति, मतदाताओं से संपर्क, पिछले चुनावों के समीकरण और जीत की संभावनाओं को लेकर अपना पक्ष रखा। पार्टी पदाधिकारियों ने दावेदारों से संगठन के प्रति उनकी सक्रियता तथा चुनाव में पार्टी को मजबूत करने की क्षमता को लेकर भी चर्चा की। गंगापुर नगरपालिका के आगामी चुनाव में अध्यक्ष पद के साथ-साथ सभी वार्डों में प्रत्याशी चयन को लेकर राजनीतिक दलों में अंदरूनी गतिविधियां तेज हो चुकी हैं। टिकट की दौड़ में शामिल दावेदार अपने समर्थकों के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेताओं तक अपनी बात पहुंचाने में लगे हुए हैं। वहीं कांग्रेस नेतृत्व के सामने ऐसे प्रत्याशियों का चयन करने की चुनौती है, जो न केवल अपने वार्ड में मजबूत पकड़ रखते हों, बल्कि संगठन के साथ भी लंबे समय से सक्रिय रूप से जुड़े हों। रक्षाबंधन के दिन जहां कांग्रेस कार्यालय में त्योहार की खुशियां नजर आईं, वहीं दूसरी ओर टिकट के दावेदारों की सक्रियता ने माहौल को पूरी तरह चुनावी बना दिया। अब देखना होगा कि रायशुमारी और पार्टी स्तर पर होने वाले मंथन के बाद कांग्रेस गंगापुर नगरपालिका चुनाव के लिए किन चेहरों पर भरोसा जताती है।

नारणावास में पक्षी घर का शिलान्यास, तुलसी देवी की स्मृति में बनेगा आश्रय

जालोर, समाचार जगत ब्यूरो. नारणावास-बागरा सड़क मार्ग पर स्थित कालेटी नाड़ी के पास बनी प्याऊ के समीप शुक्रवार को पक्षी घर का शिलान्यास किया गया। पंडित कमलेश कुमार एवं हार्दिक कुमार की देखरेख में विधि-विधानपूर्वक मंत्रोच्चार के साथ तुलसी देवी की स्मृति में सादाराम घांची बागरा के परिवार की ओर से पक्षी घर की नींव रखी गई। इस पक्षी घर के बनने से आने वाले समय में हजारों पक्षियों का रैन-बसेरा बनेगा। इस पुनीत कार्य के लिए नारणावास के रूपसिंह राठौड़ ने सादाराम परिवार बागरा का आभार जताया।

हजारों पक्षियों को मिलेगी राहत : नारणावास की इस कालेटी नाड़ी के पास पहले से ही सादाराम परिवार की ओर से प्याऊ व चुगा घर बनाया हुआ है, जिसके कारण यहाँ विभिन्न प्रजातियों के हजारों पक्षी रहते हैं। वर्षा के मौसम में पक्षियों को खतरे के साथ भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। ऐसे में यहाँ पक्षी घर बनने से हजारों पक्षियों को राहत मिलेगी और सुरक्षित आश्रय मिलेगा। इस अवसर पर रूपसिंह राठौड़ नारणावास, सादाराम घांची, देवाराम, भगवत सिंह, गंगासिंह बागरा, उदमी हिराराम घांची, जोईताराम सुथार, बदाराम, हाजी कालूखा, तगाराम घांची, दलाराम सोलंकी, रणछोड़ भाटी, चंपालाल, रावताराम, मालमसिंह, विक्रमसिंह, अभिमन्युसिंह, उकाराम मीणा सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

न्यूज गैलरी

पीएम मोदी ने की जन धन योजना की परिवर्तनकारी भूमिका की सराहना

नई दिल्ली (वार्ता). प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री जन धन योजना की सराहना करते हुए कहा कि इसकी यात्रा "अभूतपूर्व विस्तार और परिवर्तनकारी परिणामों" से चिह्नित रही है। उन्होंने देशभर में वित्तीय समावेशन पर इसके व्यापक प्रभाव को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा अभूतपूर्व विस्तार और परिवर्तनकारी परिणाम! जन धन योजना का प्रभाव अद्वितीय रहा है। मोदी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब देश की प्रमुख वित्तीय समावेशन योजना प्रधानमंत्री जन धन योजना ने 28 अगस्त 2014 को शुरू होने के बाद 12 वर्ष पूरे कर लिए हैं। प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत सभी लोगों को बैंकिंग सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच उपलब्ध कराने और औपचारिक वित्तीय प्रणाली से बाहर रह गए लाखों लोगों को बैंकिंग नेटवर्क से जोड़ने के उद्देश्य से की गई थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 19 अगस्त 2026 तक 59 करोड़ से ज़्यादा जन धन खाते खोले जा चुके थे, जिनमें कुल जमा राशि 3.16 लाख करोड़ रुपये से अधिक थी। लाभार्थियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत से ज़्यादा है, जबकि लगभग 78 प्रतिशत खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में हैं। इस योजना के तहत 41 करोड़ से ज़्यादा रूपे कार्ड भी जारी किए गए हैं। पिछले 12 वर्षों में जन धन योजना सरकार की वित्तीय समावेश की कोशिशों का एक मुख्य आधार बन गई है। इसने लाभार्थियों को बैंकिंग, बचत, क्रेडिट, बीमा, पेंशन सुविधाओं और डिजिटल पेमेंट सेवाओं तक पहुंचने में मदद की है। इस योजना ने 'जन-धन-आधार-मोबाइल' संरचना में भी अहम भूमिका निभाई है।

चेन्नई भेजा जाएगा 800 टन प्याज

मनमाड, (वार्ता). देश भर में प्याज़ की बढ़ती कीमतों को काबू में करने के लिए केंद्र सरकार के अपने बफ़र स्टॉक को बाज़ार में उतारने के फैसले से प्याज़ उगाने वाले किसानों में गहरा असंतोष और आक्रोश फैल गया है। देश की सबसे बड़ी प्याज मंडी लासलगांव (नासिक, महाराष्ट्र) से दिल्ली को पहली 'प्याज एक्सप्रेस' भेजे जाने के बाद, अब मनमाड रेलवे स्टेशन से 21 वैगनों के ज़रिए लगभग 800 टन प्याज़ चेन्नई भेजने की तैयारी की जा रही है। सरकार के इस कदम को किसान अपनी आजीविका पर सीधा हमला मान रहे हैं। नासिक जिले के सरकारी गोदामों से बफ़र स्टॉक का प्याज़ लाकर ट्रेन में लोड किया जा रहा है इससे किसानों के सामने यह बड़ी चिंता आ गयी है कि बफ़र स्टॉक की इतनी बड़ी खेप बाज़ार में आने से मंडियों में प्याज़ के दाम धड़ाम से नीचे गिर जाएंगे, जिससे उन्हें अपनी फसल का वाजिब मूल्य भी नहीं मिल पाएगा। किसानों ने इस बात पर भी कड़ी नाराज़गी जताई है कि सरकारी बफर गोदामों से जो प्याज़ भेजा जा रहा है, उसका एक बड़ा हिस्सा खराब और घटिया गुणवत्ता का है। किसानों का सवाल है कि इस तरह का निम्न स्तर का प्याज़ बाज़ार में खपाकर सरकार न केवल उपभोक्ताओं से खिलवाड़ कर रही है, बल्कि कृत्रिम रूप से दाम गिराकर किसानों को नुकसान भी पहुँचा रही है। सरकार के बफ़र स्टॉक खाली करने के विरोध में किसान संगठनों का गुस्सा अब सडकों और पटरियों पर भी दिखने लगा है। दो दिन पहले जब लासलगांव से 450 टन प्याज़ लेकर ट्रेन दिल्ली के लिए रवाना हो रही थी, तब किसानों के 'प्रहार' संगठन के कार्यकर्ताओं ने ट्रेन रोककर ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन किया था।

नेपाल जैसी तबाही का खतरा: ग्लेशियर दे रहे हैं बड़े संकट के संकेत

कश्मीर के 147 ग्लेशियर का क्षेत्रफल 29 प्रतिशत घटा

पांच ग्लेशियल झीलें बेहद संवेदनशील

वार्ता

श्रीनगर. नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ ने पूरे हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते प्राकृतिक खतरों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर भी इस बदलते हिमालयी पर्यावरण से अछूता नहीं है। यहां तेजी से बदलते ग्लेशियर, बढ़ती ग्लेशियल झीलें, अस्थिर पहाड़ी ढलान, परमाफ्रॉस्ट में बदलाव और अत्यधिक बारिश मिलकर अचानक बाढ़, भूस्खलन और मलबे के विनाशकारी बहाव का खतरा बढ़ा रहे हैं।

कश्मीर विश्वविद्यालय के जियोइन्फॉर्मेटिक्स विभाग के प्रमुख डॉ. इरफान रशीद के अनुसार, हिमालय में आपदाओं को अलग-अलग घटनाओं के रूप में नहीं देखा जा सकता। भारी बारिश के बाद अचानक बाढ़, भूस्खलन से नदियों का रास्ता रुकना और फिर जमा पानी का अचानक निकलना तथा अस्थिर ग्लेशियल झीलों का तेजी से खाली होना एक-दूसरे से जुड़े खतरे हैं।

कश्मीर हिमालय के 147 ग्लेशियरों पर किए गए उपग्रह अध्ययन में पाया गया कि इनका कुल क्षेत्रफल 1980 में करीब 101.7 वर्ग किलोमीटर था, जो 2018 में घटकर 72.4 वर्ग किलोमीटर रह गया। यानी करीब 29 प्रतिशत की कमी आई।

1992 से 2020 के बीच नौ ग्लेशियरों के अध्ययन में भी ग्लेशियर क्षेत्र में औसतन 20.8 प्रतिशत कमी दर्ज की गई और उनके अग्रभाग के पीछे खिसकने की औसत गति करीब 14 मीटर प्रतिवर्ष रही।

कश्मीर के प्रमुख कोलाहोई ग्लेशियर में भी 1962 से 2018 के बीच करीब 23.6 प्रतिशत बर्फ कम हुई है। वर्ष 2000 के बाद इसके पिघलने की गति और बढ़ी।

वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लेशियर का सिकुड़ना अपने आप में तत्काल बाढ़ का संकेत नहीं है, लेकिन इससे पहाड़ों और ग्लेशियल झीलों की प्राकृतिक संरचना बदलती है और भविष्य के खतरों की परिस्थितियां तैयार हो सकती हैं।

जनवरी 2026 में प्रकाशित एक अध्ययन में 1992 से 2024 तक के उपग्रह आंकड़ों के आधार पर कश्मीर हिमालय में 2,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 155 ग्लेशियल झीलों की पहचान की गई। अध्ययन में पाया गया कि ग्लेशियर के सीधे संपर्क वाली झीलों का क्षेत्रफल इस अवधि में 26 प्रतिशत बढ़ा है।

इनमें से पांच झीलों को ग्लेशियर फटने से आने वाली बाढ़ के लिहाज से बेहद संवेदनशील पाया गया। इनके फटने की स्थिति में निचले इलाकों में हजारों मकानों के साथ 15 बड़े पुल, सड़कें और एक पनबिजली परियोजना प्रभावित हो सकती है।

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, जम्मू के वैज्ञानिक डॉ. रियाज अहमद मीर के मुताबिक नेपाल जैसी घटना को केवल बाढ़ के रूप में देखना सही नहीं होगा। ऐसी आपदाओं में भूगर्भीय हलचल, कमजोर चट्टानें, बर्फ, पानी और बदलती जलवायु एक साथ भूमिका निभा सकती हैं। डॉ. मीर के अनुसार हिमालय का बड़ा हिस्सा ऐसी चट्टानों से बना है जो लंबे समय से जारी भूगर्भीय गतिविधियों के कारण पहले ही कमजोर हो चुकी हैं। बढ़ता तापमान इस स्थिति को और प्रभावित कर रहा है। जब अस्थिर चट्टानें ग्लेशियर और बर्फ के संपर्क में आती हैं तो चट्टान और बर्फ का भारी बहाव पैदा हो सकता है। इसमें पानी और मलबा शामिल होकर निचले इलाकों में अचानक विनाशकारी बाढ़ ला सकता है।

परमाफ्रॉस्ट भी नई चिंता

जम्मू-कश्मीर में खतरा केवल ग्लेशियरों और ग्लेशियल झीलों तक सीमित नहीं है। एक उपग्रह अध्ययन में पूरे जम्मू-कश्मीर के परमाफ्रॉस्ट क्षेत्रों का मानचित्र तैयार किया गया है। अध्ययन के मुताबिक करीब 27 प्रतिशत क्षेत्र स्थायी, 24 प्रतिशत रुक-रुक कर और 14 प्रतिशत छिटपुट परमाफ्रॉस्ट क्षेत्र के दायरे में आता है। इस संवेदनशील क्षेत्र में संभावित रूप से 2,415 मकान, 903 झीलें, आठ पनबिजली परियोजनाएं और करीब 193 किलोमीटर सड़कें आती हैं। परमाफ्रॉस्ट के पिघलने या कमजोर होने से ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों की जमीन और ढलानों की स्थिरता प्रभावित हो सकती है। इससे भूस्खलन और अन्य पहाड़ी खतरों की आशंका बढ़ सकती है।

चिसोटी से लेह और कश्मीर तक खतरे के संकेत

जम्मू-कश्मीर में हाल के वर्षों की घटनाएं भी पहाड़ी क्षेत्रों की संवेदनशीलता दिखाती हैं। 14 अगस्त 2025 को किश्तवाड़ के चिसोटी में अचानक आई बाढ़ ने बड़ी तबाही मचाई थी। प्रशासन ने इसे बादल फटना बताया था, लेकिन ऊंचाई वाले इस क्षेत्र में बारिश मापने की व्यवस्था नहीं होने के कारण इसकी तीव्रता की स्वतंत्र पुष्टि मुश्किल रही।

भारत-अमेरिका ने 4.5 करोड़ डॉलर से अधिक के समझौते पर किए हस्ताक्षर

खरीदी जाएंगी टैंक रोधी गाइडेड जैवलिन मिसाइल

नई दिल्ली (वार्ता). भारत और अमेरिका ने भारतीय सेना के लिए 100 से अधिक टैंक रोधी गाइडेड जैवलिन मिसाइल प्रणालियों की खरीद के लिए 4.5 करोड़ डॉलर से अधिक के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह दोनों देशों के बीच बढ़ती रक्षा साझेदारी में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और उनके रक्षा उद्योगों के बीच गहरे सहयोग का मार्ग प्रशस्त करेगा। भारत ने अमेरिकी विदेशी सैन्य बिक्री (एफएमएस) प्रक्रिया के माध्यम से जैवलिन टैंक रोधी गाइडेड मिसाइल प्रणाली की खरीद के लिए अमेरिका के साथ लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में भारत द्वारा "युद्ध-परीक्षित" जेवलिन एंटी-टैंक प्रणाली की प्रस्तावित खरीद को "बड़ी खबर" बताया और कहा कि यह कदम अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति का संकेत है।

गोर ने कहा कि यह "अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में एक बड़ा कदम है और सह-उत्पादन की संभावनाओं का रास्ता खोलता है।" उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध "रिकॉर्ड उच्च स्तर" पर हैं। उन्होंने इस वर्ष मई में शांगरी-ला डायलॉग में अमेरिका के रक्षा मंत्री की टिप्पणियों का भी उल्लेख किया और कहा कि प्रस्तावित खरीद भारत और अमेरिका के बीच अधिक रक्षा औद्योगिक सहयोग और सह-उत्पादन का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। भारत में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने भी एलओए पर हस्ताक्षर का स्वागत किया और कहा कि यह समझौता अमेरिकी और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच स्थायी साझेदारी को दर्शाता है तथा दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच भविष्य के सहयोग के अवसर पैदा करता है। गोर ने कहा, "यह समझौता ऐसी रक्षा साझेदारी को दर्शाता है जो अधिक गहरी, अधिक सक्षम और अधिक महत्वपूर्ण होती जा रही है।" उन्होंने कहा कि जैवलिन समझौता भारतीय सेना के लिए अमेरिकी समर्थन की मजबूती को प्रदर्शित करता है और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के लिए साथ मिलकर काम करने के नए अवसर पैदा करता है उन्होंने कहा, "हम भविष्य के सहयोग की अपार संभावनाएं देखते हैं, जो दोनों देशों के रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करता है।

ई-20 पेट्रोल की जगह ई-10 लाने का कोई प्रस्ताव नहीं : बीपीसीएल

कोच्चि, (वार्ता) भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक संजय खन्ना ने कहा कि मौजूदा ई20 ब्लेंडेड पेट्रोल की जगह ई-10 लाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। खन्ना ने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया, जिससे ऐसा लगा कि ई-20 के विकल्प के तौर पर ई-10 पर विचार किया जा रहा है, जो कि सही नहीं है। उन्होंने कहा कि तीन साल से ज़्यादा समय से ई-20 पेट्रोल पर चल रहे लाखों वाहनों के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल के अनुभव से इंजन खराब होने या इसके इस्तेमाल से जुड़ी किसी भी तरह की समस्या का कोई सबूत नहीं मिला है। खन्ना के मुताबिक ई-20 पेट्रोल प्रदूषण कम करने, ग्रामीण इलाकों में खुशहाली लाने और विदेशी मुद्रा बचाने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि बीपीसीएल राष्ट्रीय इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम का समर्थन करता रहेगा और पेट्रोल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन

प्रधानमंत्री मोदी ने स्कूली छात्राओं से बंधवाई राखी

नई दिल्ली, वार्ता. भाई-बहन के स्नेह, विश्वास एवं अटूट रिश्ते का उत्सव रक्षाबंधन पवित्र श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन शुक्रवार को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां अपने आधिकारिक आवास पर स्कूली छात्राओं और महिलाओं के साथ रक्षाबंधन मनाया, जहां हाथ से बनाई गई राखियों, हंसी-खुशी भरी बातचीत और बच्चों की मासूम हंसी ने इसे यादगार अवसर बना दिया। छात्राओं ने प्रधानमंत्री की कलाई पर रंग-बिरंगी राखियां बांधीं, जिनमें "एक पेड़ मां के नाम" थीम पर विशेष रूप से तैयार की गई राखियां भी शामिल थीं। प्रेम से बनाए गए इन धागों ने रक्षाबंधन की भावना को प्रतिबिंबित किया, जो स्नेह, देखभाल, विश्वास और सुरक्षा के स्थायी बंधन का उत्सव है। बातचीत के दौरान सबसे भावुक क्षणों में से एक तब आया जब एक बच्ची ने प्रधानमंत्री से उनके बचपन के सपने के बारे में पूछा। मोदी ने सरल लेकिन स्नेहपूर्ण जवाब दिया, "आप लोगों को मिलना" यानी आप सभी से मिलना।

'लाड़ली बहनों' ने बांधी लोकसभा अध्यक्ष बिरला को राखी की डोर

कोटा, समाचार जगत ब्यूरो. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी की 'लाड़ली बहनों' के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस अवसर पर बहन वीरांगना मधुबाला ने उन्हें रक्षा-सूत्र बांधा। बिरला ने कहा कि कलाई पर बंधी राखी स्नेह और विश्वास के साथ नारी सम्मान, स्वाभिमान और सुरक्षित भविष्य के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बहनों का स्नेह उनके लिए आशीर्वाद है और उनके सुख-दुख में साथ खड़ा रहना उनका दायित्व है। बिरला ने कहा कि हमारी बहनें परिवार को संभालने के साथ समाज और राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने ईश्वर से कामना की कि हर बहन का जीवन सम्मान, खुशी और आत्मनिर्भरता से भरा रहे तथा उनके सपने पूरे हों। उन्होंने सभी बहनों को स्नेह और विश्वास के पर्व रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

प्रदर्शन के बाद भड़की हिंसा, संसद में घुसने का प्रयास

इंडोनेशिया में भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे युवा और 'जेन जी'

जकार्ता, (वार्ता). इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में संसद के सामने चल रहा आंदोलन शुक्रवार को दूसरे दिन में प्रवेश कर गया। आंदोलनकारी संपत्ति जब्ती विधेयक को शीघ्र पारित करने और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त सजा की मांग को लेकर भारी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी है। जकार्ता पोस्ट ने बताया कि अज्ञात उपद्रवियों ने संसद परिसर में जबरन घुसने का प्रयास किया और कचरे में आग लगा दी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने तेज पानी की बौछारें और आंसू गैस का इस्तेमाल किया लेकिन इसके बाद भी हिंसा पेजोम्पोंगन और स्लिपी इलाकों में फैल गई।

इस आंदोलन की मुख्य ऊर्जा, सोशल मीडिया पर लामबंदी और सड़कों पर अग्रिम भूमिका युवाओं, विश्वविद्यालय के छात्रों और 'जेन जी' की रही है हालांकि इनके अलावा समाज के दूसरे वर्ग के लोग भी इस आंदोलन में शामिल हुए।

आज सुबह प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से शुरू हुआ, जिसमें मध्य जावा के पति क्षेत्र के निवासियों और 'यूनाइटेड पति पीपुल्स एलायंस' के कार्यकर्ताओं सहित सैकड़ों छात्र शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग वर्षों से अटके 'एसेट फॉरफीचर बिल' को तुरंत पास करने की है, ताकि भ्रष्ट अधिकारियों की अवैध संपत्ति को सरकार जब्त कर सके। इसके अलावा युवाओं ने बढ़ती महंगाई, घटते अवसरों और निष्फल सरकारी नीतियों के खिलाफ भी आवाज उठाई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए एकजुट हुए छात्रों और युवाओं ने संसद परिसर के बाहर जोरदार नारेबाजी की।

इससे पहले गुरुवार शाम को सांसदों के इस साल दिसंबर तक विधेयक पारित करने का आश्वासन दिए जाने के बाद एलायंस से जुड़े नागरिक समूह तो वहां से हट गए, लेकिन शाम होते-होते युवा छात्रों और अन्य समूहों का विरोध उग्र हो गया। रात भर चली हिंसा के दौरान स्लिपी पुलिस सबसेक्टर चौकी और पास में खड़ी दो मोटरसाइकिलों को आग के हवाले कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बांस, लाठियां और पत्थर लेकर पहुंचे उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव किया, जिससे पुलिसकर्मियों को पीछे हटना पड़ा।

आज सुबह तक जारी इस उपद्रव के कारण पाल्मेरा-तनाह अबांग पटरियों के आसपास सुरक्षा स्थिति को देखते हुए कम्यूटर लाइन रेल सेवाओं का संचालन रोकना पड़ा, जिससे सार्वजनिक आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ। शुक्रवार को काफी मशक्कत के बाद मुख्य सड़कों से अवरोध हटाकर यातायात बहाल किया जा सका। यह हिंसक प्रदर्शन ठीक एक साल पहले हुए देशव्यापी हिंसक प्रदर्शनों की बरसी पर देखने को मिला है।

ब्राजील की वैज्ञानिक डॉ. मारियांगेला हंग्रिया को मिला वर्ल्ड फूड प्राइज

मिट्टी के जैविक उपचार के बाद हवा से नाइट्रोजन लेने लगते हैं पौधे

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. ब्राजील की वैज्ञानिक डॉ. मारियांगेला हंग्रिया को वर्ल्ड फूड प्राइज मिला है। इससे भारत और राजस्थान के किसानों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

ब्राजील की वैज्ञानिक डॉ. मारियांगेला हंग्रिया ने 40 साल से ज्यादा समय तक मिट्टी के लाभकारी बैक्टीरिया पर शोध किया। उन्होंने ऐसे जैविक उपचार विकसित किए जो पौधों को हवा से नाइट्रोजन लेने में मदद करते हैं। इससे किसानों को महंगे सिंथेटिक नाइट्रोजन उर्वरक (यूरिया आदि) पर बहुत कम निर्भर रहना पड़ता है। सामान्य रूप से फसलों के लिए भारी मात्रा में रासायनिक नाइट्रोजन खाद डाली जाती है। लेकिन ये सूक्ष्मजीव वायुमंडलीय नाइट्रोजन को पौधों के उपयोग लायक रूप में बदल देते हैं। नतीजा—ब्राजील में यह तकनीक करोड़ों हेक्टेयर में इस्तेमाल हो रही है। कुछ बैक्टीरियल उपचार सिर्फ कुछ डॉलर प्रति हेक्टेयर खर्च करते हैं, जबकि पारंपरिक नाइट्रोजन उर्वरक 30-50 डॉलर प्रति हेक्टेयर तक पड़ता है।

वर्ल्ड फूड प्राइज के अनुमान के मुताबिक उनकी तकनीक ब्राजील के किसानों को हर साल करीब 25 अरब डॉलर बचा रही है और लगभग 230 मिलियन मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष उत्सर्जन रोक रही है। चार दशक की मेहनत के बाद उन्हें कृषि क्षेत्र का "नोबेल" माना जाने वाला वर्ल्ड फूड प्राइज मिला।

भारत और राजस्थान के किसानों के लिए बड़ी सीख

भारत में भी नाइट्रोजन उर्वरक पर भारी निर्भरता है। राजस्थान जैसे सूखा प्रभावित और कम उपजाऊ मिट्टी वाले राज्य में यूरिया की कीमत, उपलब्धता और मिट्टी की सेहत बड़ी समस्या है। मूंग, मूंगफली, चना, ग्वार जैसी दलहनी फसलों में राइजोबियम जैसे नाइट्रोजन फिक्सिंग बैक्टीरिया स्वाभाविक रूप से जड़ों में गांठें बनाते हैं और हवा से नाइट्रोजन उपलब्ध कराते हैं। इससे यूरिया की जरूरत कम हो जाती है।

राजस्थान में थार रेगिस्तान समेत कई इलाकों में वैज्ञानिक राइजोबियम और अन्य पीजीपीआर (पौधे की वृद्धि बढ़ाने वाले) बैक्टीरिया के स्थानीय स्ट्रेन पर शोध कर रहे हैं। जयपुर, जोधपुर, कोटा और अन्य जगहों पर कृषि विश्वविद्यालयों व संस्थानों ने ऐसे जैव उर्वरक विकसित किए हैं जो नाइट्रोजन फिक्सेशन के साथ फॉस्फोरस घुलाने और पौधे की जड़ें मजबूत करने में मदद करते हैं। आईसीएआर और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के जैव उर्वरक 20-30 किलो नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर तक बचा सकते हैं और उपज 10-20 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं।

ब्राजील की सफलता बताती है कि सही स्ट्रेन चुनकर, सालाना बीज उपचार (इनोक्यूलेशन) करके और किसानों तक पहुंचाकर भारत में भी भारी बचत संभव है। राजस्थान के किसानों के लिए यह खास तौर पर फायदेमंद हो सकता है क्योंकि यहां मिट्टी में जैविक कार्बन कम है और रासायनिक खाद महंगी पड़ती है। जैव उर्वरक सस्ते, पर्यावरण के अनुकूल और मिट्टी की दीर्घकालिक सेहत सुधारने वाले हैं।

भारत में जैव उर्वरक बाजार बढ़ रहा है, लेकिन जागरूकता अभी कम है। अगर राजस्थान में स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल बैक्टीरिया आधारित तकनीक को बढ़ावा दिया जाए—बीज उपचार, मिट्टी में इनोकुलेंट और सघन प्रदर्शन के जरिए—तो यूरिया पर निर्भरता घटेगी, लागत बचेगी और पर्यावरण को फायदा होगा। डॉ. हंग्रिया का 40 साल का शोध याद दिलाता है कि छोटे सूक्ष्मजीव बड़े बदलाव ला सकते हैं। राजस्थान और पूरे भारत के किसान भी इस जैविक क्रांति से जुड़कर लाभ उठा सकते हैं।

अब सीधे दिल्ली तक दौड़ेंगे वाहन

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे: मुकुंदरा टनल की दूसरी ट्यूब भी शुरू

कोटा, समाचार जगत ब्यूरो. दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बनी मुकुंदरा टनल की दूसरी ट्यूब में भी शुक्रवार से वाहनों का ट्रायल शुरू कर दिया गया। इसके साथ ही मध्यप्रदेश की ओर से आने वाले वाहनों के लिए एक्सप्रेसवे का वह हिस्सा सीधे दिल्ली तक जुड़ गया है, जहां अब तक टनल से निकलने के बाद वाहनों को राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर उतरकर फिर एक्सप्रेसवे पकड़ना पड़ता था।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के महाप्रबंधक एवं परियोजना क्रियान्वयन इकाई कोटा के परियोजना निदेशक संदीप अग्रवाल ने बताया कि फिलहाल मुंबई की ओर से आने वाले यातायात को ट्यूब-2 से निकाला जा रहा है। ट्यूब-1 से यातायात का पूरा परीक्षण पहले ही किया जा चुका है। जल्द ही दोनों ट्यूब में यातायात शुरू करने की तैयारी है।

अब एनएच-52 पर उतरने की जरूरत नहीं : ट्यूब-2 शुरू होने से मध्यप्रदेश की सीमा की ओर से आने वाले वाहन मुकुंदरा टनल पार कर सीधे गोपालपुरा टोल से आगे एक्सप्रेसवे पर जा सकेंगे। इससे दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों को एक्सप्रेसवे छोड़कर एनएच-52 पर जाने और फिर दोबारा एक्सप्रेसवे पकड़ने की जरूरत नहीं रहेगी। कोटा जाने वाले वाहन गोपालपुरा टोल पर उतर सकेंगे।

फिलहाल टनल वाले हिस्से का टोल नहीं लिया जा रहा है। एनएचएआई ने अपने तंत्र में इसे शून्य कर रखा है। ट्यूब-2 में फिलहाल परीक्षण के चलते वाहनों को कम गति से चलने के निर्देश दिए गए हैं। इससे टनल के पास वाहनों की लंबी कतार लग रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **त्रिशला गोधा** द्वारा समाचार जगत, 11 जवाहर लाल नेहरू मार्ग, विद्याश्रम स्कूल के सामने, संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। **संपादक :** शैलेन्द्र गोधा* । **फोन :** 3509888 (संपादकीय) : **फैक्स :** 0141-2708088
e-mail: samacharjagat@gmail.com, sjnews@samacharjagat.com
* पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी